राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, शनिवार, 29 नवंबर 2025

वर्ष 07, अंक 60, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

पराली जलाने पर किसानों पर 5 हज़ार का लगा जुर्माना, सैटेलाइट से पुष्टि, कृषि विभाग ने की कार्रवाई...03

तिब्बती पहचान पर चीन की नज़र? प्राग घोषणापत्र में दलाई लामा के उत्तराधिकार पर हस्तक्षेप का कड़ा विरोध...12

'यह मानसिकता को दर्शाता है...; मासिक धर्म का सबूत मांगने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र और अन्य से मांगा जवाब

● हरियाणा के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में महिला सफाई कर्मचारियों से मासिक धर्म का सबूत दिए जाने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है. शुक्रवार को जस्टिस बीवी नागरत्ना और महादेवन की पीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र और अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मासिक धर्म से जुड़ी एक याचिका पर केंद्र सरकार और अन्य जवाब मांगा है. इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि हरियाणा के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में महिला सफाई कर्मचारियों को अपने निजी अंगों की तस्वीरें दिखाकर यह साबित करने के लिए कहा गया था कि उन्हें मासिक धर्म हो रहा है. जस्टिस बीवी नागरत्ना और महादेवन की पीठ ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा हैं।

जस्टिस नागरत्ना ने सुनवाई के दौरान सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि यह मानसिकता को दर्शाता है. कर्नाटक में वे मासिक धर्म के लिए छुट्टी दे रहे हैं. इसे पढ़ने के बाद मैंने सोचा कि क्या वे छुट्टी देने के लिए सबूत मांगेंगे. यह लोगों की मानसिकता को दर्शाता है. यदि उनकी अनुपस्थिति के कारण कोई भारी काम नहीं किया जा सका तो किसी और को तैनात किया जा सकता था. जस्टिस ने आगे कहा कि हमें उम्मीद है कि इस याचिका से कुछ अच्छा होगां।

'...यह मानसिकता को दर्शाता है'

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बताया गंभीर मामला

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और सीनियर वकील विकास सिंह ने कहा है कि यह एक गंभीर आपराधिक मामला है और इस पर ध्यान देने की जरूरत है. अदालत ने याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 15 दिसंबर की तारीख तय की है. याचिका में कथित घटना की विस्तृत जांच करने और केंद्र और हरियाणा को निर्देश देने का अनुरोध किया गया हैं।

तीन लोगों पर FIR

बार निकाय ने यह सुनिश्चित करने के लिए दिशा निर्देश की मांग भी है कि मासिक धर्म के दौरान महिलाओं और लड़कियों के स्वास्थ्य, सम्मान, शारीरिक स्वायत्तता और निजता के अधिकार का उल्लंघन न हो. घटना को लेकर पुलिस ने कहा है कि इस मामले में विश्वविद्यालय से जुड़े तीन लोगों पर 31 अक्टूबर को यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था. ऐसा आरोप है कि उन्होंने महिला सफाई कर्मचारियों से उनके निजी अंगों की तस्वीरें दिखाकर यह साबित करने के लिए कहा था कि उन्हें मासिक धर्म हो रहा हैं।

घटना को लेकर विश्वविद्यालय का क्या कहना है?

वहीं, विश्वविद्यालय ने एक बयान में कहा था कि घटना की जानकारी सामने आने के बाद प्रशासन ने दो पर्यवेक्षकों को सस्पेंड कर दिया है, जिन्हें हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड के जरिए अनुबंध पर नियुक्त किया गया था और घटना की आंतरिक जांच के आदेश दिए गए थे. यह घटना तब हरियाणा के राज्यपाल असीम कुमार घोष के विश्वविद्यालय का दौरा करने के कुछ घंटे पहले 26 अक्टूबर हुई थीं।

जिन तीन महिला सफाई कर्मचारियों से मासिक धर्म के सबूत मांगे गए थे उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को इसकी शिकायत दी. उन्होंने आरोप लगाया है कि अस्वस्थ होने की जानकारी देने के बावजूद दो पर्यवेक्षकों ने पहले उन्हें परिसर में सफाई करने के लिए मजबूर किया और फिर उनसे यह साबित करने के लिए कहा कि वे मासिक धर्म से गुजर रही हैं।

कनाडा में गोल्डी गैंग का सिप्पू गिरफ्तार, कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग कराकर चर्चा में आया, अब लाया जाएगा भारत

● कनाडा पुलिस ने गोल्डी ढिल्लो गैंग के सबसे बड़े गैंगस्टर सिप्पू को गिरफ्तार किया है. जांच में सामने आया है कि सिप्पू ने ही गोल्डी ढिल्लो के कहने पर बंधु मान सिंह को कैप्स कैफे पर फायरिंग के लिए हथियार उपलब्ध करवाने के लिए कहा था. इस पूरे केस में सबसे दिलचस्प बात यह है कि यह पूरा गैंग लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए भी काम करता रहा है, जिससे इन गैंगों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैली आपराधिक नेटवर्किंग का एक और उदाहरण सामने आता है

कनाडा पुलिस ने गोल्डी ढिल्लो गैंग के सबसे बड़े गैंगस्टर सिप्पू को गिरफ्तार किया है. बताया जा रहा है कि पुलिस ने दो दिन पहले ही सिप्पू को गिरफ्तार किया है. लेकिन उसकी गिरफ्तारी की सूचना अब सामने आई है. अब उसे भारत लाने की तैयारी चल रही है. जांच में सामने आया है कि सिप्पू ने ही गोल्डी ढिल्लो के कहने पर बंधु मान सिंह को कैप्स कैफे पर फायरिंग के लिए हथियार उपलब्ध करवाने के लिए कहा था.

पुलिस की जांच में सामने आया है कि बंधु मान सिंह ने कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैप्स कैफे पर फायरिंग के लिए दलजोज और गुरजोत को हथियार के अलावा गाड़ी भी उपलब्ध कराई थी. दलजोत और गुरजोत ने ही दस जुलाई, सात अगस्त और 16 अक्टूबर को कैप्स कैफे पर फायरिंग की थी. फिलहाल दोनों फरार बताए जा रहे हैं. कनाडा पुलिस शूटरों की तलाश में जुटी है. पुलिस का दावा है कि जल्द ही शूटरों को भी पकड़ लिया जाएगा.

गोल्डी ढिल्लों गैंग का अहम खिलाड़ी भी हो चुका गिरफ्तार

इस पूरे केस में सबसे दिलचस्प बात यह है कि यह पूरा गैंग लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए भी काम करता रहा है, जिससे इन गैंगों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैली आपराधिक नेटवर्किंग का एक और उदाहरण सामने आता है. वहीं, इसी मामले में दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने हाल ही में लुधियाना से बंधु मान सिंह को भी गिरफ्तार किया था, जो इंडिया-कनाडा बेस्ड गोल्डी ढिल्लों गैंग का एक अहम खिलाड़ी माना जाता है.

बंधु के सीबे गैंगस्टर से लिंक

दिल्ली पुलिस ने बताया कि अगस्त में मुंबई कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैफे कैप्स कैफे पर हुई फायरिंग में जिन शूटरों ने हमला किया था, उन्हें हथियार और गाड़ी उपलब्ध करवाने में बंधु मान सिंह की बड़ी भूमिका थी. दिल्ली पुलिस को जांच में कनाडा में मौजूद सीबे गैंगस्टर से भी बंधु मान सिंह के लिंक मिले हैं, जिसे कुछ समय पहले ही वहां की पुलिस ने गिरफ्तार किया था.

गोल्डी ढिल्लों-लॉरेंस बिश्नोई गैंग को बड़ा नुकसान

माना जा रहा है कि इन गिरफ्तारियों के बाद गोल्डी ढिल्लों-लॉरेंस बिश्नोई गैंगको बड़ा नुकसान हुआ है और फायरिंग मामले की जड़ें अब काफी स्पष्ट होती जा रही हैं. अंतरराष्ट्रीय गैंगों की इस कड़ी ने एक बार फिर दिखाया है कि भारत और विदेश में बैठे अपराधी कैसे मिलकर संगठित नेटवर्क चला रहे हैं. पुलिस अब इस केस में आगे की जांच तेज कर चुकी है

कपिल शर्मा ने दी थी प्रतिक्रिया

हाल ही में, कपिल शर्मा ने अपने कैफे पर हुई फायरिंग की घटना पर चुप्पी तोड़ी थी। उन्होंने कहा था कि जितनी बार फायरिंग हुई है, उतनी ही बार बड़ी ओपनिंग भी हुई है। कपिल ने यह भी बताया था कि इस घटना की चर्चा कनाडा की संसद तक में हुई थी।

सुरक्षा के संबंध में उन्होंने भारत और मुंबई की पुलिस व्यवस्था की सराहना की थी और कहा था कि: 'मुझे भारत में कभी भी किसी तरह का कोई डर नहीं लगा है। मैं मुंबई और भारत में कभी असुरक्षित महसूस नहीं करता हूँ। वहाँ (कनाडा) वाले लोगों के पास मुंबई जैसी पुलिस नहीं है। ' दिल्ली क्राइम ब्रांच की यह गिरफ्तारी अंतरराष्ट्रीय गैंगस्टर नेटवर्क पर नकेल कसने की दिशा में एक बड़ा कदम है, जिसने विदेशों में भी भारतीय हस्तियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है।

यूपी के सरकारी स्कूलों के Half Year E&am में जरूरी बदलाव, कक्षा पांच की 2 परीक्षाओं की तारीख बदली

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग ने कक्षा एक से आठ तक होने वाली अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। विभाग ने 10 दिसंबर से 15 दिसंबर तक निर्धारित परीक्षा तिथियों को यथावत रखते हुए सिर्फ 13 दिसंबर को होने वाली कक्षा पांच की दो परीक्षाओं की तारीख बदल दी है। यह निर्णय उसी दिन आयोजित होने वाली जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा-2026 को देखते हुए लिया गया है, ताकि बच्चों को किसी तरह की परीक्षा टकराव की परेशानी न हो।

शिक्षा निदेशक बेसिक प्रताप सिंह बघेल द्वारा जारी निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि परिषदीय और मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कक्षा एक से आठ की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित की जाएंगी। लेकिन 13 दिसंबर को होने वाली कक्षा पांच की प्रथम पाली की गणित तथा द्वितीय पाली की कला/संगीत विषय की परीक्षा अब 18 दिसंबर को कराई जाएगी। नई तिथि के अनुसार 18 दिसंबर को सुबह पहली पाली में गणित और दूसरी पाली में कला/संगीत की परीक्षा आयोजित होगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा कार्यक्रम में सिर्फ यही दो बदलाव किए गए हैं, जबकि बाकी सभी तिथियां और निर्देश पहले की तरह ही लागू रहेंगे। सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि बदले हुए कार्यक्रम की जानकारी तुरंत अपने-अपने जिले के सभी परिषदीय और मान्यता प्राप्त विद्यालयों तक पहुंचा दें, ताकि छात्रों और शिक्षकों को तैयारी में कोई दिक्कत न हो।

संक्षिप्त ख़बरें

लखनऊ में हवाई फायरिंग, कैंटीन में बैठे ग्राहक को 20 से ज्यादा लड़कों ने मिलकर पीटा; मची अफरा-तफरी

लखनऊ। गोमती नगर जनेश्वर मिश्र पार्क गेट नंबर चार पर रुपयों को लेकर हुए विवाद में पांच लग्जरी कारों से पहुंचे 20 से ज्यादा रईसजादों ने कैंटीन में बैठे ग्राहक को खींचकर सड़क पर लाए और पीटना शुरू कर दिया। बीच-बचाव करने वाले पहुंचे कैंटीन संचालक और उसके भाई को भी नहीं छोड़ा।इस दौरान उनमें से किसी ने हवाई फायरिंग कर दी। गोली चलते अफरा-तफरी का माहौल हो गया। इसपर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। गोमतीनगर विस्तार पुलिस मुकदमा दर्ज कर सीसी कैमरे खंगाल रही है। विकासखंड-5 स्थित ग्वारी निवासी अनूप यादव का जनेश्वर मिश्र गेट नंबर-4 के पास फूड की स्टाल है। पीड़ित ने बताया कि 22 नवंबर की शाम करीब पांच बजे करीब पांच-छह लग्जरी गाड़ियों से करीब 15-20 लोग पहुंचे थे। कुछ देर पहले रुपयों को लेकर कुछ विवाद हुआ, जिसपर वहां बैठे एक ग्राहक ने कुछ बोल दिया था। जिसके बाद हमलावर उनकी दुकान में घुसे और ग्राहक को पीटते हुए बाहर खींच लाए। आरोपितों ने ग्राहक को लात-घूंसों से बेरहमी से मारा। मारपीट देख अनूप और उनके भाई आशुतोष ने बीच-बचाव का प्रयास किया। इसपर हमलवारों ने उन दोनों को भी बुरी तरह से पीटा। मारपीट देख आसपास लोगों की भीड़ जुटने लगी। इसपर हमलावर ने असलहा निकालकर फायरिंग की। गोलियों की आवाज से वहां अफरा-तफरी मच गची। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी कैंटीन हटवाने और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। डायल-112 पर सूचना मिलते ही गोमतीनगर विस्तार पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। पीड़ित अनूप ने 25 नवंबर को गोमतीनगर विस्तार थाने में लिखित शिकायत की। पीड़ित ने तहरीर में एक गाड़ी का नंबर भी दिया। पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद शुक्रवार को अज्ञात हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर सुधीर कुमार अवस्थी ने बताया कि गाड़ी नंबर की मदद से आरोपितों की तलाश की जा रही है। इसके लिए गाड़ी के बारे में आरटीओ से जानकारी मांगी गयी है।

बोलेरो की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत, दूसरा घायल

सिद्धार्थनगर। मोहाना थाना क्षेत्र के पडरी और युसूफपुर गांव के बीच एनएच-28 पर शुक्रवार की दोपहर बाइक और बोलेरो में टक्कर हो गई। जिससे घटना स्थल पर ही बाइक सवार की दर्दनाक मौत हो गई। जिसकी पहचान मोहम्मद ईसा(55)पुत्र मोहम्मद हनीफ ग्राम पंचायत बर्डपुर नंबर 5 के टोला हरदिहवा निवासी के रूप में हुई। जबकि बाइक चालक मैनुद्दीन उर्फ गुड्डु(35) गंभीर रूप से घायल हो गया वह ग्राम खलीलपुर के टोला पुरैना का निवासी बताया जाता है। शुक्रवार दोपहर बर्डपुर कस्बे से दोनों मोहाना की तरफ जा रहे थे अभी वह मोहना थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत खलीलपुर के टोला यूसुफपुर तथा पडरी के बीच पहुंचे ही थे कि उधर से आ रही बोलेरो ने ठोकर मार दी जिससे वह सड़क पर बाइक सवार दोनों गिर कर चोटिल हो गए, जिसमें बाइक सवार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि बाइक चालक मैनुद्दीन उर्फ गुड्डु गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका इलाज मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर में चल रहा है। इस मामले में थानाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सहकारिता की गड़बड़ी को छिपाकर न्यायालय से ले रहे लाभ धान खरीदी केन्द्र की जुगाड़ में

● हर वर्ष धान खरीदी में करोड़ों का हो रहा खेल कमिष्नर कलेक्टर को संज्ञान में लेने की जरूरत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल से वर्षों से चल रहे घोटाले को लेकर जहां सहकारिता विभाग शहडोल निष्क्रिय एवं निकम्मा साबित रही, हाल ही में जिला मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर चुहरी समिति प्रबंधक को लोकायुक्त द्वारा रेड की कार्यवाही एवं कई दर्जन षिकायतों को लेकर कलेक्टर एवं कमिष्नर से कार्यवाही की मांग पर 29.10.2025 को चुहरी समिति प्रबंधक को निलम्बन की कार्यवाही की गई इस कार्यवाही को लेकर भ्रष्टाचार में लिप्त हर वर्ष धान खरीदी में लिप्ट मास्टर मांड दिनकर प्रसाद तिवारी जिला कलेक्टर एवं संभागीय कमिष्नर से बहाली न करा पाने के बाद सारे तथ्य प्रमाण को छिपाकर माननीय न्यायालय जबलपुर से स्टे लाकर वाह वाही लूटने का काम किया गया है, जबकि वर्ष 2019 में लोकायुक्त द्वारा 3000रू. रिष्वत लेते हुए ट्रेप किया गया था , साथ ही दर्जनों किसानों से हजारों रू. की अवैध वसूली कमीषन के रूप में लिए जाने के साथ प्रमाण के बाद सहकारिता शहडोल कार्यवाही करने पर निष्क्रिय दिखी।

भ्रष्टाचार को दबाने एवं धान खरीदी के पुनः अवसर मिले लिया न्यायालय का शरण क्षेत्र के किसान फिर मायूस नजर आए की 100-50 रू. क्विटल जब कमीषन देगे तभी भ्रष्ट समिति प्रबंधक के द्वारा हम सभी किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। आखिर क्या मजबूरी जिला प्रषासन एवं सहकारिता विभाग की ऐसे भ्रष्टाचारी कर्मचारी को बार बार समिति प्रबंधक बनाकर विभाग की छीछालेदर व बदनामी करायी जा रही है, जबकि भ्रष्टाचार की जॉच एवं की गई षिकायतों की फाइल अभी जॉच के दायरे में है। सहकारिता विभाग में बैठे अधिकारी भ्रष्टाचार को दे रहे बढ़ावा, क्षेत्रीय किसानें का कहना है कि सहकारिता विभाग लूट का केन्द्र बना हुआ है, जो कर्मचारी खुलेआम भ्रष्टाचार करता है। एवं धान खरीदी, गेंहू खरीदी, किसानों को ऋण सुविधा जैसे कई सुविधा पर भ्रष्टाचार में लिप्त निलंबित कर्मचारी रहा उसे गांधी छाप की चढोत्तरी के आगे सहकारिता विभाग के अधिकारी न्याय संगत नैतिक जिम्मेदारी के साथ कार्यवाही करने में पीछे दिखे जबकि माननीया न्यायालय से मिले स्टे पर पुनः जबलपुर माननीय न्यायालय में किसानों ने स्टे को समाप्त करने की पहल की गई है जिससे शीघ पुनः न्याय के साथ निलंबित कर्मचारी को निलम्बन के साथ बर्खास्त जैसी कार्यवाही झेलना पड़ सकता है।

जीजा ने किया किशोरी के साथ दुष्कर्म, पीड़ित परिवार की शिकायत पर केस दर्ज; आरोपी गिरफ्तार

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली में किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। दक्षिणी दिल्ली के जैतपुर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। जैतपुर थाना क्षेत्र में एक किशोरी से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी पीड़िता का ही रिश्तेदार निकला। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराते हुए शुक्रवार को एफआईआर दर्ज की। वहीं, आरोपी जीजा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक कालिंदीकुंज निवासी आरोपित जैतपुर थाने के पास एक मैरिज लॉन में केयर टेकर है। मैरिज लॉन के पीछे के हिस्से में पत्नी के रहता भी है। किशोरी कुछ दिन पहले ही अपनी बहन के घर पर रहने के लिए आई थी। बृहस्पतिवार को उसकी बहन किसी काम से बाहर गई हुई थी। कमरे पर किशोरी को अकेला पाकर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। बात फैलने पर स्वजन रात में ही किशोरी को लेकर जैतपुर थाने पहुंचे। पुलिस ने रात में ही उसका मेडिकल कराया, जिसमें दुष्कर्म की पुष्टि हुई। पीड़िता के बयान और स्वजन की शिकायत पर शुक्रवार को पाक्सो समेत अन्य धाराओं में आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया। दोपहर तक आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया।

ग्राम प्रधान और उनके एक सहयोगी के उत्पीड़न का महिला (BLO)को करना पड़ा सामना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मलिहाबाद, लखनऊ में एसआईआर (SIR) एवं प्रगणन जैसे महत्वपूर्ण सरकारी कार्य में जुटी एक महिला बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) को ग्राम प्रधान और उनके एक सहयोगी के उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। प्रार्थी बीएलओ ने ग्राम प्रधान रामशंकर पर न केवल कार्य में बाधा डालने, बल्कि उनके कहने पर एक अन्य महिला द्वारा गाली-गलौज किए जाने का भी गंभीर आरोप लगाया है। यह शिकायत उपजिलाधिकारी (SDM) मलिहाबाद को लिखित रूप में सौंपी गई है, जिसमें तुरंत कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

सरकारी कार्य के दौरान अपमान और बाधा

शिकायतकर्ता सिया दुलारी (बीएलओ, म.वि. बिराहिमपुर) अपने सहयोगी विमलेश सिंह के साथ ग्राम पंचायत बिराहिमपुर कलां में चुनावी प्रक्रिया से संबंधित सरकारी दायित्वों का निर्वहन कर रही थीं। प्राप्त शिकायत पत्र में कहा गया है कि ग्राम प्रधान रामशंकर और उनके सहयोगी इस कार्य में लगातार बाधा डाल रहे थे और बीएलओ को परेशान कर रहे थे।

अपमानजनक टिप्पणीः बीएलओ सिया दुलारी ने आरोप लगाया है कि प्रधान रामशंकर के सीधे कहने पर ऊषा पत्नी बाबूलाल ने उन्हें अपमानित किया। ऊषा बाबूलाल ने बीएलओ को कथित तौर पर 'सरकारी कुतिया' कहकर अपमानित किया और उन्हें गन्दी-गन्दी गालियां दीं। काम न करने की धमकीः गाली-गलौज और विरोध करने पर बीएलओ को यह भी धमकी दी गई कि वह अब प्रधान के मनमाने ढंग से काम करेंगी।

मानसिक प्रताड़ना और रिकॉर्डिंग का दावा

पीड़ित बीएलओ सिया दुलारी ने शिकायत में स्पष्ट किया है कि प्रधान और उनके सहयोगियों द्वारा किए गए इस दुर्व्यवहार, गाली-गलौज और कार्य में लगातार बाधा से उन्हें मानसिक रूप से गहरा आघात पहुँचा है। शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया है कि उनके पास इस पूरी घटना की रिकॉर्डिंग (रिकॉर्डेड प्रमाण) मौजूद है, जो आरोपों की सत्यता सिद्ध करती है।

प्रशासनिक हस्तक्षेप और कानूनी मांग

बीएलओ सिया दुलारी ने उपजिलाधिकारी महोदय से निवेदन किया है कि ग्राम प्रधान रामशंकर (कार्य में बाधा डालने के लिए) और ऊषा पत्नी बाबूलाल (गाली-गलौज के लिए) के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। शिकायत पत्र दिनांक 26 नवंबर 2025 को प्रस्तुत किया गया है। प्रशासनिक सूत्रों ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों ने संज्ञान लिया है और सरकारी कार्य में बाधा डालने तथा महिला कर्मचारी के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में जल्द ही जांच के आदेश जारी किए जा सकते हैं, जिसके बाद एफआईआर दर्ज होने की संभावना है। यह घटना ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी कर्मचारियों, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है।

ग्राम प्रधान रामशंकर

राजस्थान धर्मांतरण कानून की वैधता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती, अदालत ने राज्य सरकार से मांगा जवाब

● सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान गैरकानूनी धर्मांतरण निषेध अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है. याचिकाकर्ताओं ने इसे मौलिक अधिकारों (अनुच्छेद 14, 21) का उल्लंघन बताते हुए 'मनमाना और अवैध' करार दिया है. कोर्ट ने इसी मुद्दे से जुड़ी अन्य लंबित याचिकाओं को भी इससे जोड़ दिया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान गैरकानूनी धर्मांतरण निषेध अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली एक याचिका पर राजस्थान सरकार से जवाब मांगा है. जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने पीपुल्स यूनियन फॉर लिबर्टीज और अन्य की याचिका पर राज्य सरकार को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है. पीठ ने इसी मुद्दे से जुड़ीं अलग-अलग लंबित याचिकाओं को इस याचिका से जोड़ दिया है।

वरिष्ठ अधिवक्ता संजय पारिख याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए. सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि इसी तरह के मामले सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित हैं और इस याचिका को उसमें जोड़ देना चाहिए।

याचिकाकर्ताओं ने अधिनियम के प्रावधान को बताया है मनमाना

याचिकाकर्ताओं ने यह घोषित करने का अनुरोध किया है कि अधिनियम के प्रावधान 'मनमाने, अनुचित, अवैध और संविधान के दायरे से बाहर' हैं तथा अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) और अनुच्छेद 21 (जीवन व व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा) समेत अन्य अनुच्छेदों का भी उल्लंघन करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 17 नवंबर को अधिनियम की वैधता को चुनौती देने वाली एक अलग याचिका पर राजस्थान सरकार और अन्य से जवाब मांगा था. सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान में लागू अवैध धर्मांतरण रोधी कानून के कई प्रावधानों की वैधता को चुनौती देने वाली दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई के लिए तीन नवंबर को सहमति व्यक्त की थी।

सितंबर ने सुप्रीम कोर्ट ने कई राज्यों से मांगे थे जवाब

सितंबर में सुप्रीम कोर्ट की एक अन्य पीठ ने कई राज्यों से उनके धर्मांतरण रोधी कानूनों पर रोक लगाने की मांग वाली अलग-अलग याचिकाओं पर उनका रुख पूछा था. तब शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया था कि जवाब दाखिल होने के बाद वह ऐसे कानूनों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने की याचिका पर विचार करेगी।

उस समय पीठ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड और कर्नाटक समेत कई राज्यों में लागू किए गए धर्मांतरण रोधी कानूनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार कर रही थी।

संक्षिप्त खबरें

एसआईआर प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग, सपा जिलाध्यक्ष ने डीएम को सौंपा पत्र

बस्ती। बस्ती जिले के समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी को पत्र देकर एसआईआर (SIR) प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने तथा बीएलओ को अतिरिक्त समय दिये जाने की मांग की हैपत्र में उन्होंने कहा कि बीएलओ पर 48 घंटे के भीतर गणना प्रपत्र जमा कराने का दबाव बनाया जा रहा है, जबकि कई मतदेय स्थलों पर मतदाताओं के प्रपत्रों को 'थर्ड ऑप्शन' में सबमिट कराए जाने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। उन्होंने इसे स्वस्थ लोकतंत्र के लिए घातक बताते हुए तत्काल प्रभाव से समस्याओं के निराकरण की मांग की, ताकि शुद्ध मतदाता सूची तैयार हो सके।सपा जिलाध्यक्ष ने मांग की कि जिन बूथों पर अत्यधिक दबाव की स्थिति है, वहां अतिरिक्त कर्मचारी नियुक्त किए जाएं और बीएलओ को पर्याप्त समय दिया जाए। साथ ही 'श्रेणी प्रथम' व 'श्रेणी द्वितीय' के मतदाताओं को गलत रूप से 'श्रेणी तृतीय' में सबमिट किए जाने की शिकायतों को तत्काल संज्ञान में लेकर त्वरित कार्रवाई की जाए, जिससे एसआईआर प्रक्रिया निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से पूरी हो सके।

मार्ग से अतिक्रमण हटवाने को लेकर दी तहरीर

लालगंज, प्रतापगढ़। मार्ग में अतिक्रमण के आरोप को लेकर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है। लालगंज कोतवाली के बभनपुर अवदर गांव निवासी दुर्गा प्रसाद तिवारी पुत्र श्रीकांत तिवारी ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि गांव के एक व्यक्ति द्वारा गांव में आने जाने के खडण्जा मार्ग पर अतिक्रमण कर मार्ग को अवरूद्ध कर दिया है। पीड़ित का यह भी कहना है कि आगामी उन्तीस नवंबर को बेटी की बारात आनी है। मार्ग से अतिक्रमण हटाने की बात करने पर आरोपी मारपीट पर आमदा हो जाता हो जाता है। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद कार्रवाई की जायेगी।

दहेज हत्या का वांछित धराया, गया जेल

लालगंज, प्रतापगढ़। दहेज हत्या के मुकदमे मे वांछित चल रहे चार आरोपियो को पुलिस ने गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया। उदयपुर थाना के दरोगा रामबली चौहान शुक्रवार को पुलिस बल के साथ गश्त पर निकले थे। इसी बीच मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र के खानीपुर निवासी दूधनाथ व उसके पुत्रगण कुलदीप, संदीप तथा पत्नी धनपती को घर के समीप से धर दबोचा। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि गिरफ्तार किये गये आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

अज्ञात चालक पर गैरइरादतन हत्या का केस

लालगंज, प्रतापगढ़। दुर्घटना में युवक की हुई मौत को लेकर पुलिस ने अज्ञात बोलेरो चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के मोठिन गांव निवासी पृथ्वी पाल पुत्र सियम्बर ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती 23 नवंबर की शाम करीब 6:30 बजे उसके पिता खेत से घर लौट रहे थे। प्राथमिक विद्यालय मोठिन के पास अज्ञात बोलेरो वाहन ने टक्कर मार दिया। जिससे पीड़ित के पिता सियम्बर की मौत हो गयी थी। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद अज्ञात बोलेरो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

महिला के सिर पर पत्थर से प्रहार

ललितपुर। पास के गांव बिरारी अंतर्गत गोगला निवासी सोबरन पुत्र प्यारेलाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बुधवार को अपराह्न 3 बजे उसकी पत्नी घर पर अकेली थी। तभी उसका भाई प्राणसिंह पुत्र प्यारेलाल आया और गालियां देने लगा। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट कर दी और उसकी पत्नी के सिर पर पत्थर से प्रहार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गये। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने प्राण सिंह के खिलाफ बीएनएस की धारा 333, 115 (2), 352, 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

कुदरहा विकास खण्ड केकड़सरी मिश्र में बड़े पैमाने पर बढ़ रहे भ्रष्टाचार के खेवनहार बने सचिव टी ए व एपीओ

●महिला ग्राम प्रधान शान्ती का नाम भ्रष्टाचारी प्रधानों में जा रहा गिना - सूत्रमहिला ग्राम प्रधान शान्ती द्वारा ग्राम पंचायत वासियों के साथ विकास के नाम पर किया जा रहा धोखा सरकारी धन लूट कर आमदनी दुगुना करने में जुटी महिला मेट सुमन देवी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के कुदरहा केखण्ड विकास अधिकारी कुदरहा आलोक कुमार पंकज की शिथिलता के कारण ग्राम पंचायत कड़सरी मिश्र में मनरेगा भ्रष्टाचार बढ़ रहा है अर्थात् खण्ड विकास अधिकारी आलोक कुमार पंकज SIR कार्य में व्यस्त हैं । खण्ड विकास अधिकारी SIR में व्यस्त होने के कारण ग्राम पंचायतों में चल रहे मनरेगा कार्यो सहित अन्य कार्यों की जांच पड़ताल नही कर पा रहे हैं जिसका सीधा फायदा भ्रष्टाचारी रोजगार सेवक , महिला मेट , ग्राम प्रधान , सचिव व तकनीकी सहायक (जे ई) उठा रहे हैं । खण्ड विकास अधिकारी समेत जिले के उच्च अधिकारियों को गुमराह करके ग्राम प्रधान शान्ती मनरेगा कार्यो के नाम पर सरकारी धन का लूटपाट करने के फिराक में लगी हुई है ।

महिला मेट सुमन देवी अपनी आमदनी दुगना करने के लिए उद्देश्य से मनरेगा एक ही फर्जी फोटो के सहारे प्रतिदिन 66 मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगा रही है और सरकारी खाते में बची धनराशि को खाली करने के लिए पूरी ताकत झोंक दिया है । मनरेगा कार्यों की देख भाल के लिए प्रदेश सरकार ने ब्लाक स्तर पर एपीओ को नियुक्त किया है लेकिन कुदरहा एपीओ भी अपना हिस्सा कमीशन लेकर ग्राम पंचायत कड़सरी मिश्र में चल रहे मनरेगा फर्जीवाड़ा के बारे में अंजान बने हुए हैं । ग्राम पंचायत कड़सरी मिश्र के ग्राम पंचायत वासियों द्वारा यह महसूस किया जा रहा है कि हम लोगों ने गलत ग्राम प्रधान शान्ती का चुनाव किया था अर्थात् ग्राम प्रधान शान्ती को विजयी बनाया था । महिला ग्राम प्रधान शान्ती व महिला मेट सुमन देवी के कारनामों को लेकर जिले में तरह - तरह की चर्चाएं चल रही है । अब देखना यह है कि मामला प्रकाश में आने के बाद खण्ड विकास अधिकारी कुदरहा द्वारा उक्त प्रकरण में क्या कार्यवाही की जाती है । इस सम्बंध में फोन के माध्यम से ग्राम प्रधान, सचिव व खण्ड विकास अधिकारी कुदरहा से जानकारी लेना चाहा तो किसी ने मीडिया के फोन को रिसीव करना मुनासिब नहीं समझा ।

कैंसर पीडित सिंघोरिया के राजू , जोह रहे माननीयों की राह

माननीय यदि पहल कर दें तो शायद कैंसर पीड़ित राजू के बज जाए प्राण

बस्ती। बस्ती जिले के कप्तानगंज कैंसर पीड़ित राजू उम्र लगभग 40 से 45 वर्ष कप्तानगंज विकास खण्ड के रखिया पोखरा मार्ग पर स्थित सिंघोरिया गाँव के रहने वाले हैं जो पिछले एक वर्षो से कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से पीड़ित हैं । पीड़ित के ऊपर एक बेटा विक्की उम्र 10 वर्ष व बेटी आंचल उम्र लगभग 8 वर्ष व पत्नी तथा अन्य परिवार के सदस्यों के भरण - पोषण की जिम्मेदारी है । बच्चे विक्की व आंचल पास ही स्थिर सरकारी स्कूल प्राथमिक विद्यालय पगार से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं । गरीबी व बीमारी से जूझ रहे राजू व उनका परिवार इलाज हेतु माननीयों की राह इस आशय से निहार रहा है कि शायद माननीयों की दृष्टि उस पर पड़ जाए और उचित इलाज पाकर उसकी जान बच जाए ।

पत्नी लगा रही नपुंसक होने का फर्जी आरोप, पीड़ित पति ने डीआईजी से लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के नगर थाना क्षेत्र के लोरिकपुर निवासी शिवम पाण्डेय पुत्र स्वर्गीय श्याम किशोर पाण्डेय ने डीआईजी, पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर पत्नी की प्रताड़ना से न्याय दिलाने, मामले की जांच कराने की मांग किया है। पुलिस उच्चाधिकारियों को दिये पत्र में पत्नी पीड़ित पति शिवम पाण्डेय ने कहा है कि उसकी शादी 24 नवम्बर 2024 को रूचि पाण्डेय पुत्री रामप्रकाश ग्राम कुरमौर थाना लालगंज से हुई थी। शादी के 5 महीने रहने के बाद रूचि पाण्डेय अपने मायके चली गई, पति शिवम ने उसे कई बार लाने का प्रयास किया लेकिन उसने ससुराल आने से मना कर दिया और 10 लाख रूपये की मांग करने लगी। कहा कि पैसा नही दोगे तो तुम्हे व तुम्हारे परिवार वालो को मुकदमें में फंसा दूंगी। शिवम ने पत्र में कहा है कि उसके उपर घर की समस्त जिम्मेदारी है, उसके पिता की मृत्यु पूर्व में हो चुकी है। पैसा न दे पाने के कारण उसकी पत्नी द्वारा कहा जा रहा है कि वह नपुसंक है जबकि उसने पति धर्म का फर्ज निभाया है। शिवम पाण्डेय ने कहा है कि उसकी पत्नी का चाल, चलन, स्वभाव ठीक नही है। वह बार-बार किसी प्रधान चाचा का नाम लेती है। इसके बावजूद यदि उसकी पत्नी चाहे तो वह उसे रखने को तैयार है। उसका पूरा परिवार पत्नी के व्यवहार, फर्जी आरोपों से काफी त्रस्त है। पत्नी से पीड़ित शिवम ने पुलिस उच्चाधिकारियों से मामले की जॉच कराकर नियमानुसार कार्यवाही किये जाने की मांग किया है।

साथी की मौत पर लेखपाल संघ ने किया धरना प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। फतेहपुर जिले के लेखपाल द्वारा आत्महत्या किये जाने की घटना को कार्य के दबाव में आत्मघाती कदम उठाने की बात रखते हुए शुक्रवार को यहां लालगंज में लेखपाल संघ ने धरना प्रदर्शन किया। लेखपाल संघ ने विभिन्न मांगों को रखते हुए कार्रवाई न होने पर धरना प्रदर्शन तेज करने की चेतावनी दी है। तहसील लालगंज में लेखपाल संघ ने संघ के अध्यक्ष कृष्ण कुमार सरोज के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया। संघ के अध्यक्ष केके सरोज ने कहा कि फतेहपुर जनपद में लेखपाल सुधीर द्वारा की गयी आत्महत्या सामान्य मौत नहीं है। उन्होने कहा कि लेखपाल की मौत का कारण कार्य के दबाव में उठाया गया आत्मघाती कदम है। अध्यक्ष ने बताया कि प्रदेश कार्यकारिणी के आहवान पर धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। अध्यक्ष ने जिम्मेदारों के खिलाफ साथी के द्वारा

आत्महत्या किये जाने की घटना में जिम्मेदार अफसरो व राजस्व निरीक्षक के खिलाफ एफआईआर, गिरफ्तारी तथा मृतक की मां को पचास लाख रूपये की आर्थिक सहायता आदि की मांग उठाई है। संघ ने कार्रवाई न होने पर धरना प्रदर्शन तेज करने की चेतावनी भी दी है। धरना प्रदर्शन का संयोजन विनोद यादव व संचालन महामंत्री अकरम खॉन ने किया। इस मौके पर कुलदीप राव, शिवम सिंह, संजय यादव, आशीष तिवारी, केके सिंह, अंकित यादव, धीरज पाल, मो0 नईम, शरदचंद्र आदि लेखपाल मौजूद रहे।

डीएम ने राजनैतिक दलों के साथ वीवीपैट एवं ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने पूरेकेशवराय स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ईवीएम एवं वीपीपैट वेयरहाउस में साफ-सफाई व्यवस्था और अग्निशमन यंत्रों की कार्यप्रणाली की जांच की। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों के संचालन की भी जानकारी प्राप्त की। उन्होने निर्देशित किया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करायें। उन्होने ईवीएम एवं वीवीपैट के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारी से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान सुरक्षा कर्मियों को निर्देशित किया गया कि वीवीपैट एवं ईवीएम वेयरहाउस की निगरानी मुस्तैदी के साथ करते रहे।

एसआईआर की अव्यवहारिक रात्रिकालीन ड्युटी से गुरुजी की बढ़ी मुश्किलें

●-जनपद में बीएसए का धमकीभरा आदेश वायरल , बना चर्चा का विषयबिना ट्रेनिंग गुरुजीबनगएआपरेटरप्रक्रियागत दोष का शिकार हो रही जनता व कर्मचारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

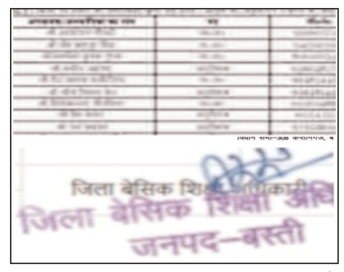

बस्ती। बस्ती जिले के कप्तानगज राष्ट्रहित से जुड़े एसआईआर जैसे कार्यक्रम में अधिकारियों की मनमानी कर्मचारियों व जनता पर भारी पड़ रही है जिसके दुष्परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं । कई जिलों से कर्मचारियों के आत्महत्या जैसे मामले भी सामने आए हैं । कर्मचारियों के मौत का कारण कुछ भी हो परन्तु समाज घटनाओं को एसआईआर से ही जोड़ कर देख रहा है। प्राप्त समाचार के अनुसार इस समय एसआईआर का कार्य पूरे प्रदेश में चल रहा है जिसको लेकर तरह - तरह के आदेश निर्देश जारी किए जा रहे हैं । कुछ जिलों के अधिकारियों के आदेश की भाषा अत्यन्त ही अलोकतांत्रिक , पीड़ादायक व निन्दनीय है तो वहीं बस्ती के विकास खण्ड कप्तानगंज में खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा एसआईआर हेतु कर्मचारियों की शिफ्टवार प्रातः 8 बजे से शाम तीन बजे व शाम तीन बजे से रात्रि 8 बजे तक लगायी गयी है । कुछ बहादुरपुर विकास खण्ड से भी कर्मचारी लगे हैं जिनको कप्तानगंज आने में लगभग 10 से 15 किमी. की दूरी तय करनी पड़ रही है । यद्यपि एसआईआर एक जरूरी प्रक्रिया है उससे भी कहीं ज्यादा कर्मचारियों का स्वास्थ्य एवं सुरक्षा भी जरूरी है । निर्देश देना व निर्देश को कार्य रूप देते हुए उसे जमीन पर उतारने में काफी भिन्नता है । ऊपर से एसआईआर करने का फरमान जारी होते ही प्रक्रिया शुरू हो जाती है और बूथ लेबल अधिकारी को फार्मो का बंडल थमाने में वैसे ही दस दिन निकल जाते हैं । इसके बाद बीएलओ स्तर से उसको मकानवार अलग करने में सप्ताह भर लग जाते है । इसीप्रकार फार्मो को घर - घर बांटने व रिसीव कराने में भी एक सप्ताह , अब जाकर 15 - 20 दिन बाद फार्म मतदाता के हाथ में पहुंचता है जो कि कम पढ़ा लिखा व फार्म से अनभिज्ञ है । अब फिर बीएलओ के पास उसे भरने - भरवाने की जिम्मेदारी आती है तब तक कार्यवाहियों एवं आत्महत्या का दौर शुरू हो जाता है । प्रक्रियागत दोषों का शिकार कर्मचारी व जनता सीधे तौर पर हो रही जबकि अधिकारी इन सबकी परवाह किए बगैर अपने कुर्सी को मजबूत करने में व्यस्त हैं ।

विधायक ने 201 दिव्यांग बच्चों में किया 346 सहायक उपकरण का वितरण

●दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए सरकार गम्भीर - अजय सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के हरैया विधायक अजय सिंह द्वारा जूनियर हाईस्कूल हरैया के परिसर में शुक्रवार को 6 से 14 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चों के लिए सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक अजय सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विधायक के हाथों 201 दिव्यांग बच्चों में कुल 346 सहायक उपकरण का वितरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन समग्र शिक्षा के समेकित शिक्षा और एल्मिको कानपुर के सहयोग से किया गया। समेकित शिक्षा के जिला समन्वयक सुनील त्रिपाठी, एल्मिनो कानपुर के पंकज आनंद और बालगोपाल, ब्लॉक के एआरपी रवीश कुमार मिश्र और शिक्षक गिरिजेश बहादुर सिंह की उपस्थिति में 201 बच्चों में वितरित किए गए 346 उपकरणों में 29 ट्राईसाईकिल, 75 व्हीलचेयर, 68 सीपी चेयर, 54 हियरिंग एड, 18 बैसाखी, 82 टीएलएम किट, 8 ब्रेल किट और 12 रोलेटर का वितरण किया गया।

विधायक ने दिव्यांग बच्चों उनके अभिभावकों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए सरकार बहुत गंभीर है उनकी मदद के लिए एस्कार्ट अलाउंस योजना, छात्रवृत्ति, घर आधारित शिक्षा, समावेशी शिक्षा आदि सुविधाएं सरकार द्वारा उपलब्ध कराई हैं। कहा कि जब दिव्यांग बच्चे सामान्य बच्चों के साथ पढ़ेंगे, खेलेंगे और संवाद करेंगे, तभी उनमें आत्मविश्वास और समाज से जुड़ाव बढ़ेगा। इससे भेदभाव की दीवारें टूटेंगी और समाज में समानता और समावेशिता की भावना मजबूत होगी। जिला समन्वयक सुनील त्रिपाठी ने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को प्राप्त उपकरणों का उचित उपयोग करवाएं और सुनिश्चित करें कि बच्चे इन उपकरणों के साथ ही विद्यालय पहुंचें। उन्होंने अभिभावकों को उपकरणों के रखरखाव के बारे में भी जानकारी दी। बच्चों को सहायक उपकरण वितरण कराने में अजय पाण्डेय, एजुकेटर देवेन्द्र ओझा, उर्मिला द्विवेदी, अनिल पाण्डेय, शिव शंकर, संपूर्णानंद शुक्ल, विवेक चौरसिया, अजय वर्मा आदि ने सहयोग किया।इस अवसर पर अखिलेश सिंह, भरत सिंह, वीरू सिंह, बीआरसी कार्यालय के राकेश प्रकाश श्रीवास्तव, सुनील कुमार, ऋषि सिंह, राजेश वर्मा, दिवाकर सिंह, जमुना, राकेश आदि उपस्थित रहे।

मिट्टी कार्य में खड़ंजा कार्य का पुरानी फोटो अपलोड कर रही महिला मेट पिकीं लगाई फर्जी हाजिरी

●मनरेगा कार्यों के नाम पर मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाकर वाह-वाही लूट रही महिला मेट पिंकी अगामी पंचायत चुनाव को देखते हुए सरकारी धन को खाली करने के फिराक में जुटे ग्राम प्रधान ज्ञान ईश्वर कुमार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के विकासखंड कुदरहा केग्राम पंचायत पिपर पाती ऐहतमाली में महिला मेट पिंकी विकास कार्यो पर भारी पड़ रही है और ग्राम पंचायत में विकास करने के बजाए विनाश करने पर तुली हुई है । सूत्रों की मानें तो पंचायत चुनाव को देखते हुए ग्राम प्रधान ज्ञान ईश्वर कुमार ने सरकारी खजाने को लूटने के प्रयास में जुटे हुए हैं जिसमें महिला मेट पिकीं अहम भूमिका निभा रही हैं और ग्राम प्रधान से वाह वाही लूट रही है । सचिव और तकनीकी सहायक ग्राम प्रधान द्वारा दिये गये मोटी कमीशन की रकम के आगे लाचार दिखाई दे रहे हैं और भ्रष्टाचारी ग्राम प्रधान ज्ञान ईश्वर कुमार के आगे नतमस्तक हो गये है । आपको बता दें कि विकासखण्ड कुदरहा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत पिपरपाती ऐहतमाली में मनरेगा कार्य के नाम पर आनलाइन मस्टर रोल जारी है जिसमें महिला मेट पिंकी मनरेगा आनलाइन साइड पर फर्जी फोटो अपलोड कर रही है । जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्सना व मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल समेत जिले के अन्य जिम्मेदार अधिकारियों / कर्मचारियों के आंख में धूल झोंककर महिला मेट पिंकी मिट्टी कार्य में खड़ंजा कार्य में प्रयोग किया गया फोटो के सहारे मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाने में मस्त हैं । खण्ड विकास अधिकारी कुदरहा आलोक कुमार पंकज के लिए ग्राम पंचायत पिपरपाती ऐहतमाली में बड़े पैमाने पर हो रहे भ्रष्टाचार को रोकना चुनौती बना हुआ है । उक्त प्रकरण में ग्राम प्रधान व सचिव से फोन के माध्यम से जानकारी लेना चाहा तो किसी ने फोन रिसीव नहीं किया । इस सम्बंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी सार्थक अग्रवाल ने कहा कि उक्त प्रकरण की जांच कराकर कार्यवाही की जायेगी ।

भरसी मोड़ पर सड़क किनारे गड्ढे में गिर रहा कचरा बना खतरा, दुर्गंध से परेशान लोग

●- जलजनित बीमारियों का बढ़ा जोखिम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर – गोला ब्लॉक के ग्राम पंचायत डाड़ी खास में कचरा निस्तारण की लापरवाही अब लोगों के स्वास्थ्य पर सीधे खतरा बनकर उभर रही है। गोला-कौड़ीराम मार्ग पर भरसी मोड़ के पास सड़क किनारे बने बड़े गड्ढे (खंदक) में ग्राम पंचायत का कचरा लगातार फेंका जा रहा है। यह गड्ढा पहले से वर्षा के पानी से भरा हुआ है, ऐसे में कचरा मिलते ही उसमें सड़ांध फैल रही है और तीखी दुर्गंध पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले रही है। स्थानीय लोगों व दुकानदारों का कहना है कि कई महीनों से पंचायत का कचरा आबादी क्षेत्र में ही फेंका जा रहा है। भरसी मोड़ के आसपास दुकान चलाने वाले अभिषेक चन्द, सतेंद्र मिश्र, छेदी सिंह, रामचंद्र सिंह, कुम्हकरण, अमरनाथ यादव और आज़ाद सहित कई लोग रोज इस बदबू और मच्छरों के कारण परेशान रहते हैं। रात में भी कुछ लोगों का यहीं ठहराव होता है, जिससे स्थिति और मुश्किल हो जाती है।

दुकानदार अभिषेक चन्द बताते हैं कि विरोध करने पर जवाब मिलता है– 'सरकारी जमीन है, यहीं कचरा फेंका जाएगा।' उनके अनुसार कचरा पानी में गिरते ही सड़ने लगता है, जिससे मच्छरों के लार्वा तेजी से बढ़ रहे हैं। शाम होते ही मच्छरों का हमला इतना बढ़ जाता है कि दुकानदारों को कंडल जलाना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि दुर्गंध के कारण कुछ मिनट खड़ा रहना मुश्किल हो जाता है और बच्चों-बुजुर्गों के लिए हालत और गंभीर हैं। लोगों को आशंका है कि यदि स्थिति नहीं सुधरी तो डेंगू, मलेरिया, टाइफॉइड व हैजा जैसी जलजनित बीमारियों का प्रकोप किसी भी समय फैल सकता है। चौराहेवासियों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए कचरा फेंकने पर रोक और खंदक की सफाई जल्द से जल्द कराने की अपील की है।

उप परिवहन आयुक्त बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दिलाया शपथ, कार्यालय में अधिकारियों के साथ की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र अयोध्या) आर.के.सिंह, परिवहन कार्यालय बस्ती पहुंच कर आज संविधान दिवस पर आरटीओ फरीदउद्दीन, एआरटीओ माला बाजपेई के साथ बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर, कार्यालय के सभी स्टाफ को संविधान का शपथ दिलाया तत्पश्चात अधिकारियों के साथ बैठक किया।पहली बार बस्ती दौड़े पर आए उप परिवहन आयुक्त कार्यालय के उपस्थिति पंजिका एवं डिस्पैच रजिस्टर को चेक किया, राजस्व वसूली पर आरटीओ एवं एआरटीओ को निर्देश दिए कि शत प्रतिशत वसूली निश्चित किया जाए, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। सड़क सुरक्षा पर बल देते हुवे कहा कि यातायात नियमो का पालन कराने के अलावा जागरूकता भी जरूरी है। कार्यालय के हर कमरे को चेक किया, परमिट एवं फिटनेस पत्रावलियों को गहनता से चेक किया, कार्यालय के एक एक लिपिक को फाइलों के साथ बुलाकर उनके क्लास लिए। ऑटो रिक्शा, स्कूल बस, रोड परमिट के फाइलों को चेक कर सभी को कड़े निर्देश दिए कि कार्य में लापरवाही बरतने पर कार्यवाही होनी तय। परिवहन अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यालय में आए उपभोक्ताओं के कार्यो को त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें। अनाधिक संचालित वाहनों पर कड़ी कार्यवाही एवं बकाए वाहनों के संचालित पर प्रवर्तन अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। पीटीओ प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, आर आई, सीमा गौतम, विनोद कुमार श्रीवास्तव, धर्मेंद्र कुमार, विनीत राज,बिनु सिंह, श्वेता सिंह, नसरीम,आशुतोष तिवारी, प्रेम सागर, रमेश, दिलीप, एवं कार्यालय के सभी स्टाफ मौजूद रहे।

हत्या के प्रयास, मारपीट, धमकी के अभियोग से संबंधित 02 अभियुक्ता को गिरफ्तार किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। बीते गुरुवार शाम 4:30 बजे नहर तिराहे पर वादी के भाई पर विपक्षीगणों ने लाठी-डंडों से जानलेवा हमला किया। बचाव में पहुँचे वादी, व वादी के परिजनों को भी मारा-पीटा गया, जिससे सभी को चोटें आई। शोर होने पर ग्रामीण पहुँचे तो आरोपी गाली देते हुए धमकी देकर भाग गये थे। इस संबंध में थाना पट्टी में 07 नामजद व 02-03 व्यक्ति नाम पता अज्ञात का अभियोग पंजीकृत किया गया था। थाना पट्टी उप निरीक्षक अरविन्द कुशवाहा मय हमराह म0उ0नि0 ज्योति सविता, का0 कृष्ण बिहारी राय, का0 सुनील कुमार, म0का0 रितु सिंह द्वारा मुखबिर की सूचना पर थाना पट्टी जनपद प्रतापगढ़ से संबंधित 02 अभियुक्ता को थाना पट्टी क्षेत्रातंर्गत ग्राम पेन्डरा घर के पास से गिरफ्तार किया गया।

जौनपुर में ऑनलाइन ज्वेलरी खरीद पर छूट का प्रस्ताव देकर खाते से उड़ा दी रकम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जौनपुर। ऑनलाइन ज्वेलरी खरीद पर छूट का प्रस्ताव देकर साइबर अपराधी नें लिंक भेजकर एक व्यक्ति के खाते से एक लाख ग्यारह हजार रूपये उड़ा दिए। ठगी का एहसास होते ही भुक्तभोगी नें साइबर थाना पर शिकायत दर्ज कराई है।मुकदमा दर्ज कर पुलिस छान-बीन मे जुट गई है। बदलापुर थाना क्षेत्र के ग्राम तियरा निवासी रोमेश राजवंश पुत्र राम अवध राजवंश ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराया है कि? बीते तीस अगस्त को एक अंजान नंबर से व्हाट्स एप मैसेज आया उसमें उसने ऑनलाइन ज्वेलरी खरीद पर छूट का प्रस्ताव दिया व सोशल मिडिया साइट टेलीग्राम पर एक लिंक भेज दिया, जहां से ठगी की गई। टेलीग्राम पर चैटिंग करते हुए एक सितम्बर से दो सितम्बर तक खाते से कई बार में एक लाख ग्यारह हजार रूपये काट लिए गए। ज्वेलरी भी नहीं आई। आगे लिंक भी कार्य करना बंद कर दिया। ऑनलाइन शिकायत के बाद पीड़ित नें गुरुवार को साइबर थाने पर लिखित प्रार्थना पत्र दिया है। थाना पुलिस मुकदमा दर्ज कर जाँच में जुट गई है।

संक्षिप्त खबरें

लोक जनशक्ति पार्टी ने 25वां स्थापना दिवस मनाया

भदोही जिला कार्यालय का हुआ भव्य उद्घाटन

भदोही। सरपतहा, ज्ञानपुर में आज लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का 25वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विकास दुबे ने की। इस अवसर पर लोजपा के भदोही जिला कार्यालय का भी विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में लोजपा के प्रदेश महासचिव एवं भदोही प्रभारी कमल तिवारी तथा प्रदेश संगठन महामंत्री धनंजय दुबे ने रिबन काटकर व दीप प्रज्वलित कर कार्यालय का शुभारंभ किया। कमल तिवारी ने कहा कि पार्टी का दायरा भदोही सहित पूरे प्रदेश में तेजी से बढ़ रहा है। ग्राम पंचायत से लेकर न्याय पंचायत स्तर तक सदस्यता अभियान चलाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले पंचायत एवं विधानसभा चुनाव में लोजपा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और भदोही में पार्टी तय करेगी कि कौन विधायक और कौन सांसद बनेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कमल तिवारी, धनंजय दुबे, विकास दुबे, गोविंद पासी, विशाल जायसवाल, विनय मौर्य, विनय विश्वकर्मा, सुंदरम दुबे, अनिल सरोज, अमित शुक्ला, प्रदुम्न प्रजापति, अभिषेक मिश्रा, अंकित तिवारी, रामअवध मिश्र, अभिनव तिवारी, सौरभ त्रिपाठी, राहुल दुबे, नंदलाल दुबे, सचिन मिश्रा, शिवम पाल, प्रकृति मिश्रा, अनुज मिश्रा, धनंजय तिवारी, रोहित सरोज समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पाप पुण्य मनुष्य के कर्मों पर निर्भर-दुर्गा प्रसाद

हमीरपुरः- भरुआ-सुमेरपुर कस्बा के तपोभूमि प्रांगण में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दौरान कथा व्यास ने तीसरे दिन

कहा कि ईश्वर ने योग माया से संसार को बांध रखा है। मनुष्य का विवेक ही उसे पाप पुण्य के लिए प्रेरित करता है। कथा पंडाल में भारी भीड़ उमड़ी रही। कस्बे के गायत्री तपोभूमि में चल रही श्री गायत्री महायज्ञ की 68वीं वर्षगांठ पर श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास दुर्गा प्रसाद द्विवेदी ने कहा कि मनुष्य का विवेक ही पाप-पुण्य,अच्छे-बुरे, न्याय-अन्याय, धर्म-अधर्म के मार्ग पर चलने का निर्णय करता है। सब कुछ जानने के बाद मनुष्य पाप मार्ग पर चला जाता है। यह उसके कर्मों का फल है। जो धर्म के विपरीत चलता है। मनुष्य को अधर्म का मार्ग त्याग करके धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए। इस मौके पर परीक्षित कैलाश सोनी एवं रानी देवी सहित बड़ी संख्या में श्रोता मौजूद रहे। उधर तपोभूमि में लगे मेले में भारी भीड़ उमड़ रही है। वहीं यज्ञवेदी में आचार्य माधवा नारायण शास्त्री,यज्ञ के ब्रह्मा पंडित बलदेव प्रसाद शास्त्री एवं सह आचार्य उमा दत्त शुक्ला के नेतृत्व में 65 कर्मकांडी ब्राह्मण 24 लाख गायत्री महामंत्र का जाप करके क्षेत्र में सुख शांति कामना कर रहे हैं। मेले में थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त कराते हुए अस्थाई मेला चौकी की स्थापना कराई है।

लखनऊ में परीक्षा देने निकले युवक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

लखनऊ। फैजुल्लागंज निवासी 22 वर्षीय अंजनी शुक्रवार की सुबह घर से स्नातक तृतीय वर्ष की परीक्षा देने के लिए निकले थे। मिल्लत नगर ढाल के पास अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे परिवारजन ने पुलिस की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मड़ियांव पुलिस छानबीन में जुटी है। फैजुल्लागंज निवासी शरद मिश्रा ने बताया कि उनके भाई अंजनी कुमार मिश्रा डालीगंज के मुमताज डिग्री कालेज में स्नातक तृतीय वर्ष के छात्र थे। उनकी परीक्षाएं चल रही थी। शुक्रवार को आखिरी पेपर था। सुबह लगभग आठ बजे वह घर से बाइक लेकर कालेज जाने के लिए निकले। 10 मिनट बाद सूचना मिली की वह मिल्लत नगर ढाल के पास सड़क किनारे लहूलुहान हालत में पड़े हैं। परिवारजन ने उन्हें ट्रामा सेंटर पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। परिवारजन का कहना है कि अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मारी थी। हालांकि, उन्होंने किसी आरोप से इंकार किया है। न्यायाधीश बनने का था सपनाः अंजनी की मां मंजू की नौ वर्ष पहले मौत हो चुकी है। उनके परिवार में पिता श्याम और भाई शिवम और शरद हैं। शरद कहते हैं कि अंजनी स्नातक के बाद विधि की पढ़ाई करना चाह रहे थे। पढ़ाई में भी ठीक थे और वह न्यायाधीश बनाना चाहते थे। हादसे के बाद से परिवार सदमे में है।

पराली जलाने पर किसानों पर 5 हज़ार का लगा जुर्माना, सैटेलाइट से पुष्टि, कृषि विभाग ने की कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में शासन के कड़े निर्देशों के बीच पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन सक्रिय मोड में आ गया है जनपद स्तर से प्राप्त सैटेलाइट लोकेशन के आधार पर ब्लॉक पिसावां क्षेत्र में दो स्थानों पर पराली जलाने की पुष्टि होने पर दो किसानों के खिलाफ जुर्माना कार्रवाई की गई है सूचना मिलते ही राजस्व विभाग एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और विस्तृत निरीक्षण किया जांच में पाया गया कि कृषक श्रवण कुमार पुत्र मुन्ना, निवासी ग्राम नेवादा थाना पिसावा तथा नोमान पुत्र फारूक, निवासी ग्राम बारामऊकला द्वारा खेतों में गन्ने की पत्तियां एवं फसल अवशेष जलाए गए थे पराली जलाने की पुष्टि होने पर निर्धारित नियमों के अंतर्गत दोनों पर 2500-2500 सौ का जुर्माना लगाया गया स्थानीय प्रशासन का कहना है कि पराली जलाने की घटनाओं पर सख्ती जारी रहेगी। टीम ने मौके पर पहुंचकर किसानों व ग्रामीणों को पराली एवं फसल अवशेष न जलाने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि पराली जलाना पर्यावरण प्रदूषण बढ़ाने के साथ-साथ जमीन की उर्वरता घटाता है और मानव स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है इस दौरान ब्लॉक पिसावां क्षेत्र के कई गांवों में डुग्गी/मुनादी कराकर भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया टीम ने किसानों से अपील की कि पराली जलाने के बजाय वैकल्पिक उपाय अपनाएं। फसल अवशेषों को गोशालाओं में उपलब्ध कराने, खाद के रूप में उपयोग करने तथा सरकारी योजनाओं के तहत उपलब्ध कराई जा रहीं कृषि मशीनों जैसे हैप्पी सीडर, रोटावेटर, मल्चर आदि का लाभ उठाने की सलाह दी गई निरीक्षण करने वाली संयुक्त टीम में नायब तहसीलदार शिवप्रकाश, एडीओ (कृषि) जावेद अख्तर, प्राविधिक सहायक कृषि अनुज वर्मा, लेखपाल अरुणेंद्र (ग्राम पथरी), लेखपाल अमरीश कुमार (बारामऊकला) तथा कृषि तकनीकी सहायक अभिषेक शिवम् मिश्रा शामिल रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पराली जलाते पकड़े जाने पर आगे भी इसी प्रकार की कार्रवाई की जाएगी!!

गवर्नमेंट ऑफ तेलंगाना के पांच विभागों के विभिन्न अधिकारियों का प्रशिक्षण के दौरान रुसैना पंचायत का किया भ्रमण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। लखनऊ जनपद के ब्लॉक मलिहाबाद की ग्राम पंचायत रुसेना में गवर्नमेंट ऑफ तेलंगाना के पांच विभागों के विभिन्न अधिकारियों का प्रशिक्षण भ्रमण कार्यक्रम दिनांक 22 नवंबर से 26 नवंबर तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नोडल अफसर के रूप में पी. वेंकटेश्वर लू ने निधि पाई, चिन्ना विश्वनाथ, शैली राज, मोहम्मद शादाब, संकेत सुनील गरुण को विभिन्न विभागों की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। व उनके बेहतर क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशानिर्देश व सुझाव भी दिए गए। उन्होंने ग्राम पंचायत की निर्माण की हुई विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया व पंचायत भवन के बेहतर रखरखाव व संचालन के लिए सराहना की।

ग्राम पंचायत की मांग पर उन्होंने बेहतर स्वास्थ्य सेवा हेतु ग्राम पंचायत में पीएचसी निर्माण, अच्छी शिक्षा हेतु हाई स्कूल तक विद्यालय व आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण को अपनी रिपोर्ट में शामिल करने का आश्वाशन दिया। इसके अतिरिक्त अधिकारियों द्वारा अपने पांच दिवसीय प्रवास के समय रहीमाबाद थाना, पीएचसी रहीमाबाद आदि का निरीक्षण किया गया तथा ग्रामीणों और अन्य मेंबरों के साथ सोशल मैप भी बनाया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान रुसेना श्रीमती सुरसती, सचिव संदीप कश्यप, रोजगार सेवक मनीष कुमार, पंचायत सहायक कोमल वर्मा, बीसी नितेश व तमाम ब्लॉक स्तरीय व जिला स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

दहेज में पाँच लाख की माँग, विवाहिता को पीटकर घर से निकाला, पाँच पर मुकदमा दर्ज

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के ऐहार गांव निवासिनी महिला ने ससुरालीजनों पर दहेज उतपीड़न का आरोप लगाया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पांच लोगों के विरुद्ध केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। गांव निवासिनी सभ्या तिवारी ने बताया कि एक मार्च 2023 में उसका विवाह उन्नाव जनपद के मोहिउद्दीनपुर मौरावा में शुभम मिश्रा के साथ हुआ था। उसके पिता ने नगदी समेत पर्याप्त दान दहेज देकर उसे विदा किया। शादी के बाद से ही ससुरारीजन कम दहेज लाने के बात कहकर उसे प्रताड़ित करने लगे। पति ने पांच लाख रुपये दहेज लाने के बाद का कर उसे कमरे में बंद रखा कई दिन खाना नहीं दिया। ससुर नागेंद्र मिश्रा, चचिया ससुर जितेंद्र मिश्रा, सास क्षमता मिश्रा व ऋषभ मिश्रा ने कम दहेज लाने का ताना देकर उसे प्रताड़ित किया। गत 11 अक्टूबर को आरोपियों ने उसके गहने कपड़े छीन कर मारा पीटा और घर से भगा दिया। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में दहेज उत्पीड़न समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

लोकपाल ने रायभान खेड़ा में अन्नपूर्णा भवन का किया स्थलीय निरीक्षण, मनरेगा कार्यों की हुई विस्तृत समीक्षा

● .....सोशल ऑडिट बैठक में श्रमिकों से लिया फीडबैक, पत्रावलियों की हुई जांच, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के विकासखंड मोहनलालगंज स्थित ग्राम पंचायत रायभान खेड़ा में शुक्रवार को मनरेगा कार्यों के सत्यापन हेतु सोशल ऑडिट बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बी0आर0पी0 रेनू मिश्रा एवं उनकी टीम की मौजूदगी में मनरेगा श्रमिकों से उनके कार्य और मजदूरी से जुड़े बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। श्रमिकों ने अपनी समस्याओं और अनुभवों को साझा किया, जिसके आधार पर कार्यों का वास्तविक मूल्यांकन किया गया। इसी क्रम में लोकपाल डॉक्टर आर.आर. जैसवार ने ग्राम पंचायत द्वारा संचालित अन्नपूर्णा भवन का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की गुणवत्ता, उपयोगिता और अभिलेखों की स्थिति का गहन परीक्षण किया। लोकपाल ने पत्रावलियों का औचक निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए, ताकि भविष्य में कार्य और अधिक पारदर्शिता एवं दक्षता के साथ संचालित हो सकें।

इस मौके पर ग्राम प्रधान सुमन रावत, पंचायत सचिव अनीता मिश्रा, इंजीनियर लालबहादुर पाण्डेय, ग्राम रोजगार सेवक विनीत मिश्रा, पंचायत सहायक रूबी कन्नौजिया, सोशल आडिट टीम के सदस्यों मनोहर लाल, राजकुमार, सुनीता देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन और ग्रामीणों के बीच संवाद स्थापित हुआ, जिससे मनरेगा योजनाओं के क्रियान्वयन में और अधिक सुधार की संभावनाएँ बनीं।

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने तहसील परिसर में किया धरना प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन किया। जिसके चलते छः सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम गौतम सिंह को ज्ञापन सौंपा। शुक्रवार को लेखपाल संघ के जिला अध्यक्ष अभिषेक कुमार, तहसील अध्यक्ष अवनीश प्रताप सिंह ने बताया कि फतेहपुर जनपद में एसआइआर में लगे लेखपाल सुधीर कुमार कोरी ने उस समय आत्महत्या कर ली, जब उसके घर जाकर 25 नवंबर को राजस्व निरीक्षक ने सुबह साढ़े छः बजे एसडीएम संजय कुमार सक्सेना द्वारा उसे बर्खास्त करने जैसी धमकी देने की सूचना दी। जबकि 26 नवंबर को लेखपाल सुधीर कुमार की शादी होनी थी। इसके बाद जिला प्रशासन फतेहपुर ने इस मामले में असंवेदनशीलता दिखाते हुए लीपापोती करदी । स्वजन की तहरीर लेखपालों के अनुरोध के बाबजूद 30 घंटे बाद तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। स्वजन ने प्राथमिकी दर्ज न होने की स्थिति में शव का पोस्टमार्टम एवं दाह संस्कार कराने से इंकार कर दिया तो प्रशासन ने षडयंत्र पूर्वक स्वजन की तहरीर बदलवा दी। मुख्य आरोपित एसडीएम संजय कुमार सक्सेना का नाम शमिल न करके केवल राजस्व निरीक्षक के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई।

इससे लेखपाल संघ आक्रोशित है। मृतक लेखपाल के स्वजन को न्याय दिलाने की मांग करते हुए छः सूत्रीय ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन देते हुए महामंत्री राजीव मिश्रा ने बताया कि मुख्य आरोपी आईपीएस संजय कुमार सक्सेना के नाम अज्ञात के स्थान पर एफआईआर में नाम दर्ज किया जाए। साथ ही मृतक की माता को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए साथ ही एसआईआर की अंतिम तिथि आगे बढ़ाई जाए कम समय में काम पूरा करने का दबाव कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं जीवन को खतरे में डाल रहा है। और अधीनस्थ कर्मचारी लेखपालों के साथ सब व्यवहार संवेदनशीलता एवं संवाद स्थापित करने तथा लेखपाल संघ पदाधिकारियों के साथ शासन के निर्देशानुसार नियमित बैठक करने के निर्देश समस्त जिला अधिकारियों एवं उप जिलाधिकारी को निर्गत किए जाएं। लेखपालों को सामान्य अप निर्वाचन तथा मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान परिभाषित ड्यूटी हेतु प्रोत्साहन रस के रूप में एक माह के वेतन के बराबर मानदेय भुगतान हेतु निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारियों के साथ सूची बंद कराई जाए। इस दौरान सचिवकोषाध्यक्ष अमित कुमार शुक्ला, शिवराज सिंह, विवेक प्रताप सिंह, संतोष पटेल, राजेंद्र कुमार ,नीतू सिंह, प्रिया सिंह, रश्मि, सहित दर्जनों लेखपाल मौजूद रहे।

तेज रफ़्तार कार ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, 8 लोग घायल एक गंभीर

....तिलक समारोह से वापस लौट रहे थे ग्रामीण।

मलिहाबाद। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना रहीमाबाद बॉर्डर के पास तब हुई जब एक अनियंत्रित तेज रफ़्तार कार ने गलत दिशा से आकर एक ई-रिक्शा को ज़ोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।हादसे के शिकार हुए सभी लोग भतोइया गाँव के निवासी थे और रात में एक तिलक समारोह में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। घायलों में ई-रिक्शा के मालिक अखिलेश, चालक रविकुमार और उसमें सवार यात्री विमल, गुड्डी गौतम, उर्मिला, रेखा और रामावती शामिल हैं।सभी घायलों को तुरंत रहीमाबाद के नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। हालांकि, यात्रियों में शामिल विमल की हालत सबसे गंभीर बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए तुरंत ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है।

पुलिस ने शुरू की कार्रवाईः दुर्घटना की सूचना मिलते ही रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक अपनी टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुँचे। उन्होंने घायलों को समय पर अस्पताल पहुँचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की। इंस्पेक्टर त्रिगुणायक ने बताया कि टक्कर मारने वाली कार मारुति फ्रॉनक्स (नंबर UP 32 PH 2779) थी। उन्होंने आश्वासन दिया है कि घायलों की ओर से औपचारिक शिकायत मिलते ही कार चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ने बालिका विद्यालय का किया औचक निरीक्षण, सुरक्षा, स्वच्छता में कमी पर जताई नाराज़गी

● कैमरे और बाउंड्रीवाल बढ़ाने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में जिलाधिकारी डॉ. राजागपति आर ने शुक्रवार को समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय (बालिका) रहीमाबाद का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं को परखा और कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने परिसर में सुरक्षा व्यवस्था में हिला हवाली पर नाराजगी व्यक्त करते हुए स्कूल पारसी को सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि विद्यालय में सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि प्रत्येक गतिविधि की निगरानी बेहतर ढंग से हो सके निरीक्षण में कुल 370 छात्राएं उपस्थित पाई गई। जिलाधिकारी ने छात्राओं की सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी बच्चियों को जूते-मोजे उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए उन्होंने विद्यालय में लगे आरओ की जल गुणवत्ता की भी जांच कराई। इसके बाद किचन परिसर में पहुंचकर भोजन के मैन्यू, साफ-सफाई और बच्चों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता को देखा मेडिकल कक्ष, प्रयोगशाला, पुस्तकालय और डाइनिंग हॉल का भी उन्होंने निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालय में गंदगी देखकर साफ सफाई के निर्देश दिए है। कक्षाओं में पहुँचकर जिलाधिकारी ने छात्राओं से संवाद किया और विद्यालय में दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी कक्षा-कक्षों में स्मार्ट बोर्ड लगाए जाएं, जिससे शिक्षा और प्रभावी व सुगम बन सके। शिक्षकों की उपस्थिति, चिकित्सकीय व्यवस्था एवं रजिस्टरों की स्थिति पर भी जिलाधिकारी ने विस्तृत जानकारी लेते हुए प्रधानाचार्य और लेखाकार को निर्देशित किया कि सभी अभिलेखों को अद्यतन रखा जाए निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी छात्रावास भी पहुंचे, जहाँ उन्होंने बेडशीट, शौचालय, स्वच्छता एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कड़े निर्देश दिए कि छात्रावास और विद्यालय की नियमित साफ-सफाई कराई जाए तथा परिसर में डस्टबिन की संख्या बढ़ाई जाए। विद्यालय भवन की बाउंड्री दीवार ऊंचाई में कम पाए जाने पर उन्होंने उसे मानक के अनुरूप बढ़ाने के निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी मोती लाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे!!

फतेहपुर में लेखपाल की मौत पर सीतापुर में प्रदर्शन, एसडीएम और कानूनगो पर एफआईआर की मांग, कहा- जारी रहेगा आंदोलन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। फतेहपुर जनपद में स्ढ्ढक्रड्यूटी के दौरान तैनात लेखपाल द्वारा प्रशासनिक अफसरों के दबाव में आत्महत्या किए जाने की घटना ने पूरे प्रदेश के राजस्व कार्मिकों में आक्रोश पैदा कर दिया है। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के बैनर तले सीतापुर जिले के लेखपालों ने एक दिवसीय कार्य बहिष्कार कर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग तेज कर दी जिले से लेकर सभी तहसीलों तक लेखपालों ने कार्य छोड़कर विरोध प्रदर्शन किया और फतेहपुर की बिन्दकी तहसील के एसडीएम तथा संबंधित कानूनगो पर एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई मालूम हो कि फतेहपुर के बिन्दकी तहसील क्षेत्र में तैनात लेखपाल सुधीर कुमार ने शादी के मात्र चार दिन पहले ही आत्महत्या कर ली थी। परिजनों और साथी कर्मचारियों का आरोप है कि कार्यस्थल पर लगातार बढ़ते दबाव और उच्चाधिकारियों की प्रताड़ना से मानसिक तनाव बढ़ गया था, जिसके चलते सुधीर ने यह कदम उठाया। घटना के बाद से ही राजस्व विभाग के कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है सीतापुर तहसील सदर में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान लेखपाल संघ के जिला एवं तहसील पदाधिकारियों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक जिम्मेदार अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज नहीं किया जाता और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित नहीं होती, तब तक आंदोलन चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा संघ के सचिव अंजनी कुमार ने आरोप लगाया कि विभागीय अधिकारियों द्वारा काम में अनावश्यक दबाव बनाया जाता है जिसकी शिकायतें समय-समय पर संघ द्वारा उठाई जाती रही हैं, लेकिन प्रशासन ने कभी इसे गंभीरता से नहीं लिया लेखपालों ने कहा कि सुधीर कुमार की

मौत केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सिस्टम की खामियों और दमनकारी रवैये का परिणाम है। उन्होंने मांग की कि मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता, नौकरी में अनुकंपा नियुक्ति तथा दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए प्रदर्शन के दौरान लेखपालों ने तहसीलदार को ज्ञापन भी सौंपा और चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गई तो प्रदेशव्यापी आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी!!

एस.जे.एस. पब्लिक स्कूल की प्रतिभाशाली छात्रा नेहा ने राष्ट्रीय पटल पर दर्ज की उल्लेखनीय उपलब्धि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, रायबरेली। नगर के सर्वश्रेष्ठ विद्यालय एस.जे.एस. पब्लिक स्कूल लालगंज से कक्षा 12 तक की शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात नेहा देवी ने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। इन्होंने राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज मैनपुरी में बी.टेक. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में दाखिला लिया और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग में चयनित हुई हैं। नेहा ने अपने कैरियर की शुरुआत प्रतिष्ठित रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO), रक्षा मंत्रालय भारत सरकार में रिसर्च इंटर्न के रूप में की। इलेक्ट्रो तकनीकी ईई अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य किया। नेहा ने तकनीकी नेतृत्व और सामाजिक योगदान दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की। शिक्षा के साथ-साथ इन्होंने एनएसएस के माध्यम से सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाई और एथलेटिक्स में गोल्ड मेडल जीत कर अपनी बहुमुखी प्रतिभा को साबित कर दिखाया। वर्तमान समय में नेहा ने न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग के साथ ए आई में अभूतपूर्व योगदान दिया है। इनकी शोध टीम ने प्रतिष्ठित ढ्ढश्वश्वश्व सम्मेलन 2025 में 'न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग का उपयोग करके एआई मॉडल में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए मस्तिष्क-प्रेरित कंप्यूटिंग आर्किटेक्चर की जाँच' शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रकाशित किया है।

यह शोध-पत्र न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग की क्रांतिकारी अवधारणा है जो एआई प्रणालियों को अधिक ऊर्जा-कुशल और तेज़ बनाने के मानव मस्तिष्क की कार्यप्रणाली की नकल करता है। यह ए आई मॉडल अध्ययन मस्तिष्क-प्रेरित आर्किटेक्चर प्रस्तुत करता है जो प्रदर्शन से समझौता किए बिना ऊर्जा आवश्यकताओं को काफी कम कर सकता है। इन्होंने बताया कि हमारा लक्ष्य मानव संज्ञान और मशीन लर्निंग दक्षता के बीच की खाई को पाटना है। इस तरह के दक्षता संबंधित कार्यक्रम हमें बचपन से हमारे विद्यालय एस.जे.एस. पब्लिक स्कूल लालगंज में हमेशा से सिखाए जाते रहे हैं जिसके कारण आज हम इस मुकाम पर पहुंच पाए हैं। इन्होंने अपनी इन सभी उपलब्धियां का श्रेय अपने माता-पिता, अपने शिक्षकों तथा अपने विद्यालय एस.जे.एस. पब्लिक स्कूल लालगंज को दिया।

बुजुर्ग को बचाने के चक्कर में धान बेचने जा रहे किसान की पलट गई ट्रैक्टर की ट्राली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेलीः ट्रॉली पर धान लोड करके महराजगंज बेचने जा रहे एक किसान के ट्रैक्टर की ट्राली मऊ गांव में बड़ी नहर के नीचे बालिका हाई स्कूल के पास सामने जा रहे एक बुजुर्ग को बचाने के चक्कर में पलट गई, घटना में ड्राइवर और क्लीनर बाल-बाल बच गए। आपको बता दें कि, हादसा आज शुक्रवार की सुबह लगभग 8:30 बजे का है। अमेठी जनपद के थाना शिवरतनगंज क्षेत्र के जेहटा गांव निवासी किसान सौरभ गुप्ता अपने ट्रैक्टर पर धान के बोर लाद कर महराजगंज मंडी बेचने आ रहे थे, तभी मऊ गांव के पास जौनपुर बड़ी नहर के नीचे उतरते समय बालिका हाई स्कूल के सामने इन्हौना रोड पर सामने जा रहे एक बुजुर्ग को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे ट्रॉली पर लदे धान के सभी बोरे नीचे गिरकर बिखर गए। भगवान का शुक्र रहा कि, हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। गांव निवासी क्लीनर राजकरन ने बताया कि, ट्रैक्टर किसान सौरव गुप्ता ही चला रहे थे, तभी विद्यालय के पास सामने जा रहे एक बुजुर्ग को बचाने के चक्कर में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर ट्राली पलट गई और उस पर बोरो में लदा धान नीचे गिरकर बिखर गया। हादसे में कोई चोटिल नहीं हुआ है, सभी बाल-बाल बच गए। क्लीनर राजकरण ने यह भी बताया कि, आज का दिन ठीक नहीं है, वह जैसे ही गांव से धन भरी ट्राली लेकर निकले गांव के बाहर धान की छल्ली पलट गई थी, जिससे उनका बड़ा नुकसान हुआ।

बेख़ौफ़ चोरों ने उड़ाए 5 लाख के जेवरात

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के धनाभाद गांव में अज्ञात चोरों ने एक घर से करीब 5 लाख रुपये के सोने चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। पीड़ित रवींद्र प्रसाद शुक्ल ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।रवींद्र प्रसाद के मुताबिक सोमवार की रात वह घर के बरामदे में सो रहे थे जबकि परिवार के बाकी सदस्य अंदर कमरों में सोए थे। रात के समय चोर घर के बगल स्थित प्राथमिक विद्यालय की दीवार पार कर रोशनदान के सहारे अंदर घुस गए। चोर सीधे उनके बड़े बेटे के कमरे में पहुंचे और वहां रखे बक्से व अलमारी खोलकर कीमती आभूषण ले उड़े। सुबह उनकी बहू छत पर गई तो उसने देखा कि जीने का दरवाजा बाहर से बंद है। शक होने पर परिवार ने तलाश की तो चोरी की पूरी घटना सामने आई। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। घटना की जांच की जा रही है।

दमघोंटू हवा पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती- अब नियमित सुनवाई से जुड़ेगी दिल्ली की सांसों की लड़ाई

दिल्ली एनसीआर की हवा इन दिनों सिर्फ प्रदूषित नहीं, बल्कि जीवन पर सीधा आक्रमण करती हुई महसूस हो रही है। ऐसे विषाक्त माहौल में आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने कठोर रुख अपनाया है। अदालत ने यह साफ कर दिया कि प्रदूषण को लेकर औपचारिक लिस्टिंग या प्रतीकात्मक सुनवाई से काम नहीं चलने वाला। अब इस मामले में नियमित और लगातार सुनवाई होगी, ताकि समस्या की तह तक जाकर समाधान के रास्ते खोजे जा सकें। मगर अदालत का यह सख्त स्वर भी इस कड़वे सच को खारिज नहीं करता कि प्रदूषण किसी एक आदेश से खत्म होने वाला संकट नहीं है। जैसा कि सीजेआई ने कहा-कोई आदेश दें और अगले दिन साफ हवा मिल जाए, ऐसा नहीं हो सकता। इस टिप्पणी में पूरे संकट का सार छिपा है। समस्या सबको पता है, पर समाधान शासन, प्रशासन और वैज्ञानिकों के ठोस कदमों पर निर्भर है। दिल्ली की हवा का हाल इस समय भयावह स्तर पर है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, गुरुवार को राजधानी का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स 349 रहा। यह स्तर सीधे तौर पर 'गंभीर' श्रेणी में आता है। इसका अर्थ है कि हवा में मौजूद जहरीले कण शरीर के हर हिस्से पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। पिछले कुछ वर्षों में नवंबर, दिसंबर अब त्योहारों और सर्दियों की शुरुआत का मौसम नहीं रह गया, बल्कि प्रदूषण की चरम स्थिति का संकेत बन चुके हैं। इस बार भी हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि लोग घरों के भीतर कैद होने को मजबूर हो गए हैं। ताज़ा सर्वे बताते हैं कि लगभग 76 प्रतिशत लोग लगातार घरों में दुबके हुए हैं, क्योंकि बाहर निकला जाना अब स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ जैसा महसूस होता है। 80 प्रतिशत नागरिकों को लगातार खांसी, गले में जलन, थकान, सांस में भारीपन और आंखों में चुभन जैसी समस्याएँ हो रही हैं। इन दिक्कतों के कारण 69 प्रतिशत लोग कम से कम एक बार डॉक्टर के पास जा चुके हैं। यह स्थिति किसी अस्थायी परेशानी का संकेत नहीं बल्कि एक व्यापक स्वास्थ्य आपदा का चित्रण है ।एक ऐसी आपदा जिसे सुप्रीम कोर्ट ने भी स्वास्थ्य आपातकाल कहकर संबोधित किया है। सबसे गंभीर पहलू यह है कि लोग दिल्ली को छोड़ने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। 80 प्रतिशत लोग मानते हैं कि अगर स्थिति ऐसी ही बनी रही तो उन्हें शहर छोड़ना पड़ सकता है, और 37 प्रतिशत लोग तो राजधानी से बाहर प्रॉपर्टी तलाशना भी शुरू कर चुके हैं। महानगर की अर्थव्यवस्था, रोजगार बाजार और सामाजिक संरचना पर इसका दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। देश की राजधानी अगर नागरिकों को सुरक्षा नहीं दे पाए, तो यह न केवल प्रशासनिक विफलता है बल्कि भविष्य के शहरी भारत के लिए एक बड़ी चेतावनी है।दिल्ली की खराब हवा केवल वयस्कों या बुजुर्गों के लिए ही हानिकारक नहीं है। यह आने वाली पीढ़ियों को जन्म से पहले ही अपने दुष्प्रभावों में घेर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, विषैली हवा में लंबे समय तक रहने से नवजात शिशुओं में कई तरह की जन्मजात बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर भी इसका खतरनाक असर पड़ता है।कम वजन वाले बच्चों का जन्म, समय से पहले डिलीवरी और फेफड़ों के विकास में बाधा जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। यह स्थिति उस स्तर की है जहां हवा सिर्फ एक पर्यावरणीय चुनौती नहीं रही, बल्कि यह मानव विकास और भविष्य की पीढ़ियों को प्रभावित करने वाला संकट बन चुकी है। इन हालातों में नागरिकों का यह मानना स्वाभाविक है कि सरकारें प्रदूषण के खिलाफ 'राजनीतिक इच्छा शक्ति' नहीं दिखा रहीं। कई लोगों की धारणा है कि यह संकट हर साल दोहराया जाता है, पर कार्रवाई का स्तर हमेशा सीमित और देरी से होता है। चाहे पराली जलाने का मामला हो, औद्योगिक धुआं, डीज़ल वाहनों का उत्सर्जन, निर्माण स्थलों की धूल या शहरी कचरे का गलत प्रबंधन,हर तरफ कठोर और स्थायी नीति बनाने की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट की फटकार इसी निष्क्रियता पर गहरी टिप्पणी भी है।अदालत ने साफ कहा कि उनके पास कोई जादू की छड़ी नहीं है जिसे घुमाते ही दिल्ली-एनसीआर की हवा साफ हो जाएगी। समाधान सरकारों, विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के पास है, जिन्हें दीर्घकालिक रणनीति बनाकर तुरंत अमल शुरू करना होगा। अदालत की नियमित सुनवाई भले ही इस मामले में जवाबदेही तय करने का एक महत्वपूर्ण मंच बने, पर असली लड़ाई जमीन पर ही लड़ी जाएगी।जहाँ कानूनों का सख्ती से पालन, उत्सर्जन पर वास्तविक नियंत्रण और प्रदूषण फैलाने वाले स्रोतों पर निर्णायक कार्रवाई ही कारगर सिद्ध हो सकती है। दिल्ली की हवा को साफ करने की दिशा में अभी तक ज्यादातर उपाय अल्पकालिक दिखते रहे हैं।जैसे स्कूल बंद करना, वाहनों पर प्रतिबंध लगाना, निर्माण गतिविधियों को रोकना आदि। लेकिन ये कदम समस्या को केवल कुछ दिनों के लिए कम करते हैं, खत्म नहीं। दीर्घकालिक उपायों पर सरकारें धीमी दिखती हैं। विशेषज्ञ वर्षों से सुझाव दे रहे हैं कि दिल्ली-एनसीआर को एक साझा हवा प्रबंधन क्षेत्र की तरह चलाना होगा, जहाँ पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली मिलकर नीतियाँ बनाएं और लागू करें। पराली प्रबंधन, शहरी नियोजन, सार्वजनिक परिवहन, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा, औद्योगिक उत्सर्जन पर नियंत्रण, हरित क्षेत्रों का विस्तार ये सभी कदम व्यापक और निरंतर प्रयास की मांग करते हैं। यह भी सच है कि नागरिकों का व्यवहार भी इस लड़ाई में बराबर की भूमिका निभाता है। निजी वाहनों में अनावश्यक यात्राएँ, पटाखों का अत्यधिक उपयोग, कचरे का खुले में जलना, पेड़-पौधों की उपेक्षा,ये सब व्यक्तिगत स्तर पर ऐसे व्यवहार हैं जिन्हें बदलना समय की जरूरत है। हवा को साफ करना केवल सरकारों या अदालतों का दायित्व नहीं, बल्कि यह 2 करोड़ से अधिक लोगों की सामूहिक जिम्मेदारी है। पर व्यक्तिगत प्रयास तभी प्रभावी होंगे जब सरकारें बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराएं और प्रदूषण फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। आज अदालत का सख्त रुख दिल्ली वालों में उम्मीद जगाता है कि शायद अब इस समस्या को गंभीरता से लिया जाएगा। नियमित सुनवाई का मतलब है कि सरकारी एजेंसियों को अदालत के प्रश्नों का नियमित रूप से सामना करना पड़ेगा, और यह दबाव वास्तविक कार्रवाई में बदल सकता है। लेकिन यह भी समझना होगा कि समाधान वैज्ञानिकों और पर्यावरण विशेषज्ञों की सलाह से ही निकलेंगे और उन पर अमल तभी होगा जब राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत होगी। दिल्ली की हवा का संकट केवल एक मौसम की समस्या नहीं है। यह देश की राजधानी की प्रतिष्ठा, जनता के स्वास्थ्य, बच्चों के भविष्य और शहर की आर्थिक समृद्धि का प्रश्न है। सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी और सख्त टिप्पणी एक प्रकार से अंतिम संकेत है कि अब समय हाथ से निकलता जा रहा है। अब यह कहना पर्याप्त नहीं कि प्रदूषण एक जटिल समस्या है। बल्कि अब जरूरत है कि इसे खत्म करने के लिए जटिल लेकिन आवश्यक कदम उठाए जाएं। और ये कदम तभी जमीन पर असर दिखाएंगे जब सरकारें वैज्ञानिकों के साथ मिलकर दीर्घकालीन नीति बनाएं, और उसे बिना किसी राजनीतिक दबाव या वोट बैंक की चिंता के लागू करें। दिल्ली की सांसों की यह लड़ाई अब अदालत की निगरानी में है। लेकिन असली जीत तब होगी जब राजधानी के नागरिक रोज सुबह उठकर यह महसूस कर सकें कि हवा में जहर नहीं, जीवन है। जब बच्चे बिना मास्क के स्कूल जा सकें, जब बुजुर्ग बिना डर के सैर कर सकें, और जब अस्पतालों की भीड़ कम होकर सामान्य हो जाए। यह सपना संभव है, लेकिन तभी जब इच्छा शक्ति, वैज्ञानिक समझ, राजनीतिक दृढ़ता और सामाजिक जिम्मेदारी सभी मिलकर काम करें। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर आगाह किया है, अब बारी शासन की है कि वह साबित करे कि वह हवा को साफ करना चाहता भी है और कर भी सकता है।

कांतिलाल मांडोत

जब खुद के घर में आग लगती है तभी धुएं का एहसास होता है

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डी.सी. में राष्ट्रपति के निवास व्हाइट हाउस से कुछ ही दूरी पर राष्ट्रपति निवास की सुरक्षा में तैनात नेशनल गार्ड पर एक अफगानी नागरिक द्वारा फायरिंग किए जाने से एक गार्ड की मृत्यु हो जाती है और एक गार्ड गंभीर रूप से घायल हो जाता है। अमेरिका प्रशासन ने इस घटना को अपनी अस्मिता पर हमला मानते हुए इसे आतंकी हमला करार देते हुए समूचे अमेरिका में वैध-अवैध रूप से रह रहे लाखों अफगानियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है! बेशक अमेरिका में हुआ हमला पुलवामा या पहलगाम के आतंकी हमले की तरह न तो बहुत बड़ा था और न ही बहुत भयावह, लेकिन फिर भी अच्छी और सीखने लायक बात यह है कि अमेरिका प्रशासन की राष्ट्र फर्स्ट नीति के तहत हमला छोटा या बड़ा होना कोई मायने नहीं रखता। अमेरिका प्रशासन के लिए पूरे अमेरिका में एक गोली किसी गैर-अमेरिकी द्वारा चलाया जाना राष्ट्र की सुरक्षा व्यवस्था के हिसाब से बहुत बड़ा मायने रखता है, और अमेरिकी सेना, खुफिया एजेंसियां और प्रशासन गोली चलाने वाले के साथ-साथ उससे संबंधित मुल्क को भी राष्ट्र की अस्मिता पर हमला करने वाला दोषी मानते हैं और समूचे मुल्क को अमेरिका की नीतियों का कोप झेलना पड़ता है। अमेरिका पर नेशनल गार्ड पर फायरिंग करने वाला अफगानी कोई आतंकी नहीं, बल्कि अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना का सहयोग करने वाला अफगानी ही था। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना के वापस अमेरिका आने के साथ करीब पचास हज़ार से ज़्यादा अफगानी भी अपनी जान बचाकर अमेरिका आ गए थे, और अमेरिका में नागरिकता नहीं मिलने के कारण तथा ट्रम्प प्रशासन के अड़ियल रवैये के चलते सेना के साथ आए अफगानियों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। वाशिंगटन डी.सी. में हुए नेशनल गार्ड पर फायरिंग की घटना इसी बात का प्रतीक थी, लेकिन अमेरिका ने इस छोटे से हमले को भी राष्ट्र की अस्मिता पर हमला मानते हुए इसे आतंकी हमला करार देकर अब अमेरिका में रह रहे लाखों अफगानियों के सामने जीवन-मरण की स्थिति पैदा कर दी है। बकौल अमेरिका, अपने ऊपर आतंकी हमले करने वाले अल-कायदा और उनके आकाओं को खत्म कर आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों की हालत खराब कर दी हो, लेकिन फिर भी अमेरिका की आतंकवाद पर कभी एक वैश्विक नीति नहीं रही है। अमेरिका की आतंकवाद पर अपने लिए अलग और दूसरों के लिए अलग नीति है। इसी वजह से आतंकवाद फिर फन फैला रहा है। दुनिया की महाशक्ति कहलाने वाला अमेरिका अपने ऊपर हुए एक छोटे से हमले को भी बड़ा आतंकी हमला मानकर उसकी तह में जाकर खोज कर रहा है कि इसके पीछे कोई बड़ा आतंकी मकसद तो नहीं है। यानी जब खुद के घर में आग लगती है तभी धुएं का एहसास होता है। और जब भारत जैसे देशों में आतंक की बड़ी-बड़ी घटनाएं होती हैं तो यही अमेरिका आतंकवाद का फन कुचलने की बजाय आतंक के आकाओं को अपने घर में अगवानी करके बिरयानी खिलाते नज़र आता है। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सहित समूचे अमेरिका के लिए यह छोटी-सी फायरिंग की आतंकी घटना एक बड़ा संदेश देती है कि यदि आप अपने व्यापारिक हितों के लिए विश्व के देशों को आर्थिक रूप से कमजोर करने के लिए अपने हथियारों के बल पर आतंकियों देशों के सहारे कमजोर करने की नियत रखोगे, तो यही पाले हुए आस्तीन के सांप आपको भी उतना ही डसेंगे जितना दूसरों को डसते हैं। अतः डोनाल्ड ट्रम्प को अपने व्यापारिक हितों के साथ-साथ अमेरिका को और दुनिया के देशों को आतंकवाद से सुरक्षा देने के लिए एक समान नीति रखनी होगी। और महाशक्ति होने के नाते समस्त विश्व का नेतृत्व करते हुए दुनिया के कोने-कोने में छुपे बैठे आतंकियों के समूल नाश का संकल्प लेना होगा। तभी दुनिया से आतंकवाद खत्म होगा, अन्यथा किसी दिन भी अमेरिका के न्यूयॉर्क या लॉस एंजेलिस में पुलवामा या पहलगाम से बड़ी आतंकी घटना होगी और तब उसकी चीखों से अमेरिका को सही मायनों में आतंक के दर्द और धुएं की भयावहता का एहसास होगा।

अरविंद रावल

महिला प्रीमियर लीग में दीया यादव के चयन से बदला खेल का नजरिया

महिला प्रीमियर लीग (WPL) 2026 का मेगा ऑक्शन इस बार केवल नीलामी का मंच नहीं था, बल्कि भारतीय महिला क्रिकेट में बदलते समय और बदलती सोच का प्रतीक बनकर उभरा। 16 वर्षीय दीया यादव का चयन केवल एक साहसिक दांव नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट में नई पीढ़ी के उदय का संकेत है। दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें मात्र 10 लाख रुपये के बेस प्राइस पर चुनकर दिखा दिया कि प्रतिभा की पहचान उम्र से नहीं, साहस और निरंतरता से होती है। दीया के चयन ने महिला क्रिकेट में वही हलचल पैदा की है, जैसी कभी आईपीएल में 13 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू ने की थी। दोनों घटनाएँ न सिर्फ खेल की दिशा बदलने वाली हैं, बल्कि यह भी बताती हैं कि भारतीय क्रिकेट अब युवाओं के लिए पहले से कहीं अधिक स्वागतशील मंच बन चुका है। दीया यादव का उदय अचानक से नहीं हुआ। उनका नाम भले ही अभी सुर्खियों में आया हो, लेकिन उनकी यात्रा लंबे समय की मेहनत, अनुशासन और संघर्ष की कहानी है। 2023 की अंडर-15 महिला वनडे ट्रॉफी से उन्होंने जिस विस्फोटक अंदाज़ में अपने करियर की घोषणा की, वह किसी भी उभरते खिलाड़ी के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। 96.33 की औसत और 578 रन अपने आप में अद्भुत उपलब्धि हैं, लेकिन तीन शतक और एक दुर्लभ डबल सेंचुरी दर्शाती है कि यह लड़की केवल प्रतिभाशाली नहीं है–वह मानसिक रूप से भी अत्यंत मजबूत है। नाबाद 124 रनों की पारी के बाद जिस तरह वह दिल्ली की चर्चाओं में आई, वह साफ दर्शाता है कि घरेलू क्रिकेट का दायरा अब उन प्रतिभाओं को पहचानने लगा है, जिन्हें पहले अक्सर अनदेखा कर दिया जाता था। हरियाणा जैसी धरती, जहाँ पहले से ही कई बड़े खिलाड़ी जन्म ले चुके हैं, वहाँ दीया का उभरना आश्चर्य नहीं, बल्कि परंपरा का विस्तार है। लेकिन इसे अलग पहचान इसलिए मिलती है क्योंकि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में ही जिस परिपक्वता के संकेत दिए, वह बड़े स्तर पर सफलता की मजबूत संभावना दिखाते हैं। 2025-26 के सत्र में सीनियर टीम के लिए नंबर तीन पर खेलते हुए शेफाली वर्मा के साथ उनकी जोड़ी ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह सिर्फ प्रतिभा तक सीमित नहीं, बल्कि टीम के संतुलन और रणनीति का भी हिस्सा बन सकती हैं। यह साझेदारी केवल दो बल्लेबाज़ों का मिलन नहीं, बल्कि भारतीय महिला क्रिकेट की नई मानसिकता का प्रतीक बन गई–तेज, निडर और बेझिझक क्रिकेट खेलने की मानसिकता। टी20 प्रारूप स्वभाव से चुनौतीपूर्ण है। तेज़ निर्णय, निरंतर जोखिम और सीमित अवसर–इन तीनों का संतुलन ही इस प्रारूप की असली परीक्षा होती है। इस परीक्षा में दीया यादव ने जिस सहजता से सफलता हासिल की है, वह बताता है कि वह भविष्य की नहीं, वर्तमान की खिलाड़ी हैं। नॉर्थ जोन के लिए इंटर-जोनल टी20 ट्रॉफी में लगभग 150 के स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाना, सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट की सूची में ऊपर रहना और सबसे अधिक चौके लगाने वालों में दूसरा स्थान पाना–ये उपलब्धियाँ बताती हैं कि उन्होंने टी20 मानसिकता को बखूबी समझ लिया है। उनका टी20 करियर भी यही कहानी कहता है–19 पारियों में लगभग 40 की औसत पर 590 रन और चार अर्धशतक दिखाते हैं कि वे स्थिरता और आक्रामकता दोनों का संतुलन बनाना जानती हैं। सीनियर टी20 ट्रॉफी में लगभग 60 की औसत के साथ 298 रन बनाकर उन्होंने न केवल नॉर्थ जोन को फाइनल तक पहुँचाया, बल्कि चयनकर्ताओं का भरोसा भी मजबूत किया कि वह कठिन परिस्थितियों में भी टिक सकती हैं। दिल्ली कैपिटल्स का उन पर भरोसा केवल एक टीम की रणनीति नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट की बड़े बदलावों का संकेत है। अब टीमें जोखिम लेने से नहीं डरतीं। वे उस प्रतिभा को तराशने का जोखिम उठाती हैं, जो आने वाले वर्षों में टीम का भविष्य बदल सकती है। लॉरा वॉल्वार्ट और स्नेह राणा जैसी अनुभवी खिलाड़ियों के साथ एक 16 वर्षीय उभरती प्रतिभा को जगह देना बताता है कि दिल्ली की टीम अनुभव और युवा जोश का संतुलित मिश्रण चाहती है। यह चयन यह भी दर्शाता है कि घरेलू स्तर पर प्रदर्शन करने वाली लड़कियों को अब वह सम्मान मिलने लगा है, जिसकी उन्हें लंबे समय से जरूरत थी। लेकिन इस कहानी का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सिर्फ क्रिकेट नहीं है। यह सामाजिक बदलाव की कहानी भी है। दीया जैसे खिलाड़ी उन लाखों लड़कियों के प्रतीक हैं, जो छोटे कस्बों और गाँवों में अपने सपनों को अक्सर समाज की सीमाओं में बाँधकर रख देती हैं। उनका उभरना उन परिवारों के लिए भी संदेश है जो अब अपनी बेटियों को खेल के मैदान तक पहुँचाने में हिचकिचाते नहीं। ट्रेंड बदल रहा है–और इस बदलाव में दीया यादव जैसी खिलाड़ी अग्रदूत हैं। भारतीय महिला क्रिकेट आज जिस ऊंचाई पर खड़ा है, वहाँ ऐसे साहसी कदम यह सुनिश्चित करते हैं कि आने वाले समय में यह और भी सशक्त होगा। दीया का चयन महज एक खबर नहीं, बल्कि एक घोषणा है–कि भारतीय महिला क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। यदि वह अपने उसी जोश और दृढ़ता को बनाए रखती हैं जिसका प्रदर्शन उन्होंने घरेलू क्रिकेट में किया है, तो वह आने वाले वर्षों में भारतीय टीम की मुख्य स्तंभ बन सकती हैं। ड्ढक्क उनके लिए केवल एक मंच नहीं, बल्कि वह दरवाज़ा है जहाँ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक पहुँचने का रास्ता खुलता है। वह रास्ता लंबा है, चुनौतियों से भरा है, परंतु उनके शुरुआती सफर ने बता दिया है कि वह इस यात्रा के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

महेन्द्र तिवारी

संपादकीय

वेद-उपनिषदों के आलोक में प्रदीप्त होता वैश्विक आकाश

अयोध्या से विश्वशांति का नवोदय।

वेद, उपनिषद और पुराणों का ज्ञान भारतीय चेतना का वह दिव्य आलोक है जिसने सहस्राब्दियों से संपूर्ण मानवता को दिशा दी है। इन प्राचीन ग्रंथों में निहित ऊर्जा, तत्वज्ञान और आध्यात्मिक शक्ति केवल धर्मग्रंथ नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के प्रकाशस्तंभ हैं। ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद के मंत्र केवल ध्वनियाँ नहीं, बल्कि जीवन का अनंत संगीत हैं जो मनुष्य को बाह्य नहीं, अंतरंग रूप से परिष्कृत करते हैं और यह बताते हैं कि मानव जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक उपलब्धियाँ नहीं बल्कि आत्मा का विस्तार है। आज जब संपूर्ण विश्व विभाजन, युद्ध की राजनीति, शक्ति सन्तुलन और स्वार्थ की अंधी दौड़ में घिरा हुआ है, तब वेदों का यह प्रकाश पुनः वैश्विक आकाश को प्रदीप्त कर सकता है। बीते दो दशकों में मानव सभ्यता ने विज्ञान और तकनीकी विकास की अद्भुत प्रगति देखी है, परंतु इसके साथ युद्ध की भयावहता भी बढ़ी है। यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष, मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव, दक्षिण चीन सागर का भू राजनीतिक संकट, अफ्रीक में गृहयुद्ध, और महाशक्तियों द्वारा निरंतर सामरिक प्रदर्शनों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मानवता आज एक बार फिर ऐसे चौराहे पर खड़ी है जहां युद्ध और शांति के बीच की रेखा अत्यंत पतली हो चुकी है। वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर है, ऊर्जा-संकट ने विश्व को चुनौती दी है, और पर्यावरणीय संकट पृथ्वी के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहा है। ऐसे क्षण में समाधान कहीं बाहर नहीं, बल्कि हमारे संस्कारों और सनातन संस्कृति में निहित है, जो 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के अद्भुत विचार से समूचे विश्व को एक परिवार मानती है। यही वह विचार है जिसने भारत को प्राचीन काल में विश्वगुरु बनाया और आज पुनः विश्व नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रहा है। योग, ध्यान, आयुर्वेद और अध्यात्म की भारतीय परंपरा ने यूरोप, अमेरिका, एशिया और ऑस्ट्रेलिया तक जीवन की नई ऊर्जा भर दी है। संयुक्त राष्ट्र के मंच पर जब भारत ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की घोषणा की और 177 देशों ने उसे समर्थन दिया, तब यह स्पष्ट हो गया कि विश्व भारत से केवल आर्थिक शक्ति नहीं, बल्कि आध्यात्मिक नेतृत्व की अपेक्षा करता है। मानव विकास की दिशा केवल प्रौद्योगिकी में नहीं, बल्कि आंतरिक शांति और संतुलन में निहित है। यह विचार आज विश्व के मनोवैज्ञानिक और दार्शनिक विमर्शों का आधार बन रहा है। परंतु दुर्भाग्य यह है कि वैश्विक नेतृत्व का बड़ा भाग अब भी सैन्य सामर्थ्य और शक्ति प्रदर्शन की मानसिकता से बाहर नहीं आ पाया है। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर आज भी संघर्ष और विस्तारवाद की गूँज सुनी जाती है। ऐसे समय में भारत ने अयोध्या से शांति का ध्वज उठाकर समूचे विश्व को यह संदेश दिया कि युद्ध से कभी शांति उत्पन्न नहीं होती शांति केवल संवाद, सहयोग और संवेदना से संभव है। अयोध्या में हुआ ध्वजारोहण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। उस क्षण जब करोड़ों लोगों ने एक साथ शांति मंत्रों का उच्चारण किया '? द्यौः शान्तिः, अन्तरिक्षं शान्तिः, पृथिवी शान्तिः' और 'संगच्छध्वं संवदध्वं' तो यह केवल भारत की आस्था की ध्वनि नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता की पुकार थी कि युद्ध की विभीषिका पर विजय प्राप्त कर शांति को सार्वभौमिक धर्म बनाया जाए। यह उद्घोष आज वैश्विक कूटनीति में उस नए अध्याय की शुरुआत है जहां भारत हथियारों की बाजी नहीं, संवाद का नेतृत्व कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक शांति दृष्टि उसी सनातन विचारधारा का आधुनिक रूप है, जिसका मूल है।मानवता का भविष्य हथियारों की चमक में नहीं, बल्कि नैतिक प्रकाश में है। आज भारत केवल आर्थिक प्रगति, अंतरिक्ष विज्ञान या तकनीकी क्षमता के बल पर ही नहीं, बल्कि नैतिक नेतृत्व के आधार पर विश्व का मार्गदर्शक बन रहा है। ल20 शिखर सम्मेलन में भारत द्वारा रखा गया 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर 'का संकल्प उसी वसुधैव कुटुम्बकम् की नए युग की भाषा है। यदि जीवन को केवल रोजगार, विवाह, संतान और सेवानिवृत्ति तक सीमित कर दिया जाए, तो वह एक अधूरा वृत्त रह जाता है। जीवन का वास्तविक अर्थ तब पूर्ण होता है जब उसमें सामुदायिक श्रम, सामाजिक उपयोगिता और आत्मिक संतोष का सम्मिलन हो। यही वह सिद्धांत है जिसने राजा राममोहन राय, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, सर सैयद अहमद खान, महर्षि दयानंद और स्वामी विवेकानंद जैसे महापुरुषों को समाज की कुरीतियों और जड़ता के विरुद्ध संघर्ष करने की शक्ति दी। यही वह ऊर्जा है जिसने सुंदरलाल बहुगुणा को चिपको आंदोलन खड़ा करने की प्रेरणा दी, कैलाश सत्यार्थी को बाल अधिकारों के लिए विश्व- अभियान चलाने का साहस दिया, और बिल गेट्स तथा वॉरेन बफेट को अपनी अकूत संपत्ति का विशाल भाग मानव सेवा में लगाने का संकल्प दिया। एडिसन, आइंस्टीन, मैडम क्यूरी और राइट बंधु सफलता के पीछे नहीं भागे, उन्होंने सार्थकता को उद्देश्य बनाया। यदि वे केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों तक सीमित रहते, तो उनके आविष्कार मानवता की धरोहर न बन पाते।सफलता क्षणिक सुख दे सकती है, पर सार्थक श्रम ही वह दीप है जो जीवन को स्थायी उजाला देता है और समाज को पथप्रदर्शक। जब श्रम, परिश्रम और प्रयत्न एक साथ मिलते हैं, तभी चिरस्थायी आनंद, आत्मिक संतोष और मानवता की उन्नति संभव होती है। यही वेदों की परंपरा का सार है और यही अयोध्या के ध्वजारोहण का संदेश पहले अशांति को परास्त करो, तभी शांति का ध्वज फहरेगा। आज भारत विश्व को बता रहा है कि युद्ध का अंत हथियारों से नहीं, बल्कि विचारों और संस्कृति की शक्ति से होता है। अयोध्या का शांतिमय ध्वज अब केवल भारत का प्रतीक नहीं, बल्कि विश्व मानवता की दिशा है। भारत निरंतर वैश्विक शिखर की ओर बढ़ रहा है और यह प्रस्थान मार्ग शस्त्रों से नहीं, शास्त्रों की रोशनी से आलोकित है। यही है नया युग विश्वशांति का, वैश्विक एकता का और भारतीय नेतृत्व का।

संजीव ठाकुर

बहुपत्नीत्व अब इतिहास—असम ने बदल दी सदियों की परंपरा

[समान अधिकार का बिगुल—असम ने देश को नई दिशा दी]

[असम का बड़ा फैसला: महिला सम्मान अब कानून की ढाल]

27 नवंबर 2025 का दिन असम के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों से लिखा जाएगा। इसी दिन विधानसभा ने भारी बहुमत से 'असम प्रोहिबिशन ऑफ़ पॉलीगैमी बिल-2025' पारित कर वह कदम उठाया, जिसकी गूंज आने वाले दशकों तक सुनाई देगी। इस कानून के तहत अब कोई भी व्यक्ति जीवित पत्नी के रहते दूसरी शादी करेगा तो उसे सात वर्ष का कारावास भुगतना होगा, और यदि यह शादी छिपाकर की गई है तो सजा बढ़कर दस वर्ष तक पहुंच जाएगी, साथ ही अलग से भारी जुर्माना भी देना होगा। दंड केवल जेल और जुर्माने तक सीमित नहीं है–दोषी को जीवनभर किसी भी सरकारी नौकरी, चाहे वह चपरासी स्तर की हो या आईएएस जैसी उच्च सेवा से वंचित कर दिया जाएगा। साथ ही, पंचायत से लेकर नगर निगम तक किसी भी पद का चुनाव नहीं लड़ सकेगा और राज्य की सभी कल्याणकारी योजनाएँ, पेंशन तथा राशन सुविधाएँ भी तुरंत बंद हो जाएँगी। इतना ही नहीं, यदि कोई काज़ी, मौलवी, पंडित या सरपंच ऐसी गैर-कानूनी शादी संपन्न कराता है, तो उसे दो साल की सजा और डेढ़ लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा, जबकि माता-पिता या रिश्तेदार यदि विवाह से जुड़े तथ्य छिपाते पाए जाते हैं, तो उन पर भी एक लाख रुपये तक का दंड तय है। यह कानून हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और सिख–सभी धर्मों पर समान रूप से लागू होगा; हाँ, छठी अनुसूची के कुछ जनजातीय क्षेत्रों को यह अधिकार दिया गया है कि वे अपनी स्थानीय परिषदों के माध्यम से इसी प्रकार का समान कानून लागू करने का निर्णय स्वयं ले सकते हैं। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने विधानसभा में कहा, 'यह बिल किसी धर्म के विरुद्ध नहीं, बल्कि उन कुरीतियों के खिलाफ है जिन्होंने सदियों से औरत को बंधन में रखा है। तुर्की, ट्यूनीशिया जैसे कई मुस्लिम देशों में पॉलीगैमी पहले से प्रतिबंधित है, और पाकिस्तान में भी दूसरी शादी के लिए पहली पत्नी की लिखित अनुमति जरूरी है। असम ने केवल न्याय और सच्चे धर्म का साथ दिया है।' उन्होंने साफ कहा कि यही यूनिफॉर्म सिविल कोड की पहली सीढ़ी है, और 2026 में सरकार दोबारा बनी तो पूरा यूसीसी लागू किया जाएगा। सच यह है कि बहुपत्नीत्व कभी किसी का 'धार्मिक अधिकार' नहीं था, यह हमेशा पुरुष की सुविधा और स्त्री की मजबूरी का हथियार रहा। पहली पत्नी को भावनाओं सहित कैद कर देना, उसके बच्चों को आर्थिक-मानसिक रूप से तोड़कर दूसरी-तीसरी शादी रचाना–क्या यही मर्दानगी है? एनएफएचएस-5 बताता है कि पूर्वोत्तर के हजारों परिवार आज भी इसी जहर से धीमे-धीमे टूट रहे हैं। पहली पत्नी के पास न तलाक का अधिकार बचता, न गुजारा भत्ता, न वारिस में बराबरी; बच्चे नई शादियों की दहलीज पर ही पिस जाते हैं। असम ने निर्णायक निर्णय लिया–अब बस। अब औरत का हक, किसी भी धर्म की आड़ से ऊपर रखा जाएगा। यह कानून केवल सजा का हथियार नहीं, समाज को नई नींव देने वाला क्रांतिकारी दस्तावेज है। पीड़ित महिला को तुरंत मुआवजा, मुफ्त कानूनी सहायता और सरकारी सुरक्षा कवच मिलेगा। पुलिस को बिना वारंट गिरफ्तारी का अधिकार होगा, जबकि दोबारा अपराध करने वाले को दोगुनी–यानी बीस वर्ष तक–की कठोर सजा भुगतनी पड़ेगी। ये प्रावधान इतने सख्त और स्पष्ट हैं कि अब कोई पुरुष दूसरी शादी का ख्याल भी मन में लाए तो उसका खून जम जाए। बहुपत्नीत्व की सदियों पुरानी जंजीरें अब हमेशा के लिए टूट चुकी हैं–असम ने सिर्फ कानून नहीं बनाया, उसने आने वाली नस्लों के लिए एकपत्नीत्व को अनिवार्य जीवन-मूल्य बना दिया। अब बारी बाकी राज्यों की है। उत्तराखंड ने यूसीसी लागू किया, और असम उससे भी कठोर कानून लेकर आगे निकल गया। गुजरात, हिमाचल, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश–सबकी सरकारें अब जनता के तीखे सवालों का सामना करेंगी। बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल और तेलंगाना जैसे राज्यों में, जहां एनएफएचएस डेटा आज भी 2 - 3% पॉलीगैमी दिखाता है, उन्हें जवाब देना होगा–आखिर आप कब जागेंगे? असम ने साबित कर दिया कि धार्मिक वोटबैंक के डर से मुक्त होकर भी महिलाओं के अधिकारों की निर्णायक लड़ाई लड़ी जा सकती है। यह हिंदू कोड बिल-1955 के बाद की सबसे बड़ी सामाजिक क्रांति है। इस कानून से समाज की तस्वीर बदल जाएगी। पहली पत्नी को उसका हक और सम्मान मिलेगा, और बच्चे एक स्थिर परिवार में बड़े होंगे। लड़कियों की पढ़ाई-लिखाई पर ध्यान जाएगा, क्योंकि मां-बाप अब यह डर नहीं रखेंगे कि उनकी बेटी किसी की 'दूसरी' बन जाएगी। संपत्ति विवाद घटेंगे, और सबसे बड़ी बात–समाज में औरत अब केवल 'घर वाली' नहीं, बल्कि बराबर की हिस्सेदार मानी जाएगी। विरोध करने वालों के लिए बस दो सवाल हैं–पहला, अगर हिंदू या ईसाई एक से ज्यादा शादी करता है तो आप सजा की बात करते हैं, लेकिन मुस्लिम करे तो 'धार्मिक अधिकार '? यह दोहरा मापदंड क्यों? दूसरा, क्या औरत का सम्मान और उसकी सुरक्षा धर्म से बड़ी चीज नहीं? असम ने इन सवालों का जवाब कानून बनाकर दे दिया है। अब इतिहास खुद गवाह बनेगा कि 2025 में एक छोटे से राज्य ने पूरे देश को नारी-न्याय का पाठ पढ़ाया। हिमंता बिस्वा सरमा की सरकार ने यह साबित कर दिया कि अगर साहस हो तो असंभव कुछ भी नहीं। 'एक पुरुष, एक पत्नी '–यह केवल कानून नहीं, बल्कि नई सदी का सामाजिक धर्म है। असम ने राह दिखाई, मानक तय किए, और अब पूरे भारत को उस राह पर चलना है। यह केवल एक निर्णय नहीं, बल्कि समाज के लिए जागृति और महिलाओं के अधिकारों की असली विजय है।

प्रो. आरके जैन

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उप्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

महिला शिक्षा के प्रणेता थे ज्योतिबा फुले - चंद्रभूषण

देवरिया। महात्मा ज्योतिबा फुले के स्मृति दिवस पर सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने कहा कि फुले साहब ने महिला शिक्षा को सामाजिक बदलाव का आधार मानते हुए देश का पहला कन्या विद्यालय शुरू कर इतिहास बनाया। सावित्रीबाई फुले के साथ उनकी पहल ने शिक्षा को वंचितों तक पहुँचाने का नया रास्ता खोला। उन्होंने बताया कि फुले ने 1848 में कन्या विद्यालय और 1855 में श्रमिकों व किसानों के लिए सायंकालीन विद्यालय शुरू किया। जाति उत्पीड़न के खिलाफ उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना कर सामाजिक समता का मजबूत आंदोलन खड़ा किया। 1890 में निधन के बावजूद उनका योगदान आज भी समाज सुधार का मार्गदर्शन करता है। कार्यक्रम में सुरेश नारायण सिंह, गोविंद यादव, नाजिर अंसारी सहित कई लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

नगर पालिका अध्यक्ष ने पी.एम. श्री विद्यालय नं. 1 में जमा कराए एस आई आर फॉर्म

शुद्ध पेयजल हेतु लगाया गया स्टैंड पोस्ट

बरहज,देवरिया। पी.एम. श्री विद्यालय संख्या 1 पर नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता जायसवाल एवं अध्यक्ष प्रतिनिधि श्यामसुंदर जायसवाल पहुंचे, जहां उन्होंने एस आई आर से संबंधित फॉर्म बीएलओ के पास जमा किए। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। विद्यालय के छात्रों, छात्राओं एवं प्रधानाध्यापक की मांग पर नगर पालिका द्वारा शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु स्टैंड पोस्ट लगाया गया है। स्टैंड पोस्ट के आसपास टाइल्स लगाने का कार्य भी तेजी से कराया जा रहा है, ताकि बच्चों को स्वच्छ और सुविधाजनक पेयजल व्यवस्था मिल सके। नगर पालिका द्वारा एस आई आर फॉर्म के कार्य को शीघ्रता से पूरा कराने के लिए अपने कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगा दी गई है। विद्यालय में आए मतदाताओं को अध्यक्ष ने एस आई आर फॉर्म समय से भरकर जमा करने के लिए प्रेरित किया और आवश्यक जानकारी देकर जागरूक किया। नगर पालिका प्रशासन ने कहा कि छात्रों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना उनकी प्राथमिकता है, और इस दिशा में ठोस कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

मार्ग से अतिक्रमण हटवाने को लेकर दी तहरीर

लालगंज, प्रतापगढ़। मार्ग में अतिक्रमण के आरोप को लेकर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है। लालगंज कोतवाली के बभनपुर अवदर गांव निवासी दुर्गा प्रसाद तिवारी पुत्र श्रीकांत तिवारी ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि गांव के एक व्यक्ति द्वारा गांव में आने जाने के खडण्जा मार्ग पर अतिक्रमण कर मार्ग को अवरूद्ध कर दिया है। पीड़ित का यह भी कहना है कि आगामी उन्तीस नवंबर को बेटी की बारात आनी है। मार्ग से अतिक्रमण हटाने की बात करने पर आरोपी मारपीट पर आमदा हो जाता हो जाता है। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद कार्रवाई की जायेगी।

अज्ञात चालक पर गैरइरादतन हत्या का केस

लालगंज, प्रतापगढ़। दुर्घटना में युवक की हुई मौत को लेकर पुलिस ने अज्ञात बोलेरो चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के मोठिन गांव निवासी पृथ्वी पाल पुत्र सियम्बर ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती 23 नवंबर की शाम करीब 6.30 बजे उसके पिता खेत से घर लौट रहे थे। प्राथमिक विद्यालय मोठिन के पास अज्ञात बोलेरो वाहन ने टक्कर मार दिया। जिससे पीड़ित के पिता सियम्बर की मौत हो गयी थी। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद अज्ञात बोलेरो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

शीतलहर से बचाव हेतु जनपद में एडवाइजरी जारी

देवरिया। एडीएम वित्त एवं राजस्व रामशंकर ने बताया कि मौसम विभाग द्वारा शीतलहर की संभावना के मद्देनज़र जनपद में सभी विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। आश्रय स्थलों, अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में कंबल, दवाएँ, हीटर आदि की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। रैन बसेरों की विशेष समीक्षा, फिसलन वाले स्थानों पर नमक/रेत का छिड़काव तथा कोहरे में सड़क सुरक्षा के लिए चेतावनी बोर्ड लगाए जाएंगे। पुलिस, परिवहन और स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मृत बीएलओ अंजू के परिजनों से की मुलाकात

●-लेखपालों के धरने को दिया समर्थन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रुद्रपुर-देवरिया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने राष्ट्रीय प्रवक्ता रुद्रपुर विधानसभा के पूर्व विधायक अखिलेश प्रताप सिंह के साथ शुक्रवार को माझा निवासी की बीएलओ अंजू देवी के परिजनों से मुलाकात की व उन्हें सांत्वना दी। वहां से लौटने के बाद दोनों नेताओं ने तहसील परिसर में चल रहे लेखपालों के एक दिवसीय धरना प्रदर्शन में शिरकत की व उनका समर्थन भी किया। स्थानीय तहसील परिसर में फतेहपुर जिले के 2024 बैच के लेखपाल सुधीर कुमार द्वारा आत्महत्या कर लेने और शासन प्रशासन द्वारा इसको दबाने व फिर गलत तरीके से एफआईआर दर्ज करने को लेकर लेखपालों में भारी आक्रोश देखा गया। जिससे आहत होकर तहसील लेखपाल संघ के अध्यक्ष देवेंद्र त्रिपाठी और मंत्री भास्कर के नेतृत्व में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। इसमें कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और पूर्व विधायक और कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अखिलेश प्रताप सिंह ने धरना स्थल पर पहुंच कर धरने को संबोधित करते हुए अपना समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी आपके साथ खड़ी है। उन्होंने मांग किया कि लेखपाल सुधीर कुमार के परिवार को एक करोड रुपए और उनकी अकेली बहन को सरकारी नौकरी दी जाय।

प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार द्वारा समर्थित और चुनाव आयोग के निर्देश पर प्रदेश भर में किये जा रहे हैं एस आई आर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) पर प्रश्नचिह्न खड़ा किया। इससे आम जनता में भारी नाराजगी और अफरा-तफरी का माहौल है। सन 2002 में एस आई आर की प्रक्रिया शुरू की गई थी जिसमें कुल 8 महीनों का समय दिया गया था। जिससे एस आई आर प्रक्रिया करने में कोई बाधा नहीं आई थी, किंतु इस गूंगी बहरी सरकार में एक महीने से कम समय दिया गया है। जिससे अधिकारियों व कर्मचारियों पर अनावश्यक दबाव बन रहा है। मानसिक दबाव की वजह से कई कर्मचारी आत्महत्या के लिए मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी मैं महिला बीएलओ रंजू दुबे के घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करके आ रहा हूं जो मानसिक दबाव के चलते अचानक बीमार पड़ी और उसकी मौत हो गई। हम सरकार से मांग करते हैं कि एस आई आर का सरलीकरण हो और इसकी समय सीमा बढ़ाई जाए ताकि जो कर्मचारी इसमें लगे हैं बिना किसी दबाव के निर्वाध रूप से अपन कार्य पूरा कर सकें। इस अवसर पर शिव शंकर गुप्ता, नागेंद्र बहादुर रत्न, रागिनी सिंह, मयंक गुप्ता, लक्ष्मी चौधरी, मनीष गुप्ता, नीरज मनी, सिद्धार्थ गौतम, अजय यादव, सचिन सिंह, बृजेश शुक्ला आदि लेखपाल और कर्मचारी मौजूद रहे।

1 से 18 दिसंबर तक आयोजित होगा रबी कृषि निवेश मेला

देवरिया। कृषि निदेशक के निर्देश पर जनपद में विकासखंड स्तर पर रबी कृषि निवेश मेलों का आयोजन 1 से 18 दिसंबर तक किया जाएगा। सीडीओ प्रत्यूष पांडेय ने बताया कि मेलों का उद्देश्य किसानों को उन्नत तकनीक, विभागीय योजनाओं, अनुदान, कृषि यंत्रों तथा पोषक तत्व प्रबंधन की जानकारी उपलब्ध कराना है। मेला प्रतिदिन सुबह 10 से शाम 5 बजे तक लगेगा। कार्यक्रम की शुरुआत 1 दिसंबर को बनकटा से होगी। इसके बाद सभी ब्लॉकों में क्रमवार मेले आयोजित होंगे। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक खेती से जुड़ी तकनीकी जानकारी देंगे और किसानों की समस्याओं का समाधान स्थल पर ही किया जाएगा। कृषि एवं सहयोगी विभाग, यूपी एग्रो, बीज निगम और कृषि यंत्र निर्माता कंपनियाँ भी स्टॉल लगाएंगी। कृषि ऋण शिविर भी आयोजित होगा।

रविन्द्र किशोर शाही स्टेडियम में खेलो इंडिया अस्मिता एथलेटिक्स बालिका लीग सम्पन्न, डीएम ने बढ़ाया उत्साह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। रविन्द्र किशोर शाही स्पोर्ट्स स्टेडियम, देवरिया में खेलो इंडिया अस्मिता एथलेटिक्स बालिका लीग का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने कार्यक्रम में प्रतिभाग कर विभिन्न एथलेटिक प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहीं बालिकाओं का हौसला बढ़ाया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बालिकाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना और उनकी खेल प्रतिभा को निखारने हेतु मंच उपलब्ध कराना है। स्प्रिंट, लंबी कूद, ऊँची कूद सहित कई इवेंट आयोजित हुए, जिनमें बालिकाओं ने बेहतर प्रदर्शन कर अपनी क्षमता और खेलभावना का परिचय दिया। डीएम ने कहा कि खेल बालिकाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और अनुशासन विकसित करते हैं, जो महिला सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रशासन जिले की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। कार्यक्रम में प्रशिक्षकों, खेल अधिकारियों और अभिभावकों ने भी बालिकाओं के उत्साह व प्रदर्शन की सराहना की।

गोरखपुर में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान रफ्तार पर: 51% इंस्टॉलेशन पूरा, 46% फीडिंग; ICI Net पोर्टल से अब घर बैठे करें आवेदन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जिले में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी है। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में जिलाधिकारी दीपक मीणा ने अभियान की अब तक की प्रगति, चुनौतियों और आगामी रणनीति की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि कुल 51 प्रतिशत इंस्टॉलेशन कार्य पूरा कर लिया गया है। इनमें से 46 प्रतिशत गणना प्रपत्रों की ऑनलाइन फीडिंग भी सफलतापूर्वक हो चुकी है, जबकि 5 प्रतिशत प्रपत्रों में मृतक, दो स्थानों पर नाम होने तथा स्थानांतरित व्यक्तियों से संबंधित सूचनाएं मिली हैं। उन्होंने कहा कि सभी बिंदुओं पर सत्यापन का काम तेज़ी से प्रगति पर है। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रतिदिन औसतन 7 प्रतिशत प्रपत्र फीड किए जा रहे हैं। अब अभियान के अंतिम सात दिनों में प्रशासन का लक्ष्य 100 प्रतिशत इंस्टॉलेशन और फीडिंग पूरा करना है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतांत्रिक प्रक्रिया का आधार है और यह सुनिश्चित करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि उसका नाम मतदाता सूची में सही-सही दर्ज हो।

ऑनलाइन पोर्टल सक्रिय, अब घर बैठे भरें प्रपत्र

डीएम मीणा ने बताया कि ICI Net पोर्टल पूरी तरह सक्रिय है। नागरिक घर बैठे ऑनलाइन गणना प्रपत्र भरकर जमा कर सकते हैं, जिसकी सूचना स्वतः संबंधित बीएलओ को मिल जाएगी। इसके अलावा 2003 की मतदाता सूची भी पोर्टल पर उपलब्ध है, जिससे लोग अपने परिवार का पुराना रिकॉर्ड–माता-पिता के नाम, भाग संख्या व बूथ संख्या–आसानी से खोज सकते हैं। जिन्होंने 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है, वे ऑनलाइन फॉर्म-6 के माध्यम से नए मतदाता के रूप में पंजीकरण कर सकते हैं।

महिलाओं के लिए विशेष निर्देश

जिलाधिकारी ने कहा कि विवाह के बाद दूसरे घर में गई महिलाओं को पंजीकरण के दौरान 2003 की सूची में दर्ज अपने मायके का विवरण–भाग संख्या, बूथ संख्या और माता-पिता का नाम–अनिवार्य रूप से भरना चाहिए। बाद में पता संशोधन के लिए वे फॉर्म-8 का उपयोग कर सकती हैं।

बीएलओ की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण

डीएम ने स्पष्ट कहा, बीएलओ आपको दो प्रपत्र देते हैं–एक की रिसीविंग अवश्य लें और दूसरा फॉर्म भरकर वापस जमा करें। जो जानकारी कम होगी, प्रशासन उसे पूरा कर देगा। केवल मूल विवरण सही-सही दें, आपका नाम सूची में सुरक्षित रहेगा। जिन्हें दो स्थानों से फॉर्म मिले हैं, वे केवल एक सही पते पर फॉर्म जमा करें और दूसरे पते के बीएलओ को आवेदन देकर सूचित करें।

मृतक व बाहर गए लोगों के नाम हटाने में तेजी

फॉर्म में मृतक या बाहर चले गए सदस्यों का विवरण भरने से सूचना सीधे सिस्टम में दर्ज हो जाती है। इसके बाद बीएलओ सत्यापन कर नाम हटाने की कार्रवाई करते हैं।

अंतिम अपील—फॉर्म जल्द जमा करें

डीएम ने कहा कि लोग अंतिम तिथि का इंतजार न करें। जो भी योग्य है, उसका नाम मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए–यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास जताया कि शेष सात दिनों में 100 प्रतिशत लक्ष्य अवश्य हासिल कर लिया जाएगा।

गोला ब्लॉक में खाद-बीज संकट गहराया, 10 समितियों पर सिर्फ 6 सचिव—किसान बेहाल, बुआई पर संकट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोरखपुर। रबी सीजन की बुआई अपने चरम पर है, लेकिन गोला ब्लॉक के किसानों को खाद-बीज के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। ब्लॉक की 10 साधन सहकारी समितियों पर मात्र 6 सचिव तैनात हैं, जिनमें से चार सचिव दो-दो समितियों का चार्ज संभाल रहे हैं। सचिवों की इस गंभीर कमी ने खाद-बीज वितरण की पूरी व्यवस्था लड़खड़ा दी है। नियम के अनुसार प्रत्येक समिति में एक सचिव अनिवार्य है, लेकिन वर्तमान स्थिति में एक सचिव को एक दिन में सिर्फ एक ही समिति संभालने का मौका मिलता है। नतीजतन दूसरी समिति बंद रहती है और किसान कई-कई दिनों तक चक्कर काटकर भी खाद-बीज नहीं प्राप्त कर पा रहे। गेहूं बुआई का पीक समय होने के बावजूद सामग्री उपलब्ध न होने से किसान गहरी चिंता में हैं।

प्रगतिशील किसान निशीथ राय के मुताबिक समय पर खाद-बीज न मिलना सीधे उत्पादन पर असर डालेगा। उन्होंने कहा कि 'सभी समितियाँ सक्रिय हैं, इसलिए तत्काल सचिवों की तैनाती बेहद जरूरी है।' ककरही, चिलवा, पकड़ी और परसिया मिश्र समितियों में सचिव दोहरी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, जबकि भरोह समिति 22 साल बाद सक्रिय हुई है, लेकिन सचिव की कमी यहां भी कार्यों में बाधा बन रही है। हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी विकास समीक्षा बैठक में खाद-बीज वितरण सुधारने के निर्देश दिए थे। किसान उम्मीद कर रहे हैं कि विभाग जल्द कार्रवाई करेगा, वरना बुआई की गति और उत्पादन दोनों पर बड़ा संकट मंडरा सकता है।

लूट से संबंधित दो अभियुक्त गिरफ्तार किये गये

प्रतापगढ़। थाना दिलीपपुर पुलिस द्वारा लूट की घटना से संबंधित 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया और लूट के कुल 2100 रुपये बरामद किये गये। बीते 16 सितंबर को थाना दिलीपपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम द्वारिकापुर में एक व्यक्ति से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा पैसे व मोबाइल छीनकर भाग गये। उक्त प्रकरण में थाना दिलीपपुर पर मु0अ0सं0 157/25 धारा 309(4) बीएनएस बनाम 04 व्यक्ति नाम अज्ञात का अभियोग पंजीकृत किया गया था। थाना दिलीपपुर उप निरीक्षक रमिल कुमार मय हमराह हे0का0 आनन्द तिवारी, का0 स्वामीनाथ द्वारा मुखबिर की सूचना पर थाना दिलीपपुर क्षेत्रान्तर्गत नौहर पुल के पास से मु0अ0सं0 157/25 धारा 309(4)/317(2) बीएनएस से संबंधित 02 अभियुक्तों अंकित सिंह पुत्र रामआसरे सिंह निवासी ग्राम नौहर हुसैनपुर थाना दिलीपपुर जनपद प्रतापगढ़ उम्र करीब 21 वर्ष व अभिषेक सिंह पुत्र सुनील सिंह निवासी ग्राम नौहर हुसैनपुर थाना दिलीपपुर जनपद प्रतापगढ उम्र 20 वर्ष को लूट के कुल 2100 रूपये के साथ गिरफ्तार किया गया।

जिलाधिकारी ने बालगृह के बच्चों को दिए गर्म जैकेट

देवरिया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने शीतलहर से बचाव हेतु बालगृह में बच्चों को गर्म जैकेट वितरित किए। इस दौरान उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उन्हें जैकेट पहनाकर उत्साहित किया। डीएम ने बालगृह की आवासीय व देखभाल संबंधी व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण कर अधिकारियों को बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को सुरक्षित व खुशहाल वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। जैकेट वितरण से बच्चों में खुशी का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में सीएमओ डॉ. अनिल कुमार गुप्ता, एसीएमओ डॉ. अश्वनी कुमार पांडेय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भूतपूर्व विधायक के प्रतिमा का हुआ अनावरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवां के रतनपुर ब्लाक मुख्यालय परिसर में शुक्रवार को भूतपूर्व एवं प्रथम विधायक तथा स्वतंत्रता सग्राम सेनानी सुदामा प्रसाद की प्रतिमा का अनावरण किया गया। प्रतिमा का अनावरण स्वर्गीय सुदामा प्रसाद की पुत्री बीना देवी व पौत्र सुदामा प्रसाद जन कल्याण फाउंडेशन संस्था के संस्थापक प्रभात कुमार वर्मा द्वारा किया गया। सर्व प्रथम उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया गया। तत्पश्चात जरूरतमंद बुजुर्गो में कंबल वितरित किया गया है। जानकारी के मुताबिक भूतपूर्व विधायक एवं स्वतंत्रता सग्राम सेनानी सुदामा प्रसाद का जन्म 9 मई सन् 1908 को नौतनवां ब्लाक के ग्राम पंचायत रतनपुर में पैदा हुए थे। सुदामा प्रसाद सोलह साल की उम्र में पहली बार जेल गए थे। सुदामा प्रसाद ने भारत से अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ एक क्रांतिकारी कदम उठाकर जगह-जगह संगठन बनाकर अंग्रेज से लड़ कर उन्हें भारत से निकालने का काम किया। अंग्रेजी हुकूमत के दौरान अपने जीवन में

लगभग सत्रह बार जेल गए। जेल में ही उन्होंने शिक्षा ग्रहण किया। जेल जाने के बाद भी उनका मनोबल गिरा नहीं। देश आजाद होने के बाद लक्ष्मीपुर नौतनवां विधानसभा के प्रथम विधायक हुए। अपने विधायक के कार्यकाल में नौतनवां ब्लाक, सीएचसी रतनपुर, नौतनवां-ठूठीबारी मुख्य मार्ग, नौतनवां इंटर कॉलेज, रोहिन हेड का निर्माण कार्य कराया। भूत पूर्व विधायक एवं स्वतंत्रता सग्राम सेनानी सुदामा प्रसाद का 6 अप्रैल 1968 को उनके आवास पर ही देहांत हो गया। इस दौरान सतीश उर्फ बेचन, बाबूलाल यादव, प्रेम नारायण शर्मा, नंद किशोर यादव, कप्पू मिश्रा, राजू साहनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

फतेहपुर के लेखपाल की मौत पर कार्रवाई की मांग तेज, गोरखपुर में लेखपालों का धरना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ जिला इकाई व तहसील सदर शाखा के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को तहसील सदर परिसर में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन हुआ। फतेहपुर के 2024 बैच के लेखपाल सुधीर कुमार की मौत को लेकर लेखपालों में गहरा आक्रोश देखने को मिला। वक्ताओं ने इसे प्रशासनिक दबाव, संवादहीनता और अधिकारियों की असंवेदनशीलता के कारण हुई 'अप्राकृतिक मृत्यु' बताया। पदाधिकारियों ने कहा कि सुधीर कुमार की शादी 26 नवंबर 2025 को थी, लेकिन SIR कार्य का हवाला देकर उन्हें छुट्टी नहीं दी गई। 22 नवंबर को SIR बैठक में अनुपस्थित रहने पर उनका निलंबन कर दिया गया। 25 नवंबर की रात राजस्व निरीक्षक द्वारा कथित धमकी दिए जाने के बाद तनावग्रस्त सुधीर ने आत्मघाती कदम उठा लिया। आरोप लगाया गया कि परिजनों के प्रार्थना पत्र के बावजूद 30 घंटे तक FIR दर्ज नहीं हुई और बाद में तहरीर बदलवाकर एक PCS अधिकारी का नाम हटवा दिया गया।

धरने में प्रदेश उपाध्यक्ष धनंजय कुमार श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष जगदीश प्रसाद, तहसील मंत्री रत्नेश सिंह सहित बड़ी संख्या में लेखपाल मौजूद रहे। वक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि लेखपाल केवल अपने निर्धारित दायित्वों तक सीमित रहें और अनावश्यक अतिरिक्त कार्यों से बचें, ताकि विभाग पर अनावश्यक दबाव न बढ़े। मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में PCS अधिकारी संजय कुमार सक्सेना को नामजद करने, मृतक परिवार को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, एक सदस्य को नौकरी, SIR की अंतिम तिथि बढ़ाने तथा चुनावी ड्यूटी पर एक माह के वेतन के बराबर प्रोत्साहन राशि देने की मांग की गई। एसडीएम की अनुपस्थिति में ज्ञापन नायब तहसीलदार अरविंद नाथ पांडेय को सौंपा गया। संघ ने चेतावनी दी कि मांगे न माने जाने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

बीएलओ रंजू दुबे की मौत पर सपा नेताओं ने जताया शोक, परिजनों से मिले

●-चुनाव आयोग से मुआवज़ा व नौकरी की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रुद्रपुर। सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल रुद्रपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम व पोस्ट माझा नारायन पहुँचा, जहाँ उन्होंने ड्यूटी के दौरान निधन हुई बीएलओ रंजू दुबे के पति जगदम्बा दुबे और परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। जिलाध्यक्ष श्री यादव ने कहा कि इस दुख की घड़ी में सपा परिवार और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव स्वयं दुबे परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि बिना समुचित तैयारी और बेहद कम समय में लागू किए गए एस आई आर कार्य के कारण बीएलओ व बीएलए गंभीर तनाव में हैं, जबकि अधिकांश ग्रामीण क्षेत्र में लगन व खेती का कार्य भी चरम पर है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के दबाव में चुनाव आयोग ने अत्यधिक संवेदनशील एवं बोझिल जिम्मेदारियाँ कर्मचारियों पर थोप दी हैं, जो जानलेवा साबित हो रही हैं। सपा जिलाध्यक्ष ने मांग किया कि मृत बीएलओ के परिवार को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवज़ा दिया जाए, परिवार के आश्रित को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए, एस आ आर की समय सीमा बढ़ाई जाए तथा अतिरिक्त कर्मचारियों को इस कार्य में लगाया जाए। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह, विजय प्रताप यादव, हाफिज शहादत हुसैन, अली आज़म, हरेंद्र सिंह त्यागी, संतोष यादव, हसनाथ यादव, रामखेदू यादव, सिकंदर यादव, राजनाथ यादव, आदिल, नौशाद, दानिश शेख, विनोद आदि मौजूद रहे।

न्यायाधीशगणों ने राजकीय बाल गृह का किया औचक निरीक्षण

देवरिया। राजकीय बाल गृह का औचक निरीक्षण अनुश्रवण समिति के अध्यक्ष अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रवि यादव, सदस्य एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मनोज तिवारी तथा सदस्य एवं सिविल जज जूनियर डिवीज़न मृणालिनी श्रीवास्तव द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष ने बच्चों को पौष्टिक भोजन, समयबद्ध खान-पान व आवश्यक सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था का निर्देश दिए। उन्होंने अभिलेखों व प्रपत्रों का अवलोकन कर पाई गई अव्यवस्थाओं को तत्काल सुधारने के लिए सख्त निर्देश दिए। सदस्य मनोज तिवारी ने बच्चों के साफ-सुथरे वस्त्र, स्वच्छता, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए। सिविल जज मृणालिनी श्रीवास्तव ने परिसर, भंडार कक्ष व अध्ययन कक्ष की सफाई व्यवस्था तथा पठन-पाठन गतिविधियों को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान राजकीय बाल गृह के प्रभारी अधीक्षक मौजूद रहे।

गोला तहसील की 9 राइस मिलों में धान कुटाई ठप, सरकारी खरीद पर संकट के बादल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला तहसील क्षेत्र की नौ राइस मिलों में धान की कुटाई का कार्य इस बार शुरू ही नहीं हो सका है। कुटाई न होने से मिलों में धान की आवक रुकी है और फिलहाल खरीदा गया पूरा धान गोदामों में ही पड़ा है। मिल संचालकों का कहना है कि यदि समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो सरकारी खरीद प्रक्रिया पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। खाद्य विभाग की ओर से इस सीजन में गोला क्षेत्र के चार क्रय केंद्रों पर लगभग 4419 क्विंटल धान की खरीद की जा चुकी है। वहीं पीसीयू के दो और पीसीएफ के तीन केंद्रों पर करीब एक हजार क्विंटल धान खरीदा गया है। प्रतिदिन खरीदारी जारी है, लेकिन राइस मिलों में कुटाई शुरू न होने से खरीदा गया कोई भी धान आगे नहीं बढ़ पा रहा है। ऐसी स्थिति में आने वाले दिनों में खरीद कार्य बाधित होने की आशंका बढ़ गई है। पूर्वांचल राइस मिल एसोसिएशन के गोरखपुर मंडल अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बताया कि राइस मिलों पर कुटाई शुरू न होने का मुख्य कारण फोर्टिफाइड चावल की उपलब्धता में देरी है। सरकार के निर्देशानुसार मिलरों को कुटाई के बाद तैयार चावल में एक प्रतिशत फोर्टिफाइड चावल मिलाना अनिवार्य है। जब तक यह मिश्रण नहीं हो जाता, खाद्य विभाग चावल की सप्लाई स्वीकार नहीं करता। उन्होंने बताया कि साधारण चावल का कोटा, जो एथनॉल तथा डिस्टिलरी में उपयोग होता है, बहुत कम है, जिससे कुटाई शुरू नहीं हो पा रही है। इस संबंध में जिला खाद्य विपणन अधिकारी अरविंद दूबे ने बताया कि फोर्टिफाइड चावल के लैब परीक्षण की प्रक्रिया लंबी होने के कारण इसकी उपलब्धता में देरी हो रही है। लैब से गुणवत्ता जांच पूरी होते ही चावल की सप्लाई राइस मिलों को शुरू कर दी जाएगी। फोर्टिफाइड चावल पोषण युक्त चावल होता है, जिसमें फोलिक एसिड, आयरन और विटामिन बी-12 मिलाया जाता है। इसे चावल में पीसकर मिलाया जाता है और फिर पुनः चावल के रूप में तैयार किया जाता है। मिलरों को प्रति क्विंटल धान पर एक किलोग्राम फोर्टिफाइड चावल की मात्रा मिलानी होती है।

समस्याओं के जल्द निस्तारण की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। भारतीय किसान संघ ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर जाखलौन पम्प नहर को फुल गेज, 5 पम्प चलाकर टेल तक दैलवारा, अमरपुर, रसोई, डिबाई आदि सभी माइनरों में पानी पहुंचाने की मांग उठायी। बताया कि राजघाट की ऊपरी व निचली नहर का पानी टेल तक पानी पहुंचाया जाए। बिजली दस घंटा लगातार दी जाए, राजघाट, दैलवारा फीडर की बिजली पूरे दिन काटी जा रही है जिसे बंद किया जाए। और दिन में बिजली दी जाए, बिजली जाते ही जिओ व बीएसएनएल के नेटवर्क चले जाते हैं, जिसे ठीक कराया जाए। फसल बीमा का पिछले वर्ष का एक सौ दो करोड रुपए दिलाए जाए और 2025 खरीफ बीमा हजारों किसानों को नहीं मिला जिसे शीघ्र दिलाया जाए। ज्ञापन पर केहरसिंह बुंदेला, सोहनलाल विश्वकर्मा, कृष्णकांत कांकर, ऊदल सिंह, तिलकराम कौशिक, भरतसिंह, चंदनसिंह, दीपचंद, रघुवीर सिंह, मनोज, भूपेंद्र, गोकुल, सूखा आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

योगी सरकार की पहल: बरेली के दो प्रमुख मंदिरों के विकास के लिए 6.78 करोड़ की योजना को सैद्धांतिक मंजूरी

बरेली। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत राज्य सेक्टर योजना के अंतर्गत शहर के सीताराम मंदिर, बड़ा बाग हनुमान मंदिर का पर्यटन विकास का रास्ता साफ हो गया है। पर्यटन विभाग की कार्ययोजना को शासन ने सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है। इसी महीने वित्तीय स्वीकृति के साथ बजट आवंटित होने की संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि जल्द ही कुछ नई परियोजनाओं को भी स्वीकृति मिल सकती है। योगी सरकार धार्मिक स्थलों के पर्यटन विकास पर विशेष जोर दे रही है। शहर साथ नाथ मंदिरों को आपस में जोड़ने के लिए नाथ कारिडोर विकसित किया जा रहा है। नाथ मंदिरों का पर्यटन विकास कराने का कार्य आरंभ हो चुका है। इनके अलावा शहर के प्रमुख मंदिरों के साथ ग्रामीण अंचल के मंदिरों का पर्यटन विकास कराने के लिए 22.32 करोड़ रुपये की 13 परियोजनाएं शासन को भेजी गई हैं। बताया जा रहा है कि श्रीराम जानकी मंदिर (सीताराम मंदिर) के पर्यटन विकास के लिए 3.13 करोड़ का प्रस्ताव भेजा गया है। शासन से इस प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई है। सप्ताहभर में वित्तीय स्वीकृति के साथ बजट आवंटित होने की संभावना जताई जा रही है। इसी तरह बड़ा बाग हनुमान मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 3.65 करोड़ रुपये का एस्टीमेट भेजा गया है। इसको भी शासन से सैद्धांतिक स्वीकृति मिल चुकी है। जल्द वित्तीय स्वीकृति के साथ बजट आवंटित होने की संभावना जताई जा रही है। बता दें कि आनंद आश्रम के लिए 1.45 करोड़, अहिच्छत्र का समेकित पर्यटन विकास के लिए 2.20 करोड़, त्रिवटीनाथ मंदिर में फसाड लाइटिंग के लिए 2.54 करोड़, ग्रामीण अंचलों में सिरोही मंदिर के लिए 1.11 करोड़, लालपुर के ठाकुरजी मंदिर के लिए 1.06 करोड़, शिवमंदिर पहलऊनाथ के लिए 1.03 करोड़, नवाबगंज के मनोकामना पूर्ण श्री बालाजी मंदिर के लिए 1.10 करोड़, मीरगंज में मकरंदपुर ठाकुरान स्थित भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 74.97 लाख रुपये का प्रस्ताव भेजा गया है। उप निदेशक पर्यटन रवींद्र कुमार ने बताया कि शासन को मंदिरों के पर्यटन विकास के लिए परियोजनाएं भेजी गई हैं। कुछ परियोजनाओं की सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी है। शासन से वित्तीय स्वीकृति के साथ बजट आवंटित होने पर निर्माण कराया जाएगा।

11 करोड़ खर्च, फिर भी 'पर्यटन शून्य': बरेली का संजय कम्युनिटी सरोवर दो साल से ठप

बरेली। शहर के सिविल लाइन स्थित संजय कम्युनिटी सरोवर के निर्माण के बाद संचालन को लेकर आमंत्रित निविदा प्रक्रिया अब तक पूर्ण नहीं हो सकी है। इससे पर्यटन विकास को लेकर विकसित की गई परियोजना अधर में लटकती नजर आ रही। अधिकारियों के अनुसार अब भी मंथन कर जल्द ही बाधाओं को दूर करने की बात कही जा रही है। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत शहर में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए उद्देश्य से विकसित संजय कम्युनिटी हाल परिसर का विकास किया गया। इसमें सरोवर के विकास के साथ मल्टीलेवल कार पार्किंग, 16 कियोस्क (फूड कोर्ट) और अन्य सुदंरीकरण और विकास के लिए करीब 11 करोड़ रूपये खर्च किया गया। करीब दो वर्ष से बनकर तैयार सरोवर के संचालन के लिए दिल्ली की मकसद बिल्डिकान प्राइवेट लिमिटेड का चयन किया गया। जिसे कियोस्क, सरोवर, मल्टीलेवल कार पार्किंग आदि का संचालन की बात कही गई। लेकिन कार्यदायी संस्था की ओर से वार्षिक धनराशि करीब डेढ़ लाख रुपये ही देने पर बात आगे नहीं बढ़ सकी। कार्यदायी संस्था की ओर से प्रस्तुतिकरण देने के बाद अब स्मार्ट सिटी बोर्ड के समक्ष एक बार फिर से मंथन के बाद ही आगे की कार्रवाई की बात कही जा रही है।

अंडरट्रायल बंदी की संदिग्ध मृत्यु पर डीएम-एसपी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण, जांच शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जिला कारागार में निरुद्ध एक अंडरट्रायल बंदी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मृत्यु के मामले का संज्ञान लेते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी संकल्प शर्मा ने एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एएसपी पवन गौतम के साथ शुक्रवार प्रातः जिला कारागार पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से अवलोकन किया तथा मौके पर मौजूद कारागार कर्मियों से गहन पूछताछ की। उन्होंने कारागार परिसर की पुरुष और महिला बैरक तथा संबंधित शौचालयों की स्थिति का भी निरीक्षण किया और आवश्यकतानुसार संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। डीएम ने जेल अधीक्षक से घटना के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।घटनाक्रम की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए डीएम ने विशेष पैनल गठित कर वीडियोग्राफी सहित पोस्टमार्टम कराने का आदेश दिया है। उन्होंने एसपी को 48 घंटे के अंदर जेल का सेफ्टी-कम-सिक्योरिटी ऑडिट पूरा कर रिपोर्ट सौंपने को कहा है। प्रकरण की निष्पक्ष और विस्तृत जांच करने के लिए अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) नरेंद्र बहादुर सिंह को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। अधिकारियोंने ने घटनास्थल, बैरकों और सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन जांच की तथा मौके पर मिले तथ्यों पर जेल अधीक्षक से तत्काल स्पष्टीकरण तलब किया।डी.एम. ने निर्देश दिए कि पूरे घटनाक्रम की वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम कराया जाए और 48 घंटे के भीतर जेल का संपूर्ण सेफ्टी-सिक्योरिटी ऑडिट प्रस्तुत किया जाए।सत्यापन व तथ्यों की निष्पक्ष जांच हेतु ए.डी.एम.को जांच अधिकारी नामित किया गया है।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि लापरवाही पाई जाने पर कठोर कार्रवाई तय है।

बुलंदशहर में हर्ष फायरिंग में गोली लगने से युवक की मौत, मुकदमा दर्ज

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में एक शादी समारोह में कथित तौर पर हर्ष फायरिंग में गोली लगने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि थाना चोला क्षेत्र में बृहस्पतिवार की रात एक शादी समारोह में हर्ष फायरिंग में गोली लगने से धर्मेंद्र भाटी (36) की मौत हो गयी। ऐसा बताया जा रहा है कि वह एक राजनीतिक दल का कार्यकर्ता था। पुलिस अधीक्षक (नगर) शंकर प्रसाद ने बताया कि ककोड़ थाना क्षेत्र के अजयनगर से एक बारात चोला थाना क्षेत्र अंतर्गत खानपुर गांव में आई थी। इस दौरान सुग्रीव नाम के व्यक्ति द्वारा लाइसेंसी पिस्तौल से की गई हर्ष फायरिंग में धर्मेंद्र को गोली लग गई। उसे इलाज के लिए नोएडा ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। इस संबंध में परिजनों द्वारा प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है और आरोपी व्यक्ति की गिरफ्तारी एवं लाइसेंसी पिस्तौल की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

भदपुरा ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने एस आई आर में तेजी लाने के लिए सुंदरी मंडल की कई ग्राम पंचायत का दौरा किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ विकासखंड भदपुरा के सुंदरी मंडल की कई ग्राम पंचायत में जाकर यहां के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने मतदाता पुनरीक्षण अभियान में तेजी लाने के लिए कार्य कर रही बीएलओ एवं उनके सहयोगियों के साथ बैठकर शीघ्र कार्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया साथ ही उन्होंने पोलिंग बूथो पर जाकर के पार्टी के लगे कार्यकर्ताओं से भी संपर्क किया। और कहा सरकार द्वारा कराई जा रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम सफल बनाने में पूरा सहयोग किया जाए ताकि किसी भी तरह की कार्य कर रही टीम को असुविधा न हो इसके तहत उन्होंने आज जासपुर बड़ागांव नरहरपुर गौरी खेडा आदि ग्राम पंचायत में दौरा कर कार्य का जायजा लिया। इन स्थानों पर कार्य कर रही टीम द्वारा 80% कार्य निपटाया जा चुका है शेष 20% काम पूरा करने ऐसा आग्रह ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने टीम से किया के साथ उपस्थित सुंदरी मंडल के अध्यक्ष ठाकुर जयदीप सिंह आशीष के साथ ही जयपुर के प्रधान सनी देवदास धर्मपाल ओम प्रकाश प्रधान सत्येंद्र मोहन सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे सभी लोग मतदाता पुनरीक्षण कार्य में अपना अहम सहयोग देकर ग्रामीणों के वोट बनवाने में सहयोग कर रहे हैं इसके लिए ब्लॉक प्रमुख ने सभी का आभार व्यक्त किया और बधाई दी।

नवागत थानाध्यक्ष नीमगांव व चौकीइंचार्ज सिकंदराबाद को चोरो ने चोरी कर दी सलामी

● सिकंदराबाद पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी पर चोरो ने दिया घटना को अंजाम।

गैस ऐजेन्सी मा घुसकर खडे नौ वाहनो सा पार की बैटरिया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नीमगांव थाना क्षेत्र के कस्बा सिकंदराबाद में इंडियन गैस एजेंसी से 9 बैटरी चोरी हो गई। चोरों ने एजेंसी के ई-रिक्शा और पिकअप वाहन से बैटरियां चुराई। यह घटना मोहमद्दी मार्ग स्थित एजेंसी पर हुई। एजेंसी मालिक संजय ने बताया कि चोरों ने दीवार फांदकर परिसर में प्रवेश किया। उन्होंने अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों को भी तोड़ दिया। इसके बाद, परिसर में खड़े दो ई-रिक्शा और एक पिकअप वाहन से बैटरियां खोल लीं।चोर बैटरियों को दीवार के सहारे बाहर निकालकर फरार हो गए। हालांकि, वे एक बैटरी को एजेंसी से कुछ दूरी पर एक तालाब के पास छोड़कर भाग गए, जबकि नौ बैटरियां चुराने में सफल रहे।नीमगांव पुलिस अज्ञात चोरों की तलाश के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरा खंखलना शुरू कर दिया है, वहीं बी टी एस उठा कर चोरी की घटना का खुलासा करने के लिए जांच तेजकर दी है

घटना की सूचना मिलने पर सिकंदराबाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की। नीमगांव थाना अध्यक्ष प्रवीर गौतम ने बताया कि पीड़ित की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बेहजम विकासखंड में सी.डी.ओ. ने किया निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं की भी ली जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नीमगांव खीरी। बेहजम विकासखंड में शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी ने विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। दौरे के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्यों, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और लाभार्थियों से मिलने वाली सुविधाओं की स्थितियों का जायज़ा लिया। सीडीओ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य गुणवत्ता के अनुरूप समय से पूरे कराए जाएं और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इसी क्रम में सीडीओ ने बेहजम स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता,

डॉक्टरों की उपस्थिति और साफ-सफाई की स्थिति की जांच की।निरीक्षण के दौरान कुछ कमियाँ मिलने पर संबंधित कर्मचारियों को सुधार के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार सरकार की प्राथमिकता है और मरीजों को बेहतर इलाज मिलना चाहिए!

आधार अब जन्मतिथि का प्रमाण नहीं, उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी विभागों को दिए सख्त निर्देश

उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को सभी विभागों को जन्म या जन्मतिथि के प्रमाण के रूप में आधार कार्ड स्वीकार करना बंद करने का निर्देश दिया। सरकार का कहना है कि यह जन्म प्रमाण पत्र के रूप में काम नहीं करता। योजना विभाग के विशेष सचिव अमित सिंह बंसल ने यह आदेश जारी करते हुए ज़ोर दिया कि आधार कार्ड जन्म प्रमाण पत्र नहीं हैं और इन्हें इस रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। यह बदलाव राज्य में लोगों द्वारा अपनी उम्र या जन्मतिथि साबित करने के तरीके को प्रभावित करता है। इस कदम का उद्देश्य दस्तावेज़ के उद्देश्य को स्पष्ट करना और भ्रम से बचना है।

'कारवाँ बनता गया': एक अकेले छात्र की प्रेरणा से शुरू हुआ बरेली को स्वच्छ बनाने का मिशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। मैं अकेला ही चला था जानिब-ए-मंजिल, मगर लोग साथ आते गए और कारवां बनता गया... मजरूह सुल्तानपुरी की यह पंक्ति स्वच्छता का संदेश देने वाले युवाओं पर एकदम फिट बैठती है। इंटरनेट मीडिया के दौर में जहां यूजर्स के लिए तमाम तरह का कंटेंट परोसा जा रहा है, जिसमें मनोरंजन से लेकर अश्लीलता तक सब शामिल है। इससे इतर शहर के कुछ युवा अपने शहर के लिए सिर्फ दो घंटे निकालने का संदेश दे रहे हैं, साथ ही वे प्रत्येक रविवार शहर की सड़कों और धर्म स्थलों के आसपास से कचरा भी एकत्रित करते है। जन सरोकार की पहल से प्रभावित होकर लोग इस कारवां में जुड़ने लगे हैं। इन युवाओं का मानना है कि जब दूसरे शहर साफ हो सकते हैं तो अपना शहर क्यों नहीं। शहर में क्लीनअप बरेली अभियान की शुरुआत करने वाले इज्जतनगर के आलोक नगर निवासी 23 साल के भावेश सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय से बिजनेस इकोनामिक्स में स्नातक किया है। उन्होंने बताया, वह दोस्तों संग इस वर्ष की शुरुआत में जूनागढ़ घूमने गए थे। वहां की स्वच्छता ने काफी प्रभावित किया। इस दौरान देखा कि कई युवा हाथों में दस्ताने और मुंह पर मास्क लगाकर धर्मस्थल और पर्यटन स्थलों की सफाई गर्व के साथ कर रहे थे। मानो उन्हें इस काम में आनंद आ रहा हो। वहां से प्रेरणा मिली कि अगर ये कर सकते हैं तो हम भी अपने बरेली को स्वच्छ रख सकते हैं। इसके बाद वापस गुरुग्राम गया, जहां नौकरी के दौरान देखा कि शहर में कूड़े के पहाड़ बन रहे हैं। यह सब काफी विचलित करने वाला रहा।

पहले हुआ विरोध, अब जुड़ने लगे लोग

भावेश ने बताया, वर्क फ्राम होम के दौरान मार्च में शहर में अकेले सफाई करना शुरू

किया। रविवार को दो घंटे स्वच्छता को दिए। इंटरनेट मीडिया के माध्यम से नवादा शेखान निवासी हमउम्र शिवम शर्मा से बात हुई। इसके बाद क्लीनअप बरेली नाम से पेज बनाया, जिस पर साफ-सफाई के वीडियो डालने शुरू किए। शुरुआत में लोगों ने कहा, यह नगर निगम का काम है। तुम क्यों कर रहे हो? रिश्तेदारों ने भी ऐसे काम के लिए मनाही की, लेकिन धीरे-धीरे लोग जुड़ने लगे। अब 20 से 25 युवाओं की टीम बन चुकी है, जो रविवार को दो घंटे अपने शहर के लिए निकालती है। इसके लिए गंदे स्थानों के बारे में इंस्टाग्राम पर लोगों से सुझाव भी लिया जाता है।

सुभाष नगर मोहल्ले मे बडी तेजी के साथ किये जा रहे फार्मो का शुद्धिकरण

गोला गोकर्णनाथ खीरी। मोहम्मदी तहसील क्षेत्र कस्बा बरबर के मोहल्ला सुभाष नगर के बूथ संख्या 326 पर सर अभियान के तहत मतदाता शुद्धिकरण का कार्य बीएलओ सरला देवी के द्वारा किया जा रहा है। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष अनुज सिंह चौहान, शक्ति संयोजक सुनील अग्निहोत्री, पूर्व मंडल संयोजक राकेश गुप्ता,सुमित शर्मा,राम लखन अग्निहोत्री,शन्नी अग्निहोत्री,पंकज शर्मा, सहित तमाम भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।इस अवसर पर बीएलओ ने बताया बूथ संख्या 326 कु मतदाता 977 है जिसमे कुल 777 फार्मो का शुद्धिकरण किया जा चुका है बाकी अतिशीघ्र फार्मो का शुद्धिकरण कर अतिशीघ्र ही जमा किये जायेगे।

विकासखंड भदपुरा के बीआरसी केंद्र पर खेलकूद प्रतियोगिता की गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार के निर्देशन में सरकार द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय लिखित प्रतियोगिता एवं क्विज का आयोजन किया गया प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ 30 स्थान प्राप्त करने वालों छात्रों के बीच क्विज कराई गई । और दोनों के संयुक्त परिणाम के आधार पर ब्लॉक से पांच छात्रों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय कटैया बलदेव से सुहानी और लक्ष्मी उच्च विद्यालय परसरामपुर से अलसिफ और कामिनी तथा उच्च विद्यालय नवादा इमामाबाद से गुलनाज का चयन हुआ है। विज्ञान विषय के आरपी मधुरेश दीक्षित ने बताया कि इन छात्रों को ?3000 की धनराशि इन्हें प्रोत्साहित करने तथा मॉडल और प्रोजेक्ट तैयार करने हेतु दी जाएगी जिसका प्रदर्शन जिला स्तर पर करना होगा उक्त कार्यक्रम में एआरपी विवेक सक्सेना, बाबू गंगवार, श्रीमती अमिता कुमारी, अनिल कुमार, सूरज गंगवार सुधांशु गंगवार, शशांक,सचिन, वेद बाबू ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

स्थायी डाक्टर की तैनाती न होने से पशुओं की चिकित्सा सेवाएं पटरी से उतरीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही खीरी – कस्बे के राजकीय पशु चिकित्सालय में स्थायी डाक्टर की तैनाती न होने से पशुओं की चिकित्सा सेवाएं पटरी से उतर गई हैं।क्षेत्र के पशुपालक महंगे दामों में झोलाछाप डाक्टरों से इलाज कराने को मजबूर है।पशु पालन को बढ़ावा देने के लिए तरह तरह की योजनाएं संचालित की जा रही हैं।इसमें टीकाकरण, गर्भाधान व बीमार पशुओं का मुफ्त इलाज के लिए चिकित्सकीय सुविधाओं पर लाखों रुपया खर्च किया जा रहा है। शाशन की इन सुविधाओं का लाभ जिले के निघासन क्षेत्र के तीन पशु अस्पताल से जुड़े पशु पालकों को नहीं मिल पा रहा है। सिंगाही, तिकुनिया और बेलपरसुआ अस्पताल पशु चिकित्सक विहीन है। यहां पर नीमगांव अस्पताल के पशुचिकित्सक डॉ. सौरभ कुमार को अतिरिक्त निघासन क्षेत्र का चार्ज मिला हुआ है, जिन्हें प्रतिदिन आना सम्भव नही है। निघासन पशु अस्पताल फार्मासिस्ट सियाराम राणा, तिकुनिया पशु चिकित्सालय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी गुलाबसिंह और बेलापरसुआ चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कर्मचारी ठगीराम सहारे चल रहे है के भरोसे चल रहे हैं। कस्बे का पशु अस्पताल दिखावा मात्र रह गया। यहां लाखों रुपये की लागत से बनी बिल्डिंग बर्बाद हो रही है। अस्पताल में अक्सर ताला ही लटकता रहता है। अस्पताल अराजक तत्वों का अड्डा बन गया है। 30 नवम्बर 2024 को सिंगाही पशुचिकित्साधिकारी डॉ. अवधेश कुमार पटेल का गैर जनपद तबादला होने के बाद से निघासन क्षेत्र केअंतर्गत तीन पशु अस्पताल एक पशु चिकित्सक के सहारे चल रहे हैं। डॉक्टर ए. के.पटेल के गैर जनपद स्थानांतरण के बाद कुछ महीने अस्पताल चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सुरेश चंद्र सक्सेना के सहारे चलता रहा,अस्पताल का ताला खुलता रहा लेकिन 31 जनवरी 2025 को सेवानिवृत्ति होने के बाद से अस्पताल में ताला ही लगा रहता केवल कहने मात्र को ही रह गया कि किसी पशु डॉक्टर के अंतर्गत सिंगाही पशु चिकित्सालय है। एक पशुचिकित्सक तीन अस्पताल ऐसे में चिकित्सक भी परेशान और पशुपालक भी परेशान। चिकित्सक की कमी के कारण पशुपालकों को पशुओं की बीमारी के लिए झोलाछाप डाक्टरों का सहारा लेना पड़ता जो पशुपालकों से अच्छी खांसी रकन वसूलते और अनुभव की कमी के कारण गलत इलाज होने पर कहीं कहीं पशुपालकों को पशुओं से हांथ धोना भी पड़ जाता।

सिंगाही पशुचिकित्सक की करीब 12 महीने से ज्यादा समय ट्रांफ़सर होने को हुआ जा रहा है लेकिन अभी तक किसी भी पशुचिकित्सक की तैनाती सिंगाही में नही हो पाई है। इस सम्बंध में प्रभारी सीवीओ सोमदेव चौहान का कहना है कि शासन को पत्र भेज कर निवेदन किया गया है, जल्द से जल्द समस्या का निस्तारण हो जाएगा।

हरे भरे आम के पेडो पर चला आरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला खीरी। महेशपुर वन रेंज में आम के पेड़ों का अवैध कटान; विभागीय चुप्पी पर सवाल हैदराबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत महेशपुर वन रेंज के हिम्मतपुर इलाके में हरे-धनभरे पेड़ों पर बेरहमी से कुल्हाड़ी चल रही है। पड़रिया भट्टे से करीब 200 मीटर दूर एक झाले पर कई स्वस्थ व फलदार आम के पेड़ अवैध रूप से काट दिए गए हैं। ग्रामीणों के अनुसार यह कटान लगातार जारी है।

रात के अंधेरे में होता है कटान

ग्रामीणों का कहना है कि पेड़ों को मुख्य रूप से रात में या सुबह के धुंधलके में काटा जाता है ताकि पहचान और कार्रवाई से बचा जा सके। लोगों ने आशंका जताई है कि इतने बड़े पैमाने पर हो रहा कटान लोकल स्तर पर मिलीभगत के बिना संभव नहीं है, क्योंकि अवैध लकड़ी काटने वालों में किसी भी दंडात्मक कार्रवाई का भय नजर नहीं आता।

पर्यावरण और वन्यजीवों पर खतरा

अवैध कटान से क्षेत्र का पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। आम के पेड़ नमी बनाए रखने, छाया प्रदान करने और जैव विविधता को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। पेड़ों के कटने से वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

शिकायतों पर विभाग की चुप्पी

ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के

बावजूद अधिकारी न तो मौके पर पहुंचे और न ही फोन उठाना उचित समझा। विभागीय उदासीनता के कारण लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

कार्रवाई का अभाव

स्थानीय लोगों का कहना है कि शिकायतों के बाद भी न कोई छानबीन हुई और न ही अवैध कटान रोकने की दिशा में कोई ठोस कदम उठाया गया। उनका सवाल है कि जब अधिकारी ही कार्रवाई के लिए तत्पर नहीं हैं, तो अवैध गतिविधियाँ कैसे रुकेंगी?

प्रशासन पर उठ रहे सवाल

महेशपुर रेंज में लगातार हो रहे अवैध कटान ने विभागीय निगरानी व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। स्थानीय लोगों की मांग है कि उच्चाधिकारी तुरंत संज्ञान लें, जांच कराएँ और दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें। निरंतर हो रहा अवैध कटान न केवल पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है, बल्कि सरकारी व्यवस्था की कमजोरियों को भी उजागर करता है। अब देखना यह है कि प्रशासन कब जागता है और क्या हरे-भरे पेड़ों को बचाने के लिए कोई ठोस कदम उठाए जाता है।

श्रीलंका में 46 लोगों की मौत पर PM मोदी ने व्यक्त की संवेदना, भारत भेजेगा राहत सामग्री

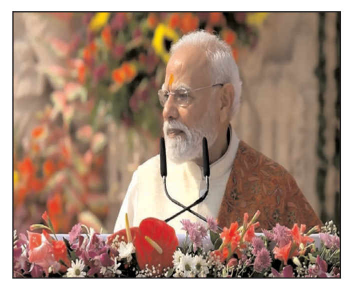

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चक्रवात दित्वा में मारे गए लोगों के प्रति श्रीलंका के प्रति संवेदना व्यक्त की और प्रभावित परिवारों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तत्काल राहत भेजी है और आगे भी सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। भारतीय मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि चक्रवाती तूफान दित्वा इस समय श्रीलंका के तटीय क्षेत्र और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर से गुजर रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, यह उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है और 30 नवंबर की सुबह तक तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों के करीब पहुँचने की उम्मीद है।

एस.आई.आर.अभियान के तहत मतदाता पुनरीक्षण मे लगे कर्मचारियो का गोला एसडीएम ने किया निरीक्षण

● आगामी चार दिसंबर तक सभी आवेदनो को जमा कराया जायेगा, प्रतीक्षा त्रिपाठी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी। भारत सरकार के निर्देशानुसार पूरे भारत वर्ष मे विगत चार नवम्बर से चार दिसम्बर तक सर अभियान के तहत मतदाता पुनरीक्षण व शुद्धिकरण का कार्य बहुत ही तेजी के साथ कराया जा रहा है। जिसके चलते गोला उप जिला अधिकारी प्रतीक्षा त्रिपाठी व तहसीलदार भीमचंद्र ने ऐक दर्जन से अधिक स्कूलो व गावो के अन्दर मतदाता शुद्धिकरण के हो रहे कार्य को देखा, वही इस दौरान उप जिला अधिकारी प्रतीक्षा त्रिपाठी ने ग्रामीणो से अपील की कि वह सभी लोग सर अभियान के तहत हो रहे बूधो पर जाकर बीएलओ का सहयोग कर आगामी चार दिसंबर तक फार्मो को भर कर अपने अपने बीएलओ के पास जमा करे। इस दौरान गोला उप जिला अधिकारी प्रतीक त्रिपाठी ने बताया कि गोला तहसील क्षेत्र के अंतर्गत कुल मतदाता की संख्या ,चार लाख पैतिस हजार बाइस कुल है जबकि सर के तहत फार्म दो लाख अठारह हजार जामा किये जा रहे है जो कि पचपन प्रतिशत है। बाकी शेष लोगो के फार्म अतिशीघ्र ही जमा कराये जायेगे। इस दौरान सिकंदराबाद, बिलहरी,रायपुर, जडौरा ,कपरहा,घरधनियां, अजान, ममरी, हैदराबाद, कोटबारा सहित ऐक दर्जन से अधिक बूधो को चेक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये है।

संक्षिप्त खबरें

सांड के हमले में घायल व्यक्ति की मौत

पशु विभाग की लापरवाही से ग्रामीण आक्रोशित

गोपीगंज। थाना गोपीगंज क्षेत्र के महुआरी ग्रामसभा में शुक्रवार की सुबह सांड के हमले से घायल हुए भानुप्रताप गौतम (47 वर्ष) की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, भानुप्रताप गौतम सुबह अपने घर के बगल स्थित खेत में स्नान करने जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से एक घातक सांड ने उन पर हमला कर दिया। हमले में उनके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। परिजन उन्हें आनन-फानन में आनंद नर्सिंग होम, गोपीगंज लेकर पहुँचे, जहाँ हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें वाराणसी हेरिटेज हॉस्पिटल रेफर कर दिया। लेकिन रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई। मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। पत्नी मीरा देवी पति की मौत सुनते ही बेहोश होकर गिर पड़ीं। मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़े थे और घर के पास बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान चलाते थे। उनके तीन पुत्र और एक पुत्री है। शाम को स्थानीय घाट पर अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण और रिश्तेदार मौजूद रहे। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि यही सांड क्षेत्र में कई लोगों को घायल कर चुका है। इसकी जानकारी कई बार पशु विभाग को दी गई, लेकिन न तो इसे पकड़ा गया, न ही गौशाला भेजा गया। विभाग की लापरवाही के कारण ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

लंबे समय से बिना पंजीकरण के चल रहा ट्रामा सेंटर, महकमा मौन

ज्ञानपुर। सुरियावां बाइपास पर स्थित बहुचर्चित ट्रामा सेंटर लंबे समय से बिना किसी सरकारी पंजीकरण और बिना स्थायी डॉक्टर के वर्षों से धड़ल्ले से चलता आ रहा हैं। सुरियावां निवासी रविन्द्र ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर कार्यवाही की मांग की है। सीएम को पत्रक देकर शिकायत कर्ता ने अवगत कराया कि ट्रामा जैसी आपातकालीन सेवा में 24 घंटे विशेषज्ञ डॉक्टर्स की मौजूदगी जरूरी होती है, वहां इस केंद्र में एक भी जिम्मेदार डॉक्टर तैनात नहीं हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हफ्ते में केवल दो तीन दिन एक बाहरी डॉक्टर आता है, वह भी महज डेढ़ से दो घंटे के लिए। डॉक्टर के जाने के बाद पूरा ट्रामा सेंटर उन अप्रशिक्षित और अनुभवहीन युवाओं के हाथों में छोड़ दिया जाता है जिन्हें न आपातकालीन स्थिति संभालनी आती है और न ही उचित चिकित्सा का ज्ञान है। आरोप है कि बिना लाइसेंस और बिना मेडिकल स्टाफ के यह अवैध संचालन किया जा रहा है।इस सम्बंध में सीएमओ सन्तोष कुमार चक से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामलें को दिखवाता हूँ,अवैध ट्रामा सेंटर का संचालन नही होने दिया जाएगा।

सड़क पर खड़े महुआ के पेड़ से बढ़ रहा दुर्घटनाओं का खतरा

ग्रामीणों ने वन विभाग व प्रशासन से की पेड़ हटाने की मांग

भदोही। ऊंज थाना क्षेत्र के वहीदा मोड़ से सुरियावा मार्ग को जोड़ने वाली सड़क पर बनकट ग्राम सभा के पिछरिया गांव के पास स्थित महुआ का बड़ा पेड़ लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पेड़ सड़क के बीचों-बीच खड़ा होने के कारण वाहन चालकों को मोड़ पर अचानक कठिनाई का सामना करना पड़ता है, जिससे अक्सर हादसे होते रहते हैं। हाल ही में इसी पेड़ से बाइक टकराने पर एक युवक की मौत हो गई थी, जबकि अब तक दर्जनों लोग घायल हो चुके हैं। आने वाले ठंड के मौसम में कोहरा बढ़ने के साथ दुर्घटनाओं की आशंका और भी बढ़ जाएगी, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है। शुक्रवार को क्षेत्र के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी व वन विभाग का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकृष्ट करते हुए पेड़ को तत्काल कटवाने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते पेड़ नहीं हटाया गया तो सड़क पर आवागमन और भी खतरनाक हो जाएगा। मांग उठाने वालों में ग्राम प्रधान महेंद्र सिंह राजन, ग्राम प्रधान हरिप्रकाश सिंह, ग्राम प्रधान ऋषि प्रकाश सिंह, राहुल मिश्रा, सुनील तिवारी, शिव प्रताप बिंद, विनोद सिंह, नागेंद्र कुमार यादव, हरिशंकर तिवारी, रमेश कुमार, मुनीर अहमद, बालेश्वर शर्मा सहित कई ग्रामीण शामिल रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कारवाई नहीं की गई तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

जनपद के सभी विकास खण्डों के 75 ग्राम पंचायतों में आयोजित हुआ "ग्राम चौपाल' गॉव की समस्याए, गॉव में समाधान'

- "ग्राम चौपाल" आयोजित कर जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने फरियादियों की शिकायतों का किया निस्तारण
- ग्राम चौपाल में आये शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हो सुनिश्चित-डीएम शैलेष कुमार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही :- शासन के मंशानुरूप एवं जिलाधिकारी शैलेष कुमार के मार्गदर्शन व नेतृत्व में प्रत्येक शुक्रवार को सभी विकासखंड के कुल 75 ग्राम पंचायतों में ''ग्राम चौपाल'' (गॉव की समस्याए, गॉव में समाधान) का आयोजन किया गया। जिसमें जनसामान्य की शिकायतों व समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया। विकास खण्ड भदोही के कुल 15 ग्राम पंचायत में- सुल्तानपुर में खण्ड शिक्षा अधिकारी, डोमनपुर में खण्ड विकास अधिकारी, नेवादा कला में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, मईहरदोपट्टी मे जिला क्रिडा अधिकारी, रघुनाथपुर में जिला विद्यालय निरीक्षक, घसकरी में जिला पंचायत राज अधिकारी, विकास खण्ड ज्ञानपुर में कुल 15 ग्राम पंचायत में- गणेशरायपुर में खण्ड विकास अधिकारी, रायपुर में खण्ड शिक्षा अधिकारी, सारीपुर में बाल विकास परियोजना अधिकारी, मिल्की में विकास मौर्य सहायक अभियंता नलकूप, सिंहपुर में जिला कृषि अधिकारी, जखॉव में सहायक विकास अधिकारी, विकास खण्ड डीघ में कुल 12 ग्राम पंचायत में- गोलखरा में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, बिहरोजपुर उपरवार में जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी, तुलसी पट्टी में परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, कंचनपुर में प्राचार्य पॉलिटेक्निक, नारेपार में सहायक अभियन्ता जल निगम, विकास खण्ड सुरियावां कुल 07 ग्राम पंचायत में-हरिहरपुर में खण्ड विकास अधिकारी, छतरीपुर में बाल विकास परियोजना अधिकारी, खरगपुर में जिला सेवायोजन अधिकारी, चकचंदा में जिला लेखा परीक्षा अधिकारी, जगदीशपुर में पशु चिकित्सा अधिकारी, बलभद्रपुर में उप निदेशक कृषि, विकास खण्ड अभोली में कुल 07 ग्राम पंचायत में- शरपुर गोपलहां में खण्ड शिक्षा अधिकारी, असईपुर में खण्ड विकास अधिकारी, भिखमापुर में बाल विकास परियोजना अधिकारी, हरिपट्टी में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, भंडा में जिला विकास अधिकारी, सागरपुर में पशु चिकित्साधिकारी, रामचन्द्रपुर में सहायक विकास अधिकारी, सदोपुर में उपायुक्त स्वतः रोजगार, विकास खण्ड औराई में कुल 19 ग्राम पंचायत में- सिउर में जिला पर्यटन अधिकारी, सरौली में जिला युवा कल्याण अधिकारी, रामपुर में मुख्य खाद्यय सुरक्षा अधिकारी, मुलापुर में मुख्य चिकित्साधिकारी, रामापुर में अधिशासी अभियंता विद्युत, बनौली में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण के कुशल मार्गदर्शन में तथा समस्त सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारियों के द्वारा ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों की शिकायतों को सुनकर निस्तारण किया गया।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने बताया कि शासन के मंशानुरूप ग्राम चौपाल गॉव की समस्याए गॉव में समाधान कार्यक्रम का आयोजन समस्त विकास खण्डो के ग्राम पंचायतों में सफलतापूर्वक किया गया। ग्राम चौपाल की शुरूआत जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायत में कराये गये कार्यो के निरीक्षण से हुई जिसमें अमृत सरोवर का अवलोकन करते हुए मनरेगा योजना, वरासत, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र एवं जमीनी संबंधी शिकायत, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर नकल, आवास, फार्मर रजिस्ट्री कैम्प, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं व ग्रामीणों से संवाद करके सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गयी तथा पंचायत विभाग द्वारा वित्त आयोग की धनराशि से कराये जाने वाले कार्य, ग्राम पंचायत में लगायी गयी लाईटो, सामुदायिक शौचालयों, पंचायत भवन, जल निकासी नाली, सड़क सम्पर्क मार्ग, गौआश्रम स्थल, एम0डी0एम0, संचारी रोग, टीकाकरण, वृद्धा एवं विधवा, विकलांग पेंशन आदि विकास योजनाओं का सत्यापन किया गया। बेसिक विद्यालयों एवं डीबीटी की स्थिति,आयुष्मान आरोग्य मंदिर/ स्वास्थ्य उपकेन्द्र, आंगनबाड़ी भवन आदि का अवलोकन किया गया।

जनचौपाल में आयुष्मान कार्ड, किसान सम्मान निधि एवं फार्मर रजिस्ट्री, पोषाहार, सिंचाई से सम्बन्धित शिकायत, कृषि एवं कृषि रक्षा से जुड़े प्राकृतिक एवं आरगैनिक खेती, हर घर नल से जल तथा सुशासन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। प्रत्येक विकास खण्ड के लिए नामित अधिकारी एवं खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनचौपाल में आज आये शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कर अवगत कराया जाए।

बिछड़ा बच्चा डेढ़ घंटे में मिला, पुलिस ने मां को सकुशल सौंपा

भदोही। थाना भदोही के अंतर्गत चौकी रजपुरा पुलिस ने सराहनीय मानवता दिखाते हुए निमंत्रण में मां से बिछड़े 4 वर्षीय बच्चे को मात्र डेढ़ घंटे में ढूंढकर सकुशल उसकी मां को सौंप दिया। ग्राम प्रजापतिपुर में सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक अजय कुमार ओझा एवं हे.का. धरमदेव राम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर बच्चे को चौकी लाया और सोशल मीडिया व स्थानीय लोगों की मदद से परिजनों की तलाश कराई। जल्द ही बच्चे की मां का पता लग गया। बच्चा पाकर परिजनों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई और संवेदनशीलता की प्रशंसा की। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने भी पुलिस टीम के कार्य की सराहना की।

जिला कारागार ज्ञानपुर का संयुक्त निरीक्षण

- बंदियों को मिली विधिक जानकारी और वितरित हुए कम्बल,चश्मे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिला न्यायाधीश अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही अखिलेश दूबे, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आनन्द मिश्रा तथा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तरूणिमा पाण्डेय ने शुक्रवार को जिला कारागार ज्ञानपुर का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कारागार परिसर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जहां बंदियों से उनकी समस्याओं, सुविधाओं और आवश्यकताओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली गई। अधिकारियों ने उन्हें निःशुल्क सरकारी अधिवक्ता उपलब्ध होने और कानूनी सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया से अवगत कराया।

जिला न्यायाधीश ने बंदियों को कम्बल और चश्मों का वितरण किया। साथ ही लीगल एड डिफेन्स काउंसिल द्वारा प्रिजन लीगल एड क्लीनिक में बंदियों को विधिक अधिकारों और कानूनी प्रक्रिया से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने महिला बंदियों से भी बातचीत की, उनकी समस्याओं को सुना और आवश्यक विधिक सलाह दी। इस दौरान जेल अधीक्षक अभिषेक सिंह, जेलर सुबेदार यादव, उप कारापाल संजय गुप्ता एवं उप कारापाल शुभावती देवी उपस्थित रहे।

लालानगर टोल प्लाजा के पास दूसरे दिन भी हटाया गया अतिक्रमण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के लालानगर स्थिति टोल प्लाजा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग के बगल दुकानदारों द्वारा किए गए अस्थाई अतिक्रमण को हटा दिया गया द्य गोपीगंज पुलिस टीम के सहयोग से प्राधिकरण के अधिकारियों ने राजमार्ग के दोनों तरफ किए गए अतिक्रमण को जेसीबी लगाकर गिरा दिया जहा गुरुवार को दक्षिणी लेन पर दर्जनों दुकानों को बुलडोजर से हटाया गया जबकि शुक्रवार को फिर उत्तरी लेन पर से लगभग 2 दर्जन दुकानों सहित बाउंड्री वाल चबूतरे आदि तोड़े गए कार्यवाही से हड़कंप मचा रहा।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े वाहनो से आए दिन होने वाली घटना को देखते हुए जिला प्रशासन के निर्देश पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने कार्रवाई शुरू कर दी है द्य पहले चरण मे टोल प्लाजा के पास से अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरु किया गया द्य एक सप्ताह से मुनादी कराकर अतिक्रमण कारियो को चेतावनी दी गई थी कि वह स्वयं अपना अतिक्रमा हटा लें नहीं हटने पर कार्यवाही की जाएगी अतिक्रमण हटाने की हिदायत की अनदेखी कर दुकानदार कारोबार करते रहे। गुरुवार को जब पुलिस टीम के साथ अधिकारी जेसीबी लेकर पहुचे तो अफरा तफरी मच गई शुक्रवार को फिर कार्यवाही हुई दुकानदार जहा स्वयं अतिक्रमण हटाने मे जुट रहे। द्य नागरिकों का आरोप नहीं दी गई नोटिस। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि एन एच आई ने किसी को भी नोटिस नहीं दी गई और अचानक हुए इस कार्रवाई से लोगों का लाखों रुपए का आर्थिक नुकसान हो गया।

विधान परिषद निर्वाचन नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 6 जनवरी को

- उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जारी किया संशोधित कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खण्ड स्नातक और खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों को नए सिरे से तैयार करने की प्रक्रिया अब संशोधित कार्यक्रम के तहत पूरी की जाएगी। यह जानकारी अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य ने दी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के प्रावधानों के अनुसार चरणबद्ध कार्यक्रम में संशोधन किया गया है। उनके अनुसार सार्वजनिक नोटिस जारी करने की अंतिम तिथि 30 सितम्बर 2025, समाचार पत्रों में नोटिस का प्रथम पुनर्प्रकाशन 15 अक्टूबर 2025 तथा द्वितीय पुनर्प्रकाशन 25 अक्टूबर 2025 तक किया जाना निर्धारित है। फार्म-18 और 19 में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 6 नवम्बर 2025 तय की गई है।

पांडुलिपियों की तैयारी और आलेख्य निर्वाचक नामावलियों का मुद्रण 27 नवम्बर 2025 तक पूर्ण किया जाएगा, जबकि आलेख्य नामावलियों का प्रकाशन 2 दिसम्बर 2025 को किया जाएगा। दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि 2 से 16 दिसम्बर 2025 तक निर्धारित है। इसके बाद दावों के निस्तारण और अनुपूरक सूची के मुद्रण का कार्य 30 दिसम्बर 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि संशोधित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 6 जनवरी 2026 को किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूर्ण किए जाएं, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए।

बाइक गिराकर तोड़ी, फिर धमकाया

ललितपुर। मड़ावरा थानान्तर्गत ग्राम दलपतपुर निवासी राव राजा पुत्र उ मेद सिंह लोधी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती 4 नव बर को शाम करीब 4 बजे वह मड़ावरा से दवा लेकर अपने घर जा रहा था। तभी रास्ते में ब हौरीकलां के पास वहीं के रतन लोधी पुत्र धीरज सिंह ने उसकी मोटरसाइकिल में लात मार दी, जिससे बाइक गिरी और टूट गयी। विरोध करने पर गालियां देते हुये जान से मारने की धमकी दी गयी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रतन लोधी के खिलाफ बीएनएस की धारा 352, 351 (2), 351 (3), 324 (4) व 324 (5) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

एएसपी ने थाना ऊंज व कोइरौना के रजिस्टरों का निरीक्षण

- अपराध सम्बंधित शिकायतों पर पीड़ितों से लिया फीडबैक
- उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को किया गया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही।अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने पुलिस ऑफिस सरपतहां में थाना ऊंज एवं थाना कोइरौना के विभिन्न रजिस्टरोंअपराध रजिस्टर, महिला हेल्प डेस्क रजिस्टर एवं जनसुनवाई,समाधान रजिस्टर का विस्तृत अवलोकन किया। एएसपी ने रजिस्टरों में दर्ज शिकायतों की प्रगति और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को परखा तथा संबंधित पीड़ितों से प्रत्यक्ष फीडबैक लेकर कार्रवाई की स्थिति जानी। इस दौरान उन्होंने रजिस्टरों के सुव्यवस्थित रखरखाव पर संतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। अपर पुलिस अधीक्षक ने अपराध से संबंधित शिकायतों पर तत्परता से कार्यवाही और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों व कर्मियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के उपरांत रजिस्टरों के उत्कृष्ट संचालन एवं सराहनीय कार्य के लिए चयनित पुलिसकर्मियों को एएसपी द्वारा उत्साहवर्धन किया गया।

बाइक के धक्के से साइकिल सवार वृद्ध घायल

गोपीगंज। कोतवाली के जगीगंज बाजार में शुक्रवार को दिन में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाइक के धक्के से साइकिल सवार जयप्रकाश 75 वर्ष घायल हो गए। कोईरौना थाना क्षेत्र के नेवाजी पुर गांव निवासी जयप्रकाश साइकिल से जगीगंज आए थे वापस लौटते समय बाइक के धक्के से घायल हो गए, आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंचे सरकारी एंबुलेंस के ईएमटी भीम ने घायल को गोपीगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करा दिया जहां उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

एस आई आर का कार्य राष्ट्रीय अभियान, 30 नवंबर तक करें पूर्ण- यशवंत सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुरियावां। एस आई आर का कार्य राष्ट्रीय अभियान है,पूरे मनोयोग से इसे हमे 30 नवंबर तक ही पूर्ण कर देना है।यह आह्वान खंड शिक्षा अधिकारी सुरियावां श्रीमान यशवंत सिंह ने फील्ड कार्य से लौटने के पश्चात बी एल ओ सहयोगियों और प्रधानाध्यापकों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए किया। ध्यातव्य है कि वर्तमान में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण का कार्य गतिमान है,जिसमें सुरियावां विकास खंड के 132 बूथों पर बी एल ओ के साथ दो दो सहयोगियों को भी बेसिक शिक्षा विभाग से लगाया गया है।खंड शिक्षा अधिकारी ने एक एक बूथों की समीक्षा की और कम प्रतिशत वाले बूथों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने की बात कही।

बी आर सी पर प्रतिदिन टीम शाम तक की अद्यतन रिपोर्ट की समीक्षा करती है,और खंड विकास अधिकारी के साथ साझा किए गए डाटा पर कार्य करती है।शिक्षक संगठन भी इस अभियान में अपना पूर्ण योगदान देते हुए अपने साथियों को उत्साहित कर के कार्य पूर्ण करने में लगे हुए हैं।राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सुरियावां के ब्लॉक अध्यक्ष और महामंत्री के नेतृत्व में पूरी टीम भी पूरा सहयोग कर रही है। आज की बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी सुरियावां के साथ, बी एल ओ सहयोगी समस्त, प्रधानाध्यापकों के साथ साथ, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सुरियावां के ब्लॉक अध्यक्ष राजीव रतन यादव, विजय सिंह, वेद प्रकाश रघुवंशी, राकेश पाण्डेय राजेश गौतम, दिनेश यादव, सुभाष पॉल, राकेश दुबे, संतोष शुक्ला, भोलानाथ, लाल चंद्र यादव ए आर पी मनोज प्रभाकर, आदि उपस्थित रहे।बैठक का संचालन महासंघ के महामंत्री देवेंद्र कुमार मिश्र ने किया।

एसआईआर की अंतिम तिथि बढ़ाए, जल्दबाज़ी में छूट जाएंगे कई मतदाताः ससजपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपीगंज। सर्व समाज जनहित पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विभूति नारायण सिंह ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की अंतिम तिथि 4 दिसंबर बढ़ाने की मांग करते हुए केंद्रीय चुनाव आयोग को पत्र भेजने की बात कही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में एसआईआर प्रक्रिया जल्दबाज़ी में और अधूरी तैयारी के साथ कराई जा रही है, जिससे बड़ी संख्या में पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में दर्ज होने से छूट सकते हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस समय धान कटाई और गेहूं बोआई का अत्यंत व्यस्त मौसम चल रहा है। वहीं एसआईआर के संबंध में पूर्व जानकारी का अभाव, कई बीएलओ को उचित प्रशिक्षण न मिल पाना और आम मतदाताओं में जागरूकता की कमी के कारण निर्धारित तिथि तक सही और पूर्ण सूची तैयार करना मुश्किल है। इसलिए 4 दिसंबर की अंतिम तिथि को आगे बढ़ाया जाना आवश्यक है।

विभूति नारायण सिंह ने कहा कि विधानसभा चुनाव 2027 में होने हैं, ऐसे में इतनी जल्दबाज़ी की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने यह भी मांग की कि प्रत्येक बीएलओ को 2003 और 2025 की मतदाता सूची उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे घर-घर जाकर मतदाताओं से मिलकर संतोषजनक ढंग से फार्म भरवा सकें। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में अनेक लोग मतदाता थे, लेकिन उनके नाम अभी की सूची में नहीं हैं और कई लोगों को

गणना पत्र भी प्राप्त नहीं हुआ। ऐसे लोगों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वे जल्द ही जिलाधिकारी से मुलाकात कर चुनाव आयोग को संबोधित ज्ञापन सौंपेंगे, ताकि मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत बन सके।

पुण्यतिथि पर याद किए गए सामाजिक न्याय के प्रणेता ज्योतिबा फुले

- अपना दल (कमेरावादी) ने श्रद्धांजलि सभा कर किया नमन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। सामाजिक न्याय और समानता की अलख जगाने वाले महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को अपना दल (कमेरावादी) पार्टी भदोही इकाई की ओर से श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। यह कार्यक्रम जनपद कार्यालय, इंदिरामिल चौराहा स्थित जीवन धारा हॉस्पिटल के सामने संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत जिलाध्यक्ष जितेन्द्र पटेल द्वारा महात्मा फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने से हुई। इसके बाद पार्टी के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भी पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्षों और योगदान को याद किया।

जिलाध्यक्ष जितेन्द्र पटेल ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपना संपूर्ण जीवन गरीबों, महिलाओं, दलितों तथा वंचितों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। 19वीं सदी में सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष करते हुए उन्होंने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर महिलाओं की शिक्षा के लिए देश का पहला लड़कियों का विद्यालय स्थापित किया। वे बाल विवाह के विरोधी और विधवा विवाह के प्रबल समर्थक रहे। उन्होंने कहा कि समतामूलक समाज की स्थापना के लिए फुले दंपति का अविस्मरणीय संघर्ष आज भी पूरी मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है।

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष समर बहादुर पटेल, फहद अहमद, धर्मेन्द्र पटेल, राजकुमार मौर्या, अशोक पाल, आल्हा यादव, मंगल मौर्या, शिवम जायसवाल, महेन्द्र सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने सामाजिक न्याय और समानता के उनके मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

मिशन शक्ति के तहत भदोही थाने में पौधरोपण

- गणेश ट्री फाउंडेशन ने बढ़ाया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। मिशन शक्ति के तहत आज गणेश ट्री फाउंडेशन के सौजन्य से भदोही थाना परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों और संस्था के सदस्यों ने मिलकर पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान एसआई लक्ष्मी यादव ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन के लिए अनिवार्य हैं। गणेश ट्री फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा कार्य सराहनीय है और इससे समाज में हरित पहल को मजबूती मिलेगी। गणेश ट्री फाउंडेशन के संस्थापक गणेश दुबे ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत है। पेड़-पौधे न सिर्फ हमें शुद्ध हवा देते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की नींव भी हैं। उन्होंने कहा कि जैसे हम राष्ट्र का सम्मान करते हैं, वैसे ही प्रकृति का भी सम्मान करना चाहिए। हर व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी पूरी जिम्मेदारी से देखभाल करे। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस विभाग सामाजिक जिम्मेदारियों के तहत ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों में लगातार सहयोग करता है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप मिल सके। इस अवसर पर अरुण तिवारी, वकार अंसारी, प्रशांत तिवारी, अतुल पाठक, प्रियांशु शर्मा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

पिता-पुत्र से मारपीट

ललितपुर। बानपुर थानान्तर्गत ग्राम बिल्ला निवासी मोहन सिंह पुत्र चिप्पेलाल लोधी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती 24 नव बर को रात करीब 9 बजे वह अपने पिता चिप्पेलाल पुत्र सुन्नेलाल के साथ घर के बाहर बैठा था। तभी गांव के तेज सिंह पुत्र दयाराम, अजय सिंह पुत्र चतुर सिंह लोधी आये और बिना कारण गालियां देने लगे। मना करने पर उक्त लोगों ने मारपीट कर दी। शोरगुल सुनकर जब उसके परिजन मौके पर आये तो उक्त लोग जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

संक्षिप्त खबरें

यूपी-महाराष्ट्रः आधार अब जन्म प्रमाणपत्र का सबूत नहीं, एसआईआर के बीच यह आदेश

ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार ने आधार कार्ड को जन्म प्रमाणपत्र या जन्म तिथि के प्रमाण के रूप में मान्यता देने से इनकार कर दिया है। योजना विभाग के विशेष सचिव अमित बंसल ने सभी विभागों को निर्देश जारी कर कहा है कि आधार कार्ड के साथ कोई जन्म प्रमाणपत्र संलग्न नहीं होता, इसलिए इसे जन्म प्रमाणपत्र नहीं माना जा सकता। यह फैसला राज्य की करोड़ों जनता, खासकर गरीब और वंचित वर्गों के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है, जहां आधार ही एकमात्र पहचान दस्तावेज है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या यह नीतिगत उलटफेर सुप्रीम कोर्ट, चुनाव आयोग और केंद्र सरकार की पिछली राय से मेल खाता है? आधार जो कभी सरकारी योजनाओं की 'शर्त' था, अब 'बाधा' बन गया है। उसके महत्व को अदालत से लेकर सरकार तक ने घटा दिया है। यूपी सरकार के आधार वाले फैसले पर इसलिए ध्यान गया है क्योंकि राज्य में एसआईआर प्रक्रिया जारी है। अगले चरण में जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटेंगे, उनसे प्रमाण मांगा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट बिहार एआईआर के दौरान चुनाव आयोग से कह चुका है कि वो आधार को 12वें प्रमाणपत्र दस्तावेज के रूप में स्वीकार करे। लेकिन यहां अब तकनीकी सवाल आ गया है। एसआईआर में जन्म तिथि सबसे महत्वपूर्ण नुक्ता है। इसका मतलब ये हुआ कि यूपी में एसआईआर के अगले चरण में जो जन्मतिथि के प्रमाण के तौरा पर आधार जमा कराएगा, वो फॉर्म माना ही जाएगा, क्योंकि यूपी में आधार अब जन्म तिथि का प्रमाण नहीं रहा। यह महत्वपूर्ण तकनीकी सवाल है, जिसकी आंच यूपी में अगले चरण के एसआईआर में महसूस की जाएगी। महाराष्ट्र में भी जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आधार कार्ड को दस्तावेज़ नहीं माना जाएगा और अगस्त 2023 के अधिनियम संशोधन के बाद केवल आधार कार्ड के ज़रिए बने सभी जन्म प्रमाण पत्र रद्द कर दिए जाएँगे। सरकार ने यह फ़ैसला अवैध उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जा रहे फ़र्ज़ी जन्म प्रमाण पत्र और मृत्यु प्रमाण पत्र को रोकने के लिए लिया है। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने आधार कार्ड का इस्तेमाल करके जारी किए गए सभी संदिग्ध प्रमाण पत्र रद्द करने के आदेश दिए हैं। साथ ही, अब तक ये प्रमाण पत्र जारी करने वाले अधिकारियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं। राजस्व विभाग ने सभी तहसीलदारों, उप-विभागीय अधिकारियों, ज़िला आयुक्तों और संभागीय आयुक्तों को 16-सूत्रीय सत्यापन दिशानिर्देश जारी किए हैं।

पत्रकार कृष्ण चन्द्र शुक्ल के बेटे प्रशांत शुक्ल ने क्षेत्र का नाम किया रोशन

ब्यूरो प्रयागराज। विकासखंड शंकरगढ़ के लालापुर भटपुरा हाल मुकाम निराला नगर शंकरगढ़ निवासी प्रशांत शुक्ला पुत्र कृष्ण चंद्र शुक्ला ने अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया है।आगे बताते चलें कि, प्रशांत शुक्ला अभी तक कई प्रदेशों में शतरंज में जीत हासिल कर अपनी एक अलग पहचान बनाई थी।उसके उपरांत आज जियले यूनिवर्सिटी मथुरा से बीटेक कर रहे छात्र प्रशांत शुक्ला ने 30 अक्टूबर को मानव रचना विश्वविद्यालय फरीदाबाद हरियाणा में आयोजित कविता प्रतियोगिता में भाग ले रहे कई प्रदेशों के लोगों के मध्य फर्स्ट पोजीशन हासिल कर कीर्तिमान स्थापित किया । इसी प्रकार 8 नवंबर को बिट्स पिलानी राजस्थान में आयोजित पैन इंडिया कविता प्रतियोगिता में टॉप 4 में शामिल किया गया । इस प्रतियोगिता में उन्हें भारत के सबसे बड़े बिरला इंस्टीट्यूट प्राइवेट यूनिवर्सिटी में उन्हें प्रतिभाग करने का अवसर प्राप्त हुआ । इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध कवि अंकुश श्रीवास्तव एवं अंग्रेजी कवि जिनी वर्मा भी मौजूद रही । 18 नवंबर को जीएलए यूनिवर्सिटी में इंटर यूनिवर्सिटी कविता प्रतियोगिता में भी प्रतिभाग कर रहे कई देश प्रदेश के लोगों एवं संस्कृति यूनिवर्सिटी , शारदा यूनिवर्सिटी ,,हिंदुस्तान कॉलेज ,जीएल बजाज एवं कई अन्य देश के लोग एवं विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के मध्य कविता प्रतियोगिता में भी प्रशांत शुक्ला फर्स्ट पोजीशन लाकर अपनी एक अलग पहचान बनाई । इसके अलावा क्षितिज इंडियन आईकॉनिक पोएट प्रतियोगिता दिल्ली भारतीय विद्यापीठ में 21 दिसंबर को देश भर के प्रतिभाग में मौका पाने वाले 12 लोगों में प्रशांत शुक्ला का नाम अव्वल दर्जे पर अंकित किया गया । क्षेत्र देश प्रदेश में जीत हासिल करने वाले प्रशांत शुक्ला को एवं कई जगह फर्स्ट पोजीशन में अपना नाम अंकित करने पर जियले यूनिवर्सिटी मथुरा के डीन हिमांशु शर्मा ने प्रशांत शुक्ला को प्रमाण पत्र ट्रॉफी देते हुए कहा कि आज हमें गर्व की बात है कि हमारे विद्यालय में ऐसे ही होनहार छात्रों की आवश्यकता है जो कि अपनी लगन मेहनत परिश्रम से विद्यालय का नाम रोशन करते हैं और हम आशा करते हैं कि यह हमेशा इसी तरह विद्यालय का नाम रोशन करते रहेंगे ।

आरपी एक्ट के तहत मौजूदा प्रक्रिया मान्य नहीं, चुनाव आयोग एसआईआर को सही ठहराने के लिए अनुच्छेद 324 पर भरोसा नहीं कर सकता

● याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में कहा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया (चुनाव आयोग) द्वारा किए जा रहे इलेक्टोरल रोल्स के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिकाओं में याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि चुनाव आयोग के पास रिप्रेजेंटेशन ऑफ़ द पीपल्स एक्ट, 1950 (RP Act) के तहत स्क्रूक को मौजूदा तरीके से करने की पावर्स नहीं हैं। सीनियर एडवोकेट्स कपिल सिब्बल और डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि चुनाव आयोग, एसआईआर को सही ठहराने के लिए भारत के संविधान के आर्टिकल 324 के तहत अपनी पूरी शक्ति का सहारा नहीं ले सकता, क्योंकि ऐसे उदाहरण हैं, जो बताते हैं कि एक बार जब यह फील्ड पार्लियामेंट्री लॉ (RP Act) के तहत आ जाता है तो चुनाव आयोग को कानून के अनुसार काम करना होता है। सिंघवी ने बताया कि एसआईआर के लिए एन्यूमरेशन फॉर्म्स को कोई कानूनी मान्यता नहीं है। RP Act और रूल्स एन्यूमरेशन फॉर्म को मान्यता नहीं देते हैं। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही थी। सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल (RJD MP मनोज झा के लिए) ने यह देखते हुए ज़ोर देकर कहा कि एसआईआर प्रोसेस असल में गलत है, क्योंकि वोटर को यह साबित करने के लिए बर्थ सर्टिफिकेट या दूसरे डॉक्यूमेंट्स दिखाने की ज़रूरत है कि उसके माता-पिता में से कोई एक भारतीय नागरिक था। उन्होंने आगे कहा कि वोटर की नागरिकता तय करना बीएलओ के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता, जो इस पद पर नियुक्त कोई स्कूल टीचर भी हो सकता है। एक उदाहरण का ज़िक्र करते हुए सिब्बल ने कहा, 'गिनने वाले ने उससे (वोटर से) पूछा, प्लीज़ मुझे बताओ कि तुम्हारे पिता का जन्म कब हुआ था? मुझे इसका सबूत दो....तुम यह कैसे दोगे?' हालांकि, जस्टिस बागची ने बीच में टोकते हुए कहा कि कोर्ट इस मुद्दे को 'नॉर्मेटिव लेवल' पर समझना चाहता है और क्या यह RP Act और संविधान और नागरिकता एक्ट जैसे दूसरे जुड़े हुए कानूनों के तहत चुनाव आयोग के अधिकारों के मुताबिक है। जस्टिस बागची ने कहा कि वोटर आधार जैसे डॉक्यूमेंट दिखा सकते हैं, जिसकी कोर्ट ने अपने पिछले ऑर्डर के हिसाब से इजाज़त दी है। सिब्बल ने कई वोटरों के अनपढ़/बिना पढ़े-लिखे होने की ज़मीनी हकीकत का ज़िक्र करते हुए कहाः 'पासपोर्ट वगैरह जैसे डॉक्यूमेंट, वह नहीं दिखा पाएगा, यही मैं कह रहा हूं... अगर वह 2003 और 2007 के बीच पैदा हुआ है तो दो बातें साबित करनी होंगीः (1) भारत का नागरिक होना और (2) वह गैर-कानूनी माइग्रेंट नहीं है - आप यह कैसे साबित करेंगे? और कितने लोगों के पास यह होगा? ये बहुत मुश्किल प्रोसेस से जुड़े मुद्दे हैं जो अपने आप में ही गलत हैं। 'सिब्बल ने आगे कहा कि अगर इसे सही भी मान लिया जाए तो क्या बीएलओ के पास कानूनी तौर पर किसी व्यक्ति की नागरिकता तय करने का अधिकार हो सकता है? अगर बीएलओ उस व्यक्ति को वोटर लिस्ट से बाहर कर देता है तो उसे देश में दूसरी सभी सरकारी स्कीम के फ़ायदों से भी बाहर कर दिया जाएगा। चुनाव आयोग के जारी इलेक्टोरल मैनुअल का ज़िक्र करते हुए सिब्बल ने बीएलओ की नागरिकता पर फिर से विचार करने की पावर के प्रावधान के बारे में बतायाः 'यह साफ़ है कि अगर इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर को रजिस्ट्रेशन के लिए अप्लाई करने वाले किसी व्यक्ति के रजिस्ट्रेशन के बारे में कोई शक है या पहले से इलेक्टोरल रोल में एनरोल किसी व्यक्ति के खिलाफ़ ऐसी किसी आपत्ति पर विचार कर रहा है तो उसे सिटिज़नशिप एक्ट के तहत इस मुद्दे को तय करने के लिए मामले को केंद्र सरकार, गृह मंत्रालय को भेजना चाहिए। 'इस प्रावधान पर आपत्ति जताते हुए सिब्बल ने कहा, 'यही वह बात है, जिसे वे (चुनाव आयोग) मेरे लॉर्ड्स को मानने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'स्कूल में एक टीचर को BLO के तौर पर अपॉइंट करना एक खतरनाक बात है ताकि उसे यह अधिकार (नागरिकता पर विचार करने का) मिल सके। ' दूसरे याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए डॉ. एएम सिंघवी ने मुख्य रूप से यह तर्क दिया कि एसआईआर प्रोसेस को कानूनी कानूनों का कोई सपोर्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफ/रहने की जगह वगैरह के वेरिफिकेशन में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन यह 'यह तय करने के लिए वेरिफिकेशन है कि मैं नागरिक हूं या नहीं। 'सिंघवी ने फिर ज़ोर देकर कहा कि एसआईआर को आरपी एक्ट 1950 (ROPA) और उससे जुड़े नियमों की स्कीम के तहत 'इंडिविजुअल एक्सरसाइज' के तौर पर देखा गया, न कि 'एन मास/ब्लैंकेट एक्सरसाइज' के तौर पर। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, 'भारत में पहले कभी, न ROPA के तहत और न ही नियमों के तहत, आपको एन मास अधिकार नहीं दिया गया?' सिंघवी के अनुसार, रोल पर किसी व्यक्ति के नाम के वेरिफिकेशन को चुनौती देने के मुद्दे को फॉर्म 7 (मौजूदा इलेक्टोरल रोल में नाम शामिल करने/हटाने के प्रस्ताव पर आपत्ति के लिए एप्लीकेशन फॉर्म) के तहत निपटाया गया।

सिंघवी के अनुसार, फॉर्म 7 के बावजूद, एक साथ वेरिफिकेशन करना आर्टिकल 327 के खिलाफ होगा। उन्होंने आगे कहा कि यह 'बड़े पैमाने पर वेरिफिकेशन' कभी भी चुनाव आयोग को नहीं दिया गया, जिसे अब वह आर्टिकल 324 के तहत ढूंढने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, सीजेआई ने कहा, 'आपके तर्क के अनुसार, चुनाव आयोग के पास कभी भी एसआईआर की शक्ति नहीं होगी। 'सिंघवी ने साफ किया कि चुनाव आयोग की शक्ति सीमित हैं; वह यह नहीं कह सकता कि हम लोगों को रोल पर मान रहे हैं और हमारी लिस्ट के अनुसार वेरिफिकेशन के बाद ही इसकी पुष्टि होगी।उन्होंने आगे कहा, 'एसआईआर एक सीमित चुनाव क्षेत्र में व्यक्तिगत/द्विपक्षीय तरीके से रोल का रिविजन है; इसमें एक साथ कोई शक्ति नहीं है। 'सिंघवी ने बताया कि मौजूदा प्रोसेस में कुछ 'रेडिशियल खासियतें' हैंः (1) यह हमेशा राज्य के हिसाब से कम से कम होता है, और जिन राज्यों से उन्होंने शुरुआत की है, वे भारत के सबसे ज़्यादा आबादी वाले राज्य हैं - बिहार और अब बंगाल; (2) किसी भी चुनाव क्षेत्र या उसके हिस्से के लिए किसी भी तरह का कोई इंडिविजुएशन नहीं है; (3) आप इंडिविजुअल एक्सरसाइज के लिए सेक्शन 21 (फॉर्म 7) के तहत बनाए गए फॉर्म को फॉलो नहीं करते हैं; (4) इसके साथ लगभग यह साफ घोषणा होती है कि SIR सबसे पहले यह कहता है कि हमारे पास पुरानी लिस्ट (प्रिजम्पशन लिस्ट) है - लेकिन कोई पुरानी लिस्ट नहीं है। बेंच अभी एसआईआर प्रोसेस की लीगैलिटी से जुड़े बड़े मुद्दों पर सुनवाई कर रही है। पिछली सुनवाई में बेंच ने पहली नज़र में यह राय दी थी कि चुनाव आयोग के पास आरपी एक्ट की धारा 21(3) के तहत एसआईआर करने का अधिकार है। बुधवार को बेंच ने कहा था कि बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने की आशंका के बावजूद, किसी भी वोटर ने बिहार लिस्ट से नाम हटाए जाने को चुनौती नहीं दी।

सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र में वार्षिक निरीक्षण

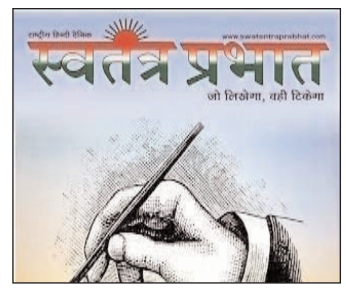

नैनी, प्रयागराज। सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र में वार्षिक निरीक्षण विद्या भारती की योजना अनुसार प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 27,28 एवं 29 नवम्बर को विद्यालय के वार्षिक निरीक्षण का कार्यक्रम तय हुआ। जिसमें सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुल्तानपुर के प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी के नेतृत्व में उनकी टोली के बंधु रामशंकर तिवारी अंग्रेजी के प्रवक्ता, अखिलेश प्रताप सिंह गणित के प्रवक्ता, कौशलेन्द्र भौतिक के प्रवक्ता, यशी अग्रहरी प्रवक्ता अर्थ शास्त्र एवं श्रेया तिवारी कार्यालय प्रमुख ने विद्यालय का तीन दिवसीय निरीक्षण बारीकी से किया। निरीक्षण के अंतर्गत विद्यालय की प्रार्थना सत्र, माध्यवकाश , वंदे मातरम, कक्षा कक्ष का निरीक्षण ,पंजीयों का रखरखाव, विभिन्न विभागों की व्यवस्था, आचार्य का दायित्व, विद्यालय में छात्र संसद, कन्या भारती की सक्रियता, भौतिक ,रसायन एवं जीव विज्ञान की प्रयोगशालाएं सहित सभी बिंदुओं का सूक्ष्म अवलोकन किया ढ्ढ विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय कुमार मिश्र ने प्रार्थना सत्र में अतिथियों का परिचय कराया ,उपयुक्त निरीक्षण में विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने अपने-अपने कर्तव्य एवं दायित्व का शत् प्रतिशत निर्वाह किया।

मेजा ऊर्जा निगम को आन्दोलन कारियों से नहीं मिला मांग पत्र, पक्ष पहले ही था स्पष्ट

ब्यूरो प्रयागराज। यमुनापार (मेजा) तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ऊर्जा निगम परियोजना का मुख्य द्वार और टाउनशिप सामान्य स्थिति में रहे संयुक्त प्रकाश संचालन सुचारू रूप से जारी रहा । आंदोलनकारी ने परियोजना प्रबंधन को कोई औपचारिक सूचना या मांग पत्र नहीं दिया।सोशल मीडिया और समाचार पत्रों से मिली सूचनाओं के आधार पर आंदोलनकारी द्वारा उठाए गए मुद्दों पर संस्थान का पक्ष एसीपी मेजा कार्यालय में हुई बैठक में पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है।एमयूएनपीएल द्वारा ग्राम सलैया कला में कोई नया निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया।मेजा ऊर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड की इकाई मेजा थर्मल पावर परियोजना स्टेज ढ्ढढ्ढ के विस्तार के लिए ग्राम सलैया कला में सरकारी भूमि का पुनर्गठन किया जा सकता है, जो अभी प्रक्रियाधीन है।रोजगार के सम्बन्ध में भू स्वामियों को कौशल विकास प्रशिक्षण, संविदा एजेंसियों में अवसर, संविदा के अंतर्गत जीप लगाने तथा सहकारी समिति के माध्यम से संविदा कार्य हेतु प्रोत्साहित किया जाता है।

सनबीम स्कूल नैनी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराजः यातायात माह नवंबर 2025 के अंतर्गत 28वें दिन यमुनानगर नैनी स्थित सनबीम स्कूल एवं कॉलेज में साइबर अपराध,मिशन शक्ति एवं यातायात जागरूकता अभियान का सफल आयोजन उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति, लखनऊ शाखा प्रयागराज एवं पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं विद्यालय स्टाफ की भारी उपस्थिति रही। यातायात विषय पर उप निरीक्षक इंद्रपाल वर्मा द्वारा उपस्थित हजारों छात्रों को यातायात नियमों, संकेतों एवं सुरक्षित वाहन संचालन के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने सड़क सुरक्षा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल अस्पताल पहुंचाना एक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है। साथ ही उन्होंने बताया कि इस प्रकार के सराहनीय कार्यों पर सरकार द्वारा नगद पुरस्कार एवं प्रशंसा पत्र भी प्रदान किए जाते हैं। मिशन शक्ति के अंतर्गत उप निरीक्षक कुसुम लता (थाना औद्योगिक) ने छात्राओं को आत्मरक्षा के उपायों, मुख्यमंत्री द्वारा चलाई जा रही योजनाओं तथा सहायता प्राप्त करने के माध्यमों की जानकारी दी। वहीं उप निरीक्षक सदानंद यादव ने कानून व्यवस्था एवं नागरिक कर्तव्यों पर उपयोगी जानकारी साझा की। यह कार्यक्रम चेयर मैन कमलेश श्रीवास्तव व श्री आर. एस. वर्मा आईएएस पूर्व मंडल आयुक्त वाइस चेयरमैन समिति के निर्देशन में चलाया जा रहा है समिति सचिव संतोष कुमार ने विद्यार्थियों से अपील किया कि वे शिक्षा को अपना प्रमुख लक्ष्य बनाएं और प्राप्त जानकारी को अपने परिवार, रिश्तेदारों एवं समाज के बीच साझा करें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा हम सभी का नैतिक दायित्व है। विद्यालय परिसर में शासन द्वारा जारी टोल फ्री नंबरों के स्लोगन युक्त बैनर भी प्रदर्शित किए गए। शासन द्वारा जारी प्रमुख टोल फ्री नंबर 112 आपातकालीन सेवा, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1090 महिला सुरक्षा हेल्पलाइन, 1091 महिला पुलिस हेल्पलाइन, 181 महिला सहायता सेवा, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1076 की भी जानकारी दी गई। उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन हसन ए नकवी द्वारा किया गया। विद्यालय की उप प्रधानाचार्या प्रमिला सिंह ने आए हुए समस्त अधिकारियों एवं समिति पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया। विद्यालय के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य का विशेष सहयोग उल्लेखनीय रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित करना एवं समाज को सुरक्षित, अपराधमुक्त बनाने की दिशा में सशक्त पहल करना रहा।

भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति के आंकड़ों पर सवाल, IMF ने सी ग्रेड दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी नवीनतम समीक्षा में भारत को उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और एकाउंट्स आंकड़ों की गुणवत्ता और कार्यप्रणाली के लिए 'सी' रेटिंग दी है। यह दूसरी सबसे निचली श्रेणी है। भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति की हकीकत सामने है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने भारत के राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी) की अपनी वार्षिक समीक्षा में देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) और सकल मूल्य वर्धित (GVA) सहित महत्वपूर्ण आँकड़ों को 'ष्ट' ग्रेड दिया है। यह उपलब्ध ग्रेडिंग (A, B, C, D) में दूसरा सबसे निचला स्तर है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के आँकड़ों की क्वॉलिटी पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। आईएमएफ ने स्पष्ट किया है कि 'ष्ट' ग्रेड का अर्थ है कि उपलब्ध डेटा में 'कुछ कमियाँ हैं जो निगरानी में थोड़ी बाधा डालती हैं।' यह ग्रेड ऐसे समय में आया है जब सरकार शुक्रवार (28 नवंबर, 2028) को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (Qw) के राष्ट्रीय लेखा आँकड़े जारी करने वाली है, जिससे यह मुद्दा और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। आईएमएफ ने विशेष रूप से यह टिप्पणी की है कि भारत के राष्ट्रीय खाते और मुद्रास्फीति के आँकड़े अनौपचारिक क्षेत्र और लोगों के खर्च करने के पैटर्न जैसे प्रमुख पहलुओं को पर्याप्त रूप से कैप्चर नहीं कर पाते हैं। यानी अनौपचारिक क्षेत्र के आंकड़े जब तक स्पष्ट नहीं होंगे और लोग किस तरह खर्च कर रहे हैं, यह साफ नहीं होगा, तब तक सही मायने में आंकड़ों पर विश्वास करना मुश्किल है। जीडीपी के विपरीत, भारत की प्रमुख मुद्रास्फीति माप, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (Consumer Price Inde& - CPI), को आईएमएफ द्वारा 'बी' ग्रेड दिया गया है, जिसका अर्थ है कि यह 'निगरानी के लिए व्यापक रूप से पर्याप्त' है, लेकिन कुछ कमियाँ फिर भी मौजूद हैं। सीपीआई को 'बी' ग्रेड मिलने का मुख्य कारण इसका पुराना आधार वर्ष (2011-12), आइटम बास्केट और भार है। आईएमएफ के अनुसार, सीपीआई बास्केट वर्तमान खर्च करने की आदतों को सटीक रूप से दर्शाने में विफल है।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव 7 सुप्रीम कोर्ट का आदेशः बाकी चुनाव नोटिफ़ाई किए जाएं, लेकिन रिज़र्वेशन 50% से ज़्यादा न हो

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

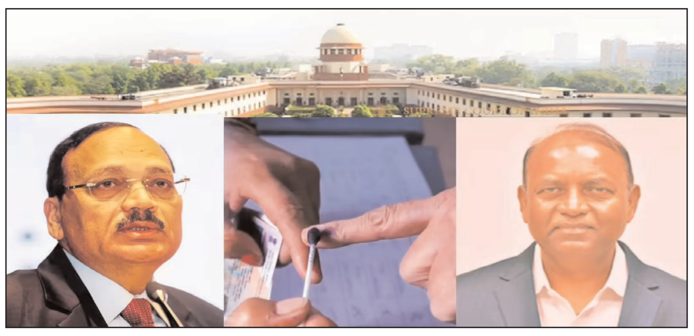

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (28 नवंबर) को महाराष्ट्र स्टेट इलेक्शन कमीशन को उन स्थानीय निकाय चुनाव में 50% से ज़्यादा रिज़र्वेशन नोटिफ़ाई करने से रोक दिया, जहां चुनाव अभी नोटिफ़ाई होने बाकी हैं। कोर्ट ने कहा कि जिन स्थानीय निकाय चुनाव में 50% से ज़्यादा रिज़र्वेशन पहले ही नोटिफ़ाई हो चुका है, उनके चुनाव रिट याचिका के नतीजे पर निर्भर करेंगे। चीफ़ जस्टिस ऑफ़ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव में OBC रिज़र्वेशन को चुनौती देने वाली रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी। स्टेट इलेक्शन कमीशन के सीनियर एडवोकेट बलबीर सिंह ने बेंच को बताया कि 246 म्युनिसिपल काउंसिल और 42 नगर पंचायत हैं, जहां चुनाव प्रोसेस शुरू हो चुका है। वोटिंग 2 दिसंबर को होनी है। ?

इनमें से 40 म्युनिसिपल काउंसिल और 17 नगर पंचायत ऐसी हैं, जहां रिज़र्वेशन 50% से ज़्यादा है। हालांकि, 29 म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, 32 ज़िला पंचायत और 346 पंचायत समितियों के चुनाव अभी नोटिफ़ाई होने बाकी हैं। मामलों को तीन जजों की बेंच को भेजते हुए और 21 जनवरी को सुनवाई के लिए पोस्ट करते हुए बेंच ने पहले से नोटिफ़ाई किए गए चुनाव कराने की इजाज़त दी। बेंच ने आदेश दिया, 'इस बीच म्युनिसिपल काउंसिल और नगर पंचायत के चुनाव नोटिफ़ाई किए गए शेड्यूल के हिसाब से हो सकते हैं। हालांकि, जिन स्थानीय निकाय चुनाव में रिज़र्वेशन 50% से ज़्यादा है, उनके नतीजे रिट याचिका के नतीजे पर निर्भर होंगे। 'बेंच ने स्थ्वष्ट को बाकी स्थानीय निकाय के चुनाव नोटिफ़ाई करने की भी इजाज़त दी। बेंच ने आदेश दिया, 'जहां तक दूसरी निकाय का सवाल है, राज्य और SEC को चुनाव प्रोसेस शुरू करने की आज़ादी होगी। हालांकि, यह निर्देश दिया गया कि इन सभी संस्थाओं में रिज़र्वेशन 50% से ज़्यादा नहीं होगा। यह शर्त भी मौजूदा कार्रवाई के आखिरी नतीजे पर निर्भर है। 'कोर्ट को बताया गया कि सिर्फ़ 2 म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में 50% से ज़्यादा रिज़र्वेशन होगा।

इस पर ध्यान देते हुए कोर्ट ने आदेश दिया, 'नगर निगमों के चुनाव बिना देर किए नोटिफ़ाई किए जाएं और इस मामले के नतीजे के हिसाब से कराए जाएं। 'कोर्ट के सामने यह मुद्दा महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में OBC रिज़र्वेशन को लागू करने से जुड़ा है, जो 2021 से रुका हुआ है। दिसंबर, 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने OBC रिज़र्वेशन पर यह कहते हुए रोक लगा दी थी कि इसे 'ट्रिपल-टेस्ट' को पूरा करने के बाद ही लागू किया जा सकता है। बाद में राज्य सरकार ने स्थानीय निकाय चुनावों में OBC रिज़र्वेशन के मुद्दे की जांच के लिए मार्च 2022 में जयंत कुमार बंठिया कमीशन बनाया। बंठिया कमीशन ने जुलाई 2022 में अपनी रिपोर्ट दी। मई, 2025 में कोर्ट ने बंठिया कमीशन की रिपोर्ट से पहले के कानून के मुताबिक OBC रिज़र्वेशन देकर चार महीने के अंदर चुनाव कराने का निर्देश दिया। पिछले हफ़्ते, कोर्ट ने कहा कि राज्य के अधिकारियों ने इस आदेश का गलत मतलब निकाला कि रिज़र्वेशन 50% से ज़्यादा हो सकता है। यह साफ़ करते हुए कि बंथिया से पहले की स्थिति के अनुसार चुनाव कराने का निर्देश 50% की लिमिट पार करने की इजाज़त नहीं है, बेंच ने मौखिक रूप से कहा था कि रिज़र्वेशन सीलिंग लिमिट के अंदर होना चाहिए। पिछली तारीख पर महाराष्ट्र राज्य ने यह कहते हुए समय मांगा कि वह स्थानीय निकाय में रिज़र्वेशन के लिए 50% सीलिंग लिमिट के मुद्दे पर स्टेट इलेक्शन कमीशन से सलाह कर रहा है।आने वाली जाति-जनगणना और OBCs को ज़मीनी स्तर की डेमोक्रेसी से बाहर किए जाने की आशंका के संदर्भ में CJI कांत ने कहा, 'हम जो भी करें, हमें समाज को जाति के आधार पर नहीं बांटना चाहिए। जहां तक यह बताया गया कि ज़िला परिषदों, नगर निगमों और पंचायत समितियों के चुनाव अभी नोटिफ़ाई नहीं हुए हैं, सीजेआई ने मौखिक रूप से यह भी कहा कि 50% से ज़्यादा रिज़र्वेशन (57 बॉडीज़ में) मुकदमे के नतीजे पर निर्भर करेगा। स्थ्वष्ट से आगे कहा गया कि उन लोकल बॉडीज़ में 50% की लिमिट पार न करें, जहां चुनाव अभी नोटिफ़ाई होने बाकी हैं।

दिल्ली में 'दमघोंटू' हवा की मार जारी, गंभीर श्रेणी में हवा,AQI 400 के पार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। दिल्ली में शुक्रवार की सुबह भी गंभीर वायु प्रदूषण के साथ शुरू हुई। जो पिछले करीब 15 दिनों से लगातार जारी है। राजधानी की हवा का औसत AQI आज 400 से ज्यादा दर्ज किया गया। यह स्तर सीधे 'हैजर्डस' यानी स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक श्रेणी में आता है। राजधानी में यह स्थिति अब सिर्फ प्रदूषण नहीं, बल्कि स्वास्थ्य आपातकाल जैसी बन चुकी है। इसी बढ़ते प्रदूषण को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवार किरन बेदी ने दिल्ली के प्रदूषण पर तुरंत एक?शन के लिए पीएमओ से गुहार लगाई है। अपने सोशल मीडिया 'X' अकाउंट पर उन्होंने दिल्ली के प्रदूषण की महामारी से तुलना करते हुए चिंता जताई है और प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। किरण बेदी ने जहां दिल्ली में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण पर पीएमओ से हस्तक्षेप की मांग की है, वहीं उन्होंने ऐसे पांच कारण भी बताए हैं, जिससे प्रदूषण की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। किरण बेदी ने दिल्ली में प्रदूषण की समस्या का पहला कारण बताते हुए लिखा 'भारत में वायु प्रदूषण का संकट हर साल दोहराया जाता है, क्योंकि सरकारें मूल कारणों का समाधान करने के बजाय स्मॉग टावरों और सम-विषम नियमों जैसे त्वरित, अस्थायी समाधानों पर निर्भर रहती हैं। 'किरण बेदी ने इस मामले में दूसरा बड़ा कारण खंडित शासन को बताया। उन्होंने लिखा 'खंडित शासन में कई एजेंसियां जिम्मेदारी साझा करती हैं, लेकिन किसी के पास पूर्ण अधिकार नहीं होता। यह प्रदूषण की समस्या पर समन्वित, दीर्घकालिक कार्रवाई को रोकता है।' तीसरा कारण बताते हुए उन्होंने आगे लिखा 'वाहन, उद्योग, निर्माण धूल और फसल जलाने जैसे प्रमुख उत्सर्जन स्रोत कमजोर प्रवर्तन और सीमित संसाधनों के कारण ठीक से विनियमित नहीं हैं। ' किरण बेदी ने चौथा कारण बताते हुए लिखा 'अल्पकालिक राजनीतिक प्रोत्साहन संरचनात्मक सुधारों पर भारी पड़ते हैं, क्योंकि स्थायी समाधानों के लिए समय, धन और राजनीतिक जोखिम की आवश्यकता होती है, जिससे नेता अक्सर बचते हैं।' पांचवे कारण में उन्होंने वास्तविक प्रगति के लिए प्रणालीगत परिवर्तन की आवश्यकता बताते हुए लिखा 'वायु-गुणवत्ता प्रबंधन के लिए एक एकीकृत प्राधिकरण, मजबूत निगरानी, स्वच्छ ऊर्जा और परिवहन में दीर्घकालिक निवेश के साथ बेहतर अंतर-राज्यीय समन्वय का होना जरूरी है। इसीलिए भारत सरकार और अन्य शीर्ष नेतृत्व के इसमें हस्तक्षेप की आवश्यकता है। 'किरन बेदी ने पोस्ट में लिखा 'यह बहुत तकलीफ देने वाला और डिप्रेसिंग है। PMO सर, कृपया तुरंत हस्तक्षेप करें।' एक दूसरी पोस्ट में उन्होंने लिखा 'यह प्रदूषण अब महामारी जैसे हालात पैदा कर रहा है और इसके लिए बड़े स्तर पर को-ऑर्डिनेशन और एक्शन की जरूरत है।' उन्होंने यह भी सलाह दी कि प्रदूषण से निपटने के लिए कोविड-19 की तरह सिस्टमैटिक और गंभीर स्ट्रैटजी अपनाई जानी चाहिए। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए PMO में 25 नवंबर को एक मीटिंग हुई। इस मीटिंग में प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के लिए तेज और सख्त एक्शन पर चर्चा की गई। बैठक में पेट्रोल और डीजल वाहनों पर डिपेंडेंसी कम करने और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को बढ़ावा देने, चार्जिंग स्टेशन और इन्फ्रास्ट्रक्चर को तेजी से बढ़ाने की बात पर जोर दिया गया।

SIR देशवासियों के ख़िलाफ बड़ी साज़िश-अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि ये देशवासियों के ख़िलाफ़ एक बहुत बड़ी साज़िश है, जो अंग्रेजों की गुलामी से भी ख़राब स्थिति में ले जाएगी। समाजवादी पार्टी के प्रमुख ने बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर एसआईआर प्रक्रिया का 20 सेकंड का एक वीडियो साझा करते हुए एक पोस्ट में कहा, 'ये लोकतंत्र के साथ धोखाधड़ी है। जनता जागरूक हो। आज वोट काटा जा रहा है, कल को खेत-ज़मीन-मकान-राशन-जाति-आरक्षण से नाम काटा जाएगा। फिर बात खातों और मध्यम वर्ग के लॉकर तक पहुंच जाएगी। 'अपने लंबे पोस्ट में यादव ने कहा, 'ये देशवासियों के ख़िलाफ़ एक बहुत बड़ी साज़िश है जो अंग्रेजों की गुलामी से भी ख़राब स्थिति में ले जाएगी। ये समय जागने का है और एक-एक वोट बचाने का है।' उन्होंने विपक्षी दलों के साथ ही राजग में भाजपा के सहयोगी दलों का आह्वान करते हुए कहा, ''हमारी सभी विपक्षी दलों और यहां तक कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी सहयोगी दलों से यह अपील है कि एकजुट हों और भाजपा के इस महा-षड्यंत्र का पर्दाफाश करें। 'उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'जो दल भाजपा को अपना सहयोगी मान रहे हैं, सबसे पहले भाजपा उन्हीं का ख़ात्मा करेगी। इसलिए हमारी प्रत्येक देशवासी से अपील है कि सारे काम छोड़कर एसआईआर की घपलेबाजी को रोकें। 'उन्होंने कहा, 'भाजपा, भाजपा के संगी-साथी और भाजपा सरकार की तिकड़ी व निर्वाचन आयोग के कुछ भ्रष्ट लोग पूरी चुनावी व्यवस्था का अपहरण कर रहे हैं।' सपा प्रमुख ने लिखा, 'आइए हम सब मिलकर उन भाजपाइयों और उनके अपरिवारवादी संगी-साथियों की सरेआम लूट से देश को बचाएं और वोट के रूप में अपनी पहचान को भी बचाएं, नहीं तो कल को ये देशवासियों को ही पराया साबित कर देंगे।

संक्षिप्त खबरें

बनहरदी कोयला खनन परियोजना द्वारा बारी में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन, 72 ग्रामीणों का हुआ निःशुल्क नेत्र परीक्षण

चंदवा, झारखंडः- बनहरदी कोयला खनन परियोजना (पीवीयूएनएल) की ओर से सामुदायिक विकास कार्यों के तहत ग्राम बारी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बीते शुक्रवार को निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य स्थानीय ग्रामीणों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना और नेत्र रोगों की पहचान कर समय पर उपचार सुनिश्चित करना था। शिविर में बारी, एते, रामपुर, सरली, बनहरदी सहित आसपास के कई गांवों से आए 72 ग्रामीणों का नेत्र परीक्षण किया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क दवाइयाँ भी उपलब्ध कराई। ग्रामीणों ने बताया कि दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाएँ सीमित होने के कारण ऐसे शिविर उन्हें राहत प्रदान करते हैं। पीवीयूएनएल के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम का संचालन किया। परियोजना प्रबंधन की ओर से आर. बी. सिंह, महेश शंकर, अमरेश चंद्र राउल, विनेश कुमार, डॉ. मनीष देवदत्त एक्का, अमित द्विवेदी, पूजा और शुभंकर मंडल मौजूद थे। बारी पंचायत के मुखिया रविन उरांव और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल हुए। ग्रामीणों ने पीवीयूएनएल से इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आगे भी आयोजित करने की मांग की, ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। आयोजन ने ग्रामीण समुदाय और परियोजना प्रबंधन के बीच संवाद और सहयोग को और मजबूत बनाया।

परेड की सलामी लेकर एसपी ने किया पुलिस लाइंस का निरीक्षण

चित्रकूटः पुलिस लाइंस में शुक्रवार को आयोजित साप्ताहिक परेड का निरीक्षण पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने सलामी लेकर किया। इस दौरान उन्होंने परेड में शामिल रिक्रूट आरक्षियों और पुलिस बल को शारीरिक, मानसिक रूप से फिट रहने और अनुशासन व तत्परता बनाए रखने के लिए विभिन्न व्यायाम कराए और परेड की दौड़ भी कराई। परेड के निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति जागरूक किया तथा प्रतिसार निरीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। परेड के निरीक्षण के बाद पुलिस अधीक्षक ने परिवहन शाखा पहुंचकर डायल-112 पीआरवी सहित अन्य दो और चार पहिया वाहनों की स्थिति की समीक्षा की तथा आवश्यक सुधार व मरम्मत के निर्देश दिए। इसके अलावा एसपी ने आरटीसी बैरक, आवास परिसर, भोजनालय, मंदिर, आर्मरी और सीपीसी कैंटीन का भी निरीक्षण कर स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। अंत में क्वार्टर गार्द का निरीक्षण कर सलामी ली और पुलिस कर्मियों का अर्दली रूम किया गया। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी नगर अरविन्द कुमार वर्मा, प्रतिसार निरीक्षक राम शीष यादव, निरीक्षक आरटीसी शिवमूरत यादव सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सहकारिता विभाग में जल्द होगी 1089 पदों पर भर्ती, मंत्री ने अफसरों को दिया निर्देश

पटना। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने विभागीय रिक्तियों को शीघ्र भरने का निर्देश दिया। इससे पहले शुक्रवार को उन्होंने विभाग में रिक्तियों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। अधिकारियों ने मंत्री को अवगत कराया कि सहकारिता विभाग के तहत कुल 1089 पदों की अधियाचना संबंधित आयोगों को भेजी जा चुकी है। बिहार लोक सेवा आयोग को कुल 537 पदों और बिहार राज्य कर्मचारी चयन आयोग को 552 पदों की अधियाचना भेजी गई है। संबंधित पदों पर आयोगों द्वारा नियुक्ति प्रक्रिया जल्द पूरी किए जाने की उम्मीद है। बैठक में दी गई जानकारी के मुताबिक सहकारिता विभाग के राजपत्रित पदों के लिए 31 सहायक निबंधक एवं चार जिला अंकेक्षण पदाधिकारी तथा सहकारिता प्रसार पदाधिकारी की 502 पदों की अधियाचना सामान्य प्रशासन विभाग के माध्यम से बिहार लोक सेवा आयोग, को भेजी जा चुकी है, जिसपर विज्ञापन प्रकाशित कर नियुक्ति की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। इसी प्रकार अंकेक्षक के 198, आशुलिपिक के सात, निम्नवर्गीय लिपिक के 257 एवं कार्यालय परिचारी के 90 पदों की अधियाचना बिहार राज्य कर्मचारी चयन आयोग को भेजी गई है।

पाकुड़ में दुर्गापूजा, काली पूजा एवं छठ पूजा-2025 का भव्य पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

● उपायुक्त एवं उप विकास आयुक्त ने शॉल, मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर समितियों को किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़, झारखंडः- बाजार समिति, पाकुड़ में शुक्रवार को दुर्गापूजा, काली पूजा एवं छठ पूजा-2025 के शांतिपूर्ण एवं सफल आयोजन के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन द्वारा भव्य पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में उपायुक्त मनीष कुमार, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, परियोजना निदेशक आईटीडीए अरुण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, नगर परिषद प्रशासक अमरेन्द्र कुमार चौधरी सहित जिलेभर की पूजा समितियों के प्रतिनिधि एवं मीडिया कर्मी उपस्थित रहे। उपायुक्त मनीष कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि पूरे डेढ़ महीने तक चले पर्व-त्योहारों को शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने में पुलिस बल, मजिस्ट्रेट, नव-नियुक्त चौकीदारों और शांति समिति के सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। उन्होंने पूर्व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के योगदान के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया तथा वर्तमान एसपी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि कई पंडालों में जनकल्याण से जुड़े संदेश, स्वच्छता जागरूकता तथा रक्तदान को बढ़ावा देने वाले प्रयास विशेष रूप से प्रशंसनीय रहे। विभिन्न स्थानों पर आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप में शामिल सभी 'रक्तवीरों' को उन्होंने धन्यवाद दिया। अतिथियों ने बड़े, मध्यम और छोटे वर्ग के दुर्गापूजा पंडालों, काली पूजा एवं छठ पूजा समितियों को शॉल ओढ़ाकर, मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

सम्मानित दुर्गापूजा पंडाल-2025:
बड़े पंडाल (क्षमता 5000 से अधिक):

अमड़ापाड़ा बाज़ार की दुर्गापूजा समिति और हिरणपुर डाक बंगला दुर्गापूजा समिति को प्रथम पुरस्कार, पाकुड़ राजापाड़ा तथा सरस्वती पुस्तकालय पाकुड़ की दुर्गापूजा समितियों को द्वितीय पुरस्कार, जबकि पाकुड़िया बंगाली टोला तथा महेशपुर थाना पाड़ा की दुर्गापूजा समितियों को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

मध्यम पंडाल (क्षमता 1000-5000):

तारापुर, हिरणपुर की दुर्गापूजा समिति और नारी शक्ति दुर्गापूजा समिति, पाकुड़ को प्रथम पुरस्कार, महाकाल शक्तिपीठ तलवडांगा तथा पाकुड़ सदभावना समिति को द्वितीय पुरस्कार, जबकि कालिकापुराण, पाकुड़ और तोड़ाई, हिरणपुर की दुर्गापूजा समितियों को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

पंडाल (क्षमता 1000-1500):

काठशाला, चांदपुर, रेलवे स्टेशन, रेलवे कॉलोनी, शमशान काली राजापाड़ा, डांगापाड़ा, लिट्टीपाड़ा, तालपहाड़ी लिट्टीपाड़ा, बासमती आमड़ापाड़ा, सिलमपुर महेशपुर, शहरग्राम, रोलग्राम, बाहापुर, मोगलाबांध तथा बनोग्राम सहित सभी छोटे पंडालों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

काली पूजा-2025 उत्कृष्ट आयोजन समिति सम्मानः

कालीतल्ला शमशान काली, राजापाड़ा को प्रथम पुरस्कार, नित्य काली मंदिर राजापाड़ा को द्वितीय पुरस्कार, तथा आमड़ापाड़ा बाज़ार को तृतीय पुरस्कार दिया गया। राजबाड़ी खेपाकाली महेशपुर, बड़कियारी महेशपुर, पाकुड़िया बाजार, बड़काबीला मेला पाकुड़िया, कालीपुर कालीपहाड़ी मेला पाकुड़िया तथा राजापुर मेला पाकुड़िया को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

छठ पूजा-2025 तालाब प्रबंधन समिति सम्मानः

कालीभाषन पोखर, पाकुड़ को प्रथम पुरस्कार, अधाड़ी पोखर, पाकुड़ को द्वितीय पुरस्कार, तथा टीन बंगला पोखर, पाकुड़ को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। रामसागर पोखर महेशपुर, नामोपाड़ा (खेपी पोखर) हिरणपुर, स्व. विभुति दत्ता तालाब हिरणपुर, दुर्गा मंदिर घाट आमड़ापाड़ा, ग्वालपाड़ा महेशपुर तथा शक्ति घाट तिरुपतिया नदी पाकुड़िया को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान पूरे परिसर में सामुदायिक सौहार्द, अनुशासन और उत्साह का अद्भुत माहौल देखने को मिला। जिला प्रशासन ने सभी पूजा समितियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी समन्वित प्रयास को बनाए रखने की अपील की।

चित्रकूट पुलिस बेड़े में शामिल हुए 29 नए पीआरवी वाहन, एसपी ने दिखाई हरी झंडी

चित्रकूटः जनपद में आपातकालीन पुलिस सेवाओं को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से डायल-112 मुख्यालय से भेजे गए 29 नए पीआरवी वाहनों को शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने पुलिस लाइन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। स्कार्पियो और इनोवा मॉडल के ये आधुनिक चार पहिया वाहन पुलिस सेवा को तेज, सहज और अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। एसपी ने बताया कि इन नए वाहनों के शामिल होने से डायल-112 का रिस्पांस टाइम कम होगा। साथ ही अपराध नियंत्रण तथा त्वरित कार्रवाई में बेहतर परिणाम मिलेंगे। उन्होंने कहा कि तैनात पीआरवी वाहनों की संख्या बढ़ने से पुलिस की पहुंच प्रत्येक क्षेत्र तक और तेजी से संभव होगी। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर अरविन्द कुमार वर्मा, क्षेत्राधिकारी यातायात यामीन अहमद, प्रतिसार निरीक्षक राम शीष यादव, प्रभारी डायल-112 शम्भू दयाल मौर्य, एमटी प्रभारी राम सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

बलियाः दूल्हा-दुल्हन का स्टेज अचानक ढहा, बीजेपी जिलाध्यक्ष और पूर्व सांसद सहित कई लोग गिरे; बड़ा हादसा टला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया- आयोजित एक शादी के रिसेप्शन में बुधवार रात बड़ा हादसा हो गया। वर-वधु को आशीर्वाद देने के दौरान अचानक स्टेज भरभराकर ढह गया, जिससे दूल्हा-दुल्हन समेत मंच पर मौजूद सभी लोग नीचे जा गिरे। स्टेज पर बीजेपी जिलाध्यक्ष, पूर्व सांसद और अन्य नेता भी मौजूद थे। गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई।

क्या हुआ था?- शहर के रामलीला मैदान में बीजेपी नेता अभिषेक सिंह 'इंजीनियर' के भाई का रिसेप्शन आयोजित था। समारोह में बीजेपी जिलाध्यक्ष संजय मिश्र, बलिया के पूर्व सांसद भरत सिंह, बांसडीह विधायक के प्रतिनिधि विश्राम सिंह, और बीजेपी के पूर्व जिला महामंत्री सुरजीत सिंह सहित कई नेता पहुंचे थे। दूल्हा-दुल्हन स्टेज पर बैठे हुए थे और लोग उन्हें आशीर्वाद दे रहे थे। इसी दौरान कई नेता एक साथ मंच पर चढ़ गए। दूल्हा सभी के पैर छूकर आशीर्वाद ले ही रहा था कि अचानक स्टेज का संतुलन बिगड़ा और पूरा मंच भरभराकर नीचे गिर गया।

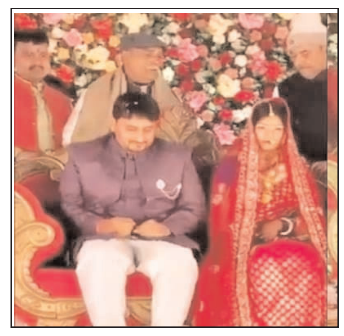

अफरा-तफरी के बीच सभी सुरक्षित निकाले गए- मंच टूटते ही कार्यक्रम में अफरा-तफरी मच गई। लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और गिर चुके सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। एक कार्यकर्ता को हल्की चोटों के अलावा कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। दूल्हा-दुल्हन भी सुरक्षित हैं।

जिलाध्यक्ष ने बताया— कमजोर था मंच- घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी जिलाध्यक्ष संजय मिश्र ने कहा– 'मंच कमजोर था, और आवश्यकता से अधिक लोग चढ़ गए थे। इसी वजह से मंच अचानक टूट गया। संयोग अच्छा था कि किसी को ज्यादा चोट नहीं लगी।'

कर्जन ग्राउंड में दो दिवसीय आर्चरी सांसद खेल महोत्सव का भव्य शुभारंभ

● तीरंदाजी प्रतियोगिता में उमड़ा खिलाड़ियों का उत्साह, राष्ट्रीय मंच तक तैयारी देने का संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत कर्जन ग्राउंड में आयोजित दो दिवसीय आर्चरी (तीरंदाजी) प्रतियोगिता का शुभारंभ शुक्रवार को उत्साह और उल्लास के बीच हुआ। अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 तीनों आयु वर्गों में जिले के कुल 130 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। जिला आर्चरी संघ द्वारा सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर आयोजित यह आयोजन हजारीबाग की उभरती खेल प्रतिभाओं को नई दिशा देने वाला साबित हो रहा है। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता ने तीरंदाजी कर किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि सांसद प्रतिनिधि विनोद झुनझुनवाला, सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, जिला सांसद प्रतिनिधि अजय कुमार साहू, बंटी तिवारी, जयप्रकाश, कोच मनोज कुमार एवं रूपम कुमार उपस्थित थे।उद्घाटन से पूर्व अतिथियों ने मैदान में मौजूद बच्चों से बातचीत की, उनके उत्साह की सराहना की और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। सांसद मनीष जायसवाल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा, 'हजारीबाग की युवा प्रतिभाएं हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य इन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने की मजबूत तैयारी देना है।

'उन्होंने कहा कि जिले के खिलाड़ियों को बेहतर संसाधन और प्रतिस्पर्धी वातावरण उपलब्ध कराना उनका संकल्प है। मुख्य अतिथि उमेश प्रसाद मेहता ने कहा कि कर्जन मैदान में आयोजित यह भव्य आयोजन न सिर्फ अवसर देता है, बल्कि खिलाड़ियों में अनुशासन, धैर्य और लक्ष्य-साधना जैसे गुणों को भी मजबूत करता है। उन्होंने खिलाड़ियों की बढ़ती भागीदारी को हजारीबाग की खेल क्षमता का प्रतीक बताया। पहले दिन खिलाड़ियों का रिपोर्टिंग, दस्तावेज सत्यापन और रैंकिंग राउंड संपन्न हुआ। शनिवार को एलिमिनेशन राउंड, सेमीफाइनल और फाइनल के साथ प्रतियोगिता का समापन होगा। पूरा आयोजन खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा, आधुनिक प्रशिक्षण और अनुभव दिलाने पर केंद्रित है। इससे पूर्व सांसद खेल महोत्सव के तहत नमो फुटबॉल टूर्नामेंट और सांसद चेस प्रतियोगिता सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी हैं। अब तीरंदाजी और कबड्डी को शामिल कर महोत्सव को और व्यापक रूप दिया जा रहा है। कबड्डी प्रतियोगिता विधानसभा-वार आयोजित की जा रही है। महोत्सव के प्रथम दिन कर्जन मैदान खेलभावना, ऊर्जा और उत्साह से सराबोर रहा। बड़ी संख्या में मौजूद दर्शकों और खिलाड़ियों ने आयोजन को यादगार बना दिया।

खजूरडंगाल पंचायत में उपासना मरांडी की पहल पर लगा नया ट्रांसफार्मर, गांव में लौटी रौशनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- पाकुड़िया प्रखंड के खजूरडंगाल पंचायत में बीते दिनों ट्रांसफार्मर चोरी हो जाने के बाद अंधेरे में डूबे ग्रामीणों के घरों में फिर से उजाला लौट आया है। ग्रामीणों की परेशानी की सूचना मिलते ही केंद्रीय समिति सदस्य उपासना मरांडी ने तुरंत पहल करते हुए बिजली विभाग से संपर्क साधा और नए ट्रांसफार्मर की व्यवस्था सुनिश्चित कराई। नए ट्रांसफार्मर की स्थापना में प्रखंड युवा अध्यक्ष एवं स्थानीय नेता मैनेजर हेंब्रम का भी सराहनीय योगदान रहा। उनकी सक्रियता और सहयोग से स्थापना कार्य तेजी व सुचारू रूप से पूरा हो गया। परिणामस्वरूप गांव में बिजली आपूर्ति पुनः बहाल हो चुकी है और ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी की चमक साफ देखी जा रही है। ग्रामीणों ने उपासना मरांडी और मैनेजर हेंब्रम के इस त्वरित तथा जनहितकारी प्रयास की प्रशंसा की और उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इधर, पाकुड़िया प्रखंड के अन्य ग्रामीण क्षेत्रों से भी बिजली आपूर्ति में सुधार की सूचना मिल रही है। लोगों का कहना है कि हाल के दिनों में विधायक स्टेफन मरांडी और उपासना मरांडी की तत्काल हस्तक्षेप से ट्रांसफार्मर बदलने में अब कठिनाई नहीं हो रही है, जबकि पहले खराब ट्रांसफार्मर बदलने में लंबा समय लग जाता था। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि इसी तरह जनप्रतिनिधियों की तत्परता से प्रखंड में विद्युत व्यवस्था और मजबूत होगी।

अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

चित्रकूटः जनपद में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना रैपुरा के उपनिरीक्षक अखिलेश सिंह व उनकी टीम उपनिरीक्षक सुभाषराम व आरक्षी बब्बू राजा द्वारा एक आरोपी को 20 क्वार्टर अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में आरोपी के विरूद्ध थाना रैपुरा में धारा 60 आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।

केंद्र प्रायोजित 50 शैया प्री-फेब्रिकेटेड अस्पताल व 38 पीसीसी सड़कों का हुआ भव्य उद्घाटन

● उपायुक्त मनीष कुमार और विधायक प्रो. स्टेफन मरांडी ने किया लोकार्पण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- पाकुड़िया प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में केंद्र प्रायोजित 50 शैया क्षमता वाले प्री-फेब्रिकेटेड अस्पताल का विधिवत उद्घाटन तथा 38 पीसीसी सड़कों का शिलान्यास 28 नवंबर को समारोहपूर्वक किया गया।

उपायुक्त मनीष कुमार एवं महेशपुर विधायक प्रोफेसर स्टेफन मरांडी ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर दोनों योजनाओं का शुभारंभ किया। कार्यक्रम स्थल पर आगंतुक अतिथियों का स्वागत स्वास्थ्य केंद्र की साहियाओं ने पारंपरिक नृत्य एवं स्वागत गीत के माध्यम से किया।

उद्घाटन समारोह में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. भरत भूषण भगत, गंगा शरण साह, मंजर आलम, वसीम राजा सहित सभी मेडिकल स्टाफ मौजूद रहे। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमनाथ बनर्जी, जिला परिषद अध्यक्षा जुलिखिटमुनी, प्रखंड प्रमुख कालीदास मरांडी, बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा, झामुमो के हरिवंश चौबे, सांसद प्रतिनिधि खुर्शीद आलम तथा जिला के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आए नागरिकों, विशेषकर महिलाओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। हेमंत सोरेन सरकार के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पदाधिकारियों ने मंच से विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। पात्र लाभुकों को प्रशस्ति पत्र एवं कीट प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत शॉल एवं पुष्प देकर किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान पूरे परिसर में उत्साह और जनसहभागिता का विशेष माहौल देखने को मिला।

'गोली मारने' तक पहुंची कांग्रेस नेताओं की तकरार, बिहार में हार पर तीखी बहस

बिहार कांग्रेस के भीतर असंतोष पार्टी की चुनाव-पश्चात पहली समीक्षा बैठक में तेज़ी से उभरकर सामने आया, जहाँ कई उम्मीदवारों ने टिकट आवंटन में खामियों, टिकटों की बिक्री और सहयोगियों के बीच 'दोस्ताना लड़ाई' को हालिया विधानसभा चुनावों में अपमानजनक हार का मुख्य कारण बताया। पार्टी मुख्यालय में बंद कमरे में हुई इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी शामिल हुए। इस बैठक में कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम भी थे।

झारखंड सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लागडुम में हुआ कार्यक्रम, उपायुक्त एवं विधायक हुए शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- झारखंड राज्य सेवा गारंटी अधिनियम के तहत शुक्रवार को प्रखण्ड के लागडुम पंचायत स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त पाकुड़ मनीष कुमार, महेशपुर विधायक प्रो. स्टेफन मरांडी तथा जिला परिषद अध्यक्षा श्रीमती जुलिखिटमुनी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक प्रो. मरांडी ने ग्रामीणों से राज्य सरकार द्वारा संचालित जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार आम जनता के हित में लगातार योजनाएँ चला रही है और इनके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों का विकास तेज गति से हो रहा है। उपायुक्त मनीष कुमार ने सेवा गारंटी अधिनियम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह अधिनियम नागरिकों को समयबद्ध सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लागू किया गया है। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान हेतु तत्पर है। इस अवसर पर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सोमनाथ बनर्जी ने प्रखण्ड क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की जानकारी दी और ग्रामीणों से अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, मुखिया समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय नावाडीह में महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि, वृक्षारोपण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हज़ारीबाग, झारखंडः- उत्क्रमित मध्य विद्यालय नावाडीह में शुक्रवार को महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर श्रद्धांसुमन अर्पित किए गए। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मो. जहांगीर अंसारी ने शिक्षकों व स्थानीय वार्ड सदस्या श्वेता ओझा के साथ मिलकर फुले की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। इसके उपरांत विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस दौरान प्रधानाध्यापक ने छात्रों को महात्मा फुले के जीवन, उनके संघर्ष और सामाजिक योगदान पर विस्तृत रूप से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फुले ने जातिवाद, अस्पृश्यता और लैंगिक भेदभाव के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। वर्ष 1848 में फुले दंपति द्वारा लड़कियों के लिए पहला स्कूल खोला गया था, जिसने सामाजिक सुधार की दिशा में ऐतिहासिक कदम रखा। वर्ष 1873 में उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना कर दलितों व पिछड़े वर्ग के लिए न्याय की नई राह विकसित की। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि फुले विधवा पुनर्विवाह के समर्थक थे और उन्होंने विधवाओं के आश्रय व शिक्षा के लिए विशेष प्रयास किए। डॉ. भीमराव अंबेडकर भी उन्हें अपने गुरु के रूप में सम्मानित करते थे। महात्मा फुले का निधन 28 नवंबर 1890 को हुआ था। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में शिक्षक स्वदेश कुमार ओझा, प्रभात कुमार ओझा, पंकज कुमार ओझा एवं शिक्षिका सरिता कुमारी ओझा शामिल रहीं।

मुख्यमंत्री की बड़ी सौगातः 10 लाख महिलाओं के खाते में पहुंचे 10 हजार, महिला सशक्तीकरण की नई उड़ान

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 1, अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' से 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की 10 लाख लाभुक महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये प्रति लाभुक की दर से 1000 करोड़ रुपये की राशि का रिमोट का बटन दबाकर अंतरण किया। इसके पूर्व 1 करोड़ 46 लाख लाभुक महिलाओं के खाते में 14 हजार 600 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की जा चुकी है।

ज्वाइंट डायरेक्टर और डीएम ने जाना किसान उत्पादक संगठन का हाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूटः जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने शुक्रवार को केंद्रीय ज्वाइंट डायरेक्टर मनीषा चंद्रा और मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर के साथ भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित 10,000 किसान उत्पादक संगठन (एफपी.ओ.) के अंतर्गत संचालित कर्वी ऑर्गेनिक एफपी.ओ. का निरीक्षण किया। यहां अधिकारियों ने स्वयं सहायता समूह (एस.एच.जी.) की महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे मिलेट्स (श्री अन्न) आधारित उत्पादों का अवलोकन किया और उनके कार्य की सराहना की। एफपी.ओ. परिसर में डीएम ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे सावा चावल, कोदो चावल, रागी, ज्वार, बाजरा आटा, दलहन, तिलहन, काला गेहूं दलिया, कठिया गेहूं दलिया समेत अनेक जैविक खाद्य उत्पादों का अवलोकन किया। एफपी.ओ. के सीईओ सत्येंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार जैविक उत्पाद दिल्ली, उत्तराखंड, लखनऊ, बांदा, महोबा, सीधी और शहडोल सहित कई शहरों में भेजे जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण का बेहतर अवसर मिला रहा है। इस दौरान किसान सुशील कुमार ने कहा कि मिलेट्स प्रोसेसिंग मशीन की आवश्यकता है जिससे उत्पादन और प्रसंस्करण की प्रक्रिया में तेजी आएगी तथा किसानों को अधिक लाभ मिल सकेगा। इस पर जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने कहा कि जनपद में मिलेट्स कैंटीन और मिलेट्स स्टोर स्थापित किए जाएंगे, इससे मिलेट्स उत्पादों की बिक्री और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की आय में वृद्धि होगी। केंद्रीय ज्वाइंट डायरेक्टर मनीषा चंद्रा ने रासायनिक खाद की जगह जैविक खाद के उपयोग पर बल देते हुए कहा कि जैविक विधि से तैयार अनाज का स्वाद और पोषण दोनों बेहतर होते हैं और यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी अधिक लाभकारी है। कहा कि जैविक खेती से कृषि की लागत कम होती है और उपज की गुणवत्ता बढ़ती है। इसी क्रम में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत सेमरिया जगन्नाथ वासी गांव में 10 हेक्टेयर क्षेत्र में किसानों द्वारा तैयार की जा रही अरहर क्लस्टर खेती का भी निरीक्षण किया गया।

अधिकारियों ने खेतों में पहुंचकर किसानों से संवाद किया तथा उनकी समस्याएँ सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए। इस मौके पर किसान श्रीधर त्रिपाठी, कमलेश, रमेश, मिथलेश, जगमोहन, राजेश कुमार, नहू प्रसाद, जयगोपाल, कौशलेश सिंह आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पूर्वदशम व दशमोत्तर छात्रवृत्ति शासन ने नई समय-सारिणी जारी

ललितपुर। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी आशुतोष सिंह ने अपर मुख्य सचिव के शासनादेश द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में पूर्वदशम छात्रवृत्ति कक्षा 09-10 तथा दशमोत्तर छात्रवृत्ति कक्षा 11-12 योजनान्तर्गत शिक्षण संस्थाओं को मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने, छात्रों द्वारा ऑनलाइन आवेदन से छात्रवृत्ति वितरण तक संशोधित समय-सारिणी निर्गत की गयी है। समय-सारिणी के अनुसार प्रक्रियात्मक कार्यवाही शिक्षण संस्थाओं द्वारा मास्टर डाटा तैयार करना 25 नवम्बर, 2025 से 01 दिसम्बर, 2025 तक छात्रों द्वारा पंजीकरण ऑनलाइन आवेदन 25 नवम्बर 2025 से 06 दिसम्बर, 2025 तक शिक्षण संस्थाओं द्वारा आवेदन पत्र को आवेदन ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित किया जाना, 25 नवंबर, 2025 से 13 दिसंबर, 2025 तक जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा वास्तविक छात्रों का सत्यापन करना, 15 दिसंबर, 2025 से 20 दिसंबर, 2025 तक जनपदीय छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति द्वारा शुद्ध एवं संदेहास्पद डाटा लॉक करना, 23 दिसंबर, 2025 से 31 जनवरी, 2026 तक धनराशि का अन्तरण 09 फरवरी, 2026 तक इस क्रम में जनपद की समस्त शिक्षण संस्थाओं एवं छात्र-छात्राओं से अपेक्षा है कि पूर्वदशम छात्रवृत्ति कक्षा 9-10 एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति कक्षा 11-12 योजनान्तर्गत समस्त वांछित कार्यवाही शासन द्वारा निर्धारित उपरोक्त समय-सारिणी के अनुसार पूर्ण करने का कष्ट करें।

निधन पर व्यापारी नेताओं ने जताया शोक

ललितपुर। उ.प्र.उद्योग व्यापार मंडल कार्यालय पर एक शोक बैठक आयोजित की गई, जिसमें व्यापार मंडल के वरिष्ठ नेता झांसी मंडल वरिष्ठ उपाध्यक्ष पं.अवध बिहारी उपाध्याय की धर्मपत्नी उषा उपाध्याय के असमय निधन एवं मड़ावरा व्यापार मंडल के महामंत्री प्रियंक सराफ के दादाजी टीकमचंद सराफ के निधन पर गहरा शोक व्यक्त कर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दिवंगत आत्माओं की शांति एवं सद्गति हेतु प्रार्थना की गई। इस दौरान महेंद्र जैन मयूर, प्रदीप कुमार त्रिपाठी, महेश जैन मोनू, अनिल जैन, अनिल अंचल, पंकज, नवीन सिंघई, अशोक अनोरा, मुन्नालाल जैन, डा.प्रीतम सराफ, आनंद जैन, जयनारायण शर्मा, सुरेन्द्र, विजय, मनोज सोनी मज्जू, मनोज 56, राजीव सुडेले, उदयभान यादव, हरीश सिंघई, राजीव चौधरी, लखन अग्रवाल, संजीव कप्तान, मुकेश जैन, नीतीश जैन, राजेंद्र जैन, रामप्रकाश साहू, संतोष साहू, सनत जैन, विनय जैन, रमाकांत तिवारी, अरविंद जैन, ज्ञानप्रकाश खंडेलवाल, अभय जैन एड., संजय खन्ना, अजमेरी खान, पंचम जैन, राजीव पटवारी, महेश जैन, पार्षद आलोक जैन मयूर, अंकित सतभैया, जिनेंद्र पंसारी, राहुल मोदी, सतीश जैन, जितेंद्र, अवनीश बुखारिया, दीपक सिंघई, उपेंद्र जैन, हेमन्त सिंघई आदि मौजूद रहे।

मापन शिविर मे उपकरण के लिए लाभान्वित किए गये 84 दिव्यांग बच्चे

दिव्यांग बच्चों के पुनर्वास उपकरण के लिए सहायक उपकरण की अवश्य आवश्यकता होती है - बीईओ

महरौनी (ललितपुर)- में एलिम्को कानपुर एवं राज्य परियोजना लखनऊ के सहयोग से तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ललितपुर एवं खंड शिक्षा अधिकारी महरौनी के निर्देशन में विशिष्ट आवश्यकता वाले शारीरिक मानसिक दृष्टि शारीरिक मानसिक दृष्टि एवं श्रवण बाधित दिव्यांग बच्चे हेतु सहायक उपकरण एवं उपकरण वितरण में 84 मापन का मापन किया गया इस अवसर पर राजकुमार पुरोहित खंड शिक्षा अधिकारी महरौनी ने कहा दिव्यांग बच्चों के पुनर्वास के लिए सहायक उपकरण की आवश्यकता होती है, सुजीत मौर्य ने कहा कि हमारा उद्देश्य है जनपद अधिक से अधिक दिव्यांग बच्चों को उपकरण दिलाना, एलिम्को कानपुर से आये डॉ पिंटू पी एन डी ओ, प्रेरणा पी एन डी ओ, राजीव कुमार आईडियोलॉजिस्ट, अरविंद कुमार टेक्नीशियन, प्रिंस कुमार सिंह डाटा एंट्री ऑपरेटर स्पेशल एजुकेटर शिवकुमार मौर्य पुनीत कुमार प्रतीक दीक्षित, हरिओम, जगदीश परिहार प्रशांत श्रीवास्तव जितेंद्र सिंह पुष्पेंद्र हेमंत द्विवेदी आदि बी आर सी स्टॉफ उपस्थित रहा, ज्ञानेश तिवारी द्वारा आए समस्त आगंतुकों, अभिभावकों को आभार व्यक्त किया।

बजाज फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के नाम पर लोन करने का मामला

●पुलिस ने चार जालसाजों को धर दबोचा, म.प्र. व उ.प्र. के रहने वाले हैं बदमाश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। बजाज फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड से लोन दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी कर लाखों रुपये की हानि कम्पनी को पहुंचाने वाले चार शातिर बदमाशों को कोतवाली पुलिस ने धर दबोचा है। प्रॉपर्टी लोन के नाम पर करीब पौने दो करोड़ रुपये का गबन करने वाले शातिर बदमाशों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गयी, जिसमें उन्होंने अपना जुर्म कबूल करते हुये पुलिस के समक्ष पूरी घटना का पटाक्षेप किया। कोतवाली पुलिस ने बताया कि बीती पांच अगस्त 2025 को शाम करीब साढ़े छह बजे मु.अ.सं.0881 को झांसी निवासी संदीप सिंह सोलंकी ने बताया कि वह बजाज फाइनेंस लिमिटेड में असिस्टेन्ट मैनेजर रिस्क के पद पर तैनात है। आरोप लगाया कि कम्पनी में ही कार्यरत आधा दर्जन से अधिक लोगों ने धोखाधड़ी कर कम्पनी के नाम से लोगों को लोन दिलाने के नाम पर करीब 1 करोड़ 71 लाख 1703 रुपये की धोखाधड़ी को अंजाम दिया है। पुलिस ने संदीप सिंह की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4), 336(3), 338, 340(2), 61(2), 341(2) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। एडीजी कानपुर जोन, डीआईजी झांसी व एसपी ललितपुर मो.मुश्ताक के संयुक्त निर्देश, एएसपी कालू सिंह व सीओ सिटी अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में कोतवाली प्रभारी अनुराग अवस्थी व निरीक्षक नरेन्द्र सिंह ने अपनी टीम के साथ पड़ताल शुरू की। जांच के दौरान प्रकाश में आये टौरिया मंदिर के पास नेहरू नगर निवासी महेन्द्र राय पुत्र रामबकश राय, कमिश्नरेट उत्तरी लखनऊ के कस्बा व थाना पारा अंतर्गत गली नं. 5 गायत्री बिहार निवासी अभिनव निगम पुत्र राजेश निगम, म.प्र.ग्वालियर में थाना मुरार अंतर्गत ब्रिज कालोनी कालपी निवासी पारस वर्मा पुत्र घनश्याम, म.प्र. जिला शिवपुरी के थाना दिनारा अंतर्गत पुराना पोस्ट ऑफिस के पास अम्बेडकर पार्क निकट निवासी विकास दिवाकर पुत्र विजय बाबू दिवाकर को पुलिस ने धर दबोचा है। इनके पास से पुलिस ने चार मोबाइल फोन व 4900 रुपये नकद बरामद किये हैं। पूछताछ के दौरान उक्त लोगों ने बताया कि वह संगठित गिरोह बनाकर लोगों को गुमराह करते थे और लोन दिलाने के नाम पर कम्पनी में काम करने का अनुभव होने के जरिए ठगी को अंजाम देते थे। बताया कि अपनी ओर से पम्पलेट छपवाकर चस्पा कर दिये थे, जिससे लोगों द्वारा सम्पर्क करने पर उन्हें प्रोपर्टी इत्यादि के कूटरचित दस्तावेज बनाकर लोन दिलाने की प्रक्रिया कराते थे और अन्य दस्तावेजों के आधार पर लोन स्वीकृत कराकर रुपये निकासी कर आपस में बांट लेते थे।

सड़क निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन नपाध्यक्ष ने वार्ड में किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। वार्ड नंबर बीस तालाबपुरा में डाली जा रही सीसी सड़क व नाली निर्माण कार्य का नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने भूमि पूजन किया। इस दौरान प्रस्तावित सीसी सड़क के बीच स्थित काली माता मंदिर पर नपाध्यक्ष ने पूजन अर्चन भी किया। उन्होंने अवर अभियंता को निर्देशित किया कि डाली जा रही सड़क व नाली निर्माण कार्य की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए कार्य कराया जाये। यह भी कहा कि डाली जा रही सड़क को समयावधि पर ही पूर्ण कर लिया जाये। इस दौरान वार्ड पार्षद जगदीश यादव, विवेक जैन, अवर अभियंता निधि पाण्डेय, हितेन्द्र रैकवार सहित संबंधित ठेकेदार व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। इसके बाद नपाध्यक्ष ने मोहल्ला तालाबपुरा में बंध के पास गलियों में हो रहे जल भराव की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए निरीक्षण किया। उन्होंने पालिका द्वारा बनाये गये नाले का भी निरीक्षण किया। मोहल्लेवासियों ने बताया कि बारिश के समय में गलियों में अत्याधिक जल भराव हो जाता है, पानी के निकासी का कोई समाधान नहीं है। जिस पर अध्यक्ष ने जेई को निर्देशित किया कि मोहल्लेवासियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए पानी निकासी के लिए नाला निर्माण कराया जाये, जिससे कि मोहल्लेवासियों को समस्या उत्पन्न न हो। इसके अलावा उन्होंने तालाब बंध के पास स्थित सार्वजनिक शौचालय का निरीक्षण कर देखा कि शौचालय जीर्णशीर्ण अवस्था में था। वार्ड पार्षद द्वारा अवगत कराया गया कि मोहल्ले में शौचालय की स्थिति जीर्णशीर्ण होने के चलते मोहल्लेवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है, जिस पर अध्यक्ष द्वारा मरम्मत कराये जाने के निर्देश अवर अभियंता को दिये गये।

रक्तदान जागरूकता की मिसाल बने प्रिंस राठौर और राधिका तिवारी, जालौन में हुए सम्मानित

तालबेहट। रक्तदान के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने और जरूरतमंदों की मदद के लिए लगातार सक्रिय रहने वाले समाजसेवी प्रिंस राठौर और राधिका तिवारी को जालौन के मानपुरा (छौना) में आयोजित वीर कुंवर जनकल्याण सेवा फाउंडेशन के प्रथम वार्षिकोत्सव के सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया।

प्रगति रक्तदान सेवा समिति के अध्यक्ष प्रिंस राठौर और राधिका तिवारी लंबे समय से रक्तदान को बढ़ावा देने, लोगों को प्रेरित करने और सामाजिक सेवा के विभिन्न कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनके निरंतर प्रयासों और योगदान को देखते हुए संस्था की ओर से दोनों को स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

ग्रामीणों और आगंतुकों ने प्रिंस राठौर और राधिका तिवारी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से रक्तदान अभियान को नई दिशा और ऊर्जा मिली है।

बाइक की टक्कर से युवक की मौत पर एफआईआर दर्ज

ललितपुर। थाना बार क्षेत्र के ग्राम सेमरा भागनगर निवासी सुपनेखा ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि 5 नवम्बर 2025 को अपराह्न करीब 2 बजे उसका पति राजेश कुमार अपनी मोटर साइकिल से चिगलौआ गांव से घर वापस लौट रहा था। जब वह चिगलौआ स्कूल के पास पहुंचा ही था कि तभी पीछे से आ रही मोटर साइकिल सं. यू.पी.94 ए.के. 9132 के अज्ञात चालक ने तेजी व लापरवाही से उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसी दौरान पीछे से आये रोहित पुत्र शिवराम व जयराम पुत्र दलपत ने घायल को एम्बुलेंस के जरिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बार पहुंचाया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। बताया कि जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसके पति ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना पर पुलिस ने पीड़िता की तहरीर अनुसार मोटरसाइकिल चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281 व 106 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

फैक्ट्री जा रहे उद्यमी पर जानलेवा हमला, एफआईआर दर्ज

●दूसरे पक्ष ने लगाया मारपीट कर घड़ी तोड़ने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। फैक्ट्री जा रहे उद्यमी के साथ दबंग ने हमला कर दिया। इस मामले के प्रकाश में आने पर हड़कंप मच गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। मोहल्ला चौका बाग निवासी अनुपम शर्मा पुत्र कैलाश शर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गुरुवार को अपराह्न करीब 12 बजे वह अपनी झील कपर वटर की फैक्ट्री में जा रहा था। तभी रेलवे स्टेशन के पास रहने वाले अमन पाराशर ने उसका रास्ता रोक लिया और गालियां देने लगा। मना करने पर उसके साथ हाथ के कड़े से मारपीट कर दी। इस हमले में उसे सिर में गंभीर चोटें आयीं। आस पास के लोगों ने उसका बचाव किया तो अमन पाराशर उसे जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया। पीड़ित ने बताया कि उक्त अमन आपराधिक किस्म का व्यक्ति है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अमन पाराशर के खिलाफ बीएनएस की धारा 126 (2), 115 (2), 352, 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से अमन पाराशर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह पनारी स्थित कॉलेज में पेपर देने के लिए जा रहा था, तभी रास्ते में वह अपने दोस्त सुधांशु शर्मा से बात करने लगा। इसी बीच अनुपम शर्मा उमरिया आया और उसके दोस्त का मजाक उड़ाने लगा। मना करने पर गालियां देते हुये मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि अनुपम ने उसके हाथ की घड़ी भी तोड़ दी। पुलिस ने अमन पाराशर की तहरीर पर अनुपम शर्मा के खिलाफ बीएनएस की धारा 324 (2), 115 (2), 352, 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

दो दिवसीय डिस्ट्रिक्ट ओरिएंटेशन वर्कशॉप हुयी शुरू

●सीएमओ ने अधिकारियों को किया सम्बोधित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिले के सभी ब्लॉकों से आये कोल्ड चेन हैण्डलर्स के लिये कार्यालय सभागार में दो दिवसीय डिस्ट्रिक्ट ओरिएंटेशन वर्कशॉप का शुभारंभ किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों को कोल्ड चेन उपकरणों के रख-रखाव के संबंध में तथा टीकों के द्वारा बचाव की जा सकने वाली बीमारियों यथा मिजिल्स, रूबेला, पोलियो एव डिप्थीरिया तथा टिटनेस, नियमित टीकाकरण आदि के संबंध में प्रशिक्षित किया गया। सीएमओ डा.इम्तियाज अहमद ने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से कोल्ड चेन उपकरणों के रख-रखाव में मदद मिलेगी। समस्त चिकित्सकों एवं टीकाकरण कर्मियों को टीकाकरण की अधुनातन जानकारी होना अत्यन्त आवश्यक है। प्रतिरक्षण अधिकारी डा.शिवप्रकाश ने टीकाकरण के दौरान दिये जाने वाले 04 महत्वपूर्ण सन्देशों के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में वैक्सीन के वैज्ञानिक ढंग से रख-रखाव पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें अलग-अलग प्रकार की वैक्सीन के लिए तापमान सीमा, भंडारण की स्तरबद्ध व्यवस्था (फ्रीजर, आईएलआर, रेफ्रिजरेटर आदि) वायरल के स्थान और फस्ट इन फस्ट आउट/फस्ट एक्सपायर फस्ट आउट सिद्धांतों के पालन पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों को यह सिखाया गया कि फ्रिज अथवा आईएलआर के भीतर तापमान का वितरण समान नहीं होता, इसलिए, हर वैक्सीन को उसके निर्धारित स्तर पर ही रखा जाए और दरवाजा बार-बार खोलने से बचा जाए। साथ ही, बिजली बाधित होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था, आइस-पैक प्रबंधन तथा कोल्ड बॉक्स के सही उपयोग पर भी व्यवहारिक अभ्यास कराए गए। डिस्ट्रिक्ट पब्लिक हैल्थ एक्सपर्ट डा.सौरभ सक्सेना ने टीकाकरण के बारे में प्रशिक्षण देते हुये वैक्सीन की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए कोल्ड चेन पॉइंट पर तापमान की सतत और सटीक निगरानी पर विशेष बल दिया। यह यह भी बताया गया कि यदि निर्धारित तापमान सीमा से मामूली विचलन भी हो जाए, तो वैक्सीन की प्रभावशीलता कम हो सकती है, इसलिए हर कोल्ड चेन हैंडलर का यह कर्तव्य है कि वह दिन में कई बार तापमान दर्ज करे, रिकॉर्ड सुरक्षित रखे और किसी भी असामान्यता की स्थिति में तत्काल उच्च अधिकारियों को सूचित करे। टीकाकरण की जानकारी सभी को होना एवं बच्चों का टीकाकरण समय पर कराना जरूरी है। प्रशिक्षण के दौरान एसएमओ डब्लूएचओ डॉ. सुमित बघेल, डीएमसी यूनिसेफ सबा परवीन, यूसीडीडी शिवेन्द्र, वीसीसीएम यूएनडीपी कहकशा सिद्दिकी एवं ब्लॉक से आए कोल्ड चेन हैण्डलर्स सीएमओ कार्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

परिवार नियोजन के लिए गांव- गांव तक चलेगा जागरूकता अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। मेडिकल कॉलेज की उप प्रधानाचार्या डा.श्रुति सिंह ने जिला महिला चिकित्सालय में सारथी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सीएमओ डा. इम्तियाज अहमद ने बताया कि 21 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत परिवार नियोजन पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस पखवाड़े का उद्देश्य शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जनमानस को परिवार नियोजन कार्यक्रम के प्रति जागरूक करना है। इस दौरान सारथी वाहन शहरी और ब्लाक में गांव-गांव घूम कर परिवार नियोजन के साधनों को बढ़ावा देने हेतु परिवार नियोजन के अस्थाई और स्थाई साधनों के प्रयोग के लिये प्रेरित कर सीमित और छोटे परिवार का संदेश देने और दो बच्चों के जन्म में तीन साल का अन्तर रखने का संदेश देने साथ ही वहां के लोगों को जागरूक करने का काम करेगा। नोडल अधिकारी परिवार कल्याण डा.प्रदीप सिंह यादव ने बताया कि सारथी वाहन के माध्यम से गांव-गांव, मोहल्लों, चौक-चौराहों, स्टेशन, बस स्टैंड, पार्क आदि प्रमुख स्थानों पर जागरूकता गतिविधियां चलाई जाती हैं। इन वाहनों पर ऑडियो सामग्री के जरिए संदेश प्रसारित किए जाते हैं, जिससे अधिक लोगों तक जानकारी पहुंच सके। परिवार नियोजन स्वास्थ्य और विकास की नींव है, इसलिए हम जागरूकता के लिए सारथी वाहन का सहारा ले रहे हैं। इस दौरान समस्त जिला स्तरीय तथा ब्लॉक स्तरीय चिकित्सालयों में प्रतिदिन पुरुष एवं महिला नसबंदी के साथ अन्य परिवार नियोजन संबंधी सेवायें जैसे कॉपर टी, अंतरा इंजेक्शन, माला एन गोली, छाया गोली, इमरजेंसी कॉण्ट्रासैप्टिव पिल्स तथा कन्डोम की मुफ्त सेवा उपलब्ध रहेगी। एएनएम व आशा कार्यकर्ती पुरुषों को परिवार नियोजन के साधनों, सीमित परिवार के लाभ, विवाह की सही आयु, दो बच्चों के जन्म अंतराल तथा प्रसवोत्तर सेवाओं की जानकारी देंगें। सारथी वाहन के माध्यम से परिवार नियोजन की आवश्यकता, परिवार नियोजन के साधनों, महिला एवं पुरुष नसबंदी के फायदे तथा इसके लिए लाभार्थी को दी जाने वाली धनराशि के बारे में जानकारी दी जायेगी। पब्लिक हैल्थ स्पेशलिस्ट डॉ सौरभ सक्सेना ने बताया कि सारथी वाहन अभियान के जरिए हम गांव-गांव, घर-घर तक जागरूकता पहुँचा रहे हैं और लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ रहे हैं। परिवार नियोजन पखवाड़े की वर्तमान थीम स्वस्थ एवं खुशहाल परिवार, पुरुष सहभागिता से ही होगा यह सपना साकार है। यह थीम विशेष रूप से पुरुष नसबंदी को बढ़ावा देने और परिवार नियोजन में पुरुषों की भागीदारी को बढ़ाने पर केंद्रित है। उन्होंने जनमानस से अधिक से अधिक संख्या में परिवार नियोजन पखवाड़ा का लाभ उठाने की अपील की। इस दौरान सर्जन डा.डीके राज, डीईआईसी मेनेजर डा.सुखदेव पंकज, हॉस्पिटल मेनेजर नंदलाल, मेडिकल कॉलेज का स्टाफ एवं आशाएं आदि उपस्थित रहे।

महरौनी में विशेष एस आई आर शिविर आयोजित - बीएलओ ने मौके पर ही किए दस्तावेजों का निस्तारण, आमजन ने सराहा प्रयास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महरौनी। नगर पंचायत महरौनी के तत्वाधान तथा उपजिलाधिकारी रजनीश कुमार के दिशा-निर्देश में शुक्रवार को सीबी गुप्ता इंटर कॉलेज के प्रार्थना स्थल पर विशेष स्क्रूक शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना और सरकारी योजनाओं से संबंधित कार्यों को तत्काल पूरा कराना रहा। शिविर में बीएलओ (BLO) ने बड़ी संख्या में आए नागरिकों की दस्तावेज संबंधी समस्याओं–जैसे नामांकन, संशोधन, सुधार, नाम जोड़ने-घटाने इत्यादि–का मौके पर ही निस्तारण किया। लोग सुबह से ही अपने दस्तावेजों के साथ पहुंचे और बीएलओ ने प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को गंभीरता से सुनकर आवश्यक फॉर्म भरवाए तथा पात्रता अनुसार मार्गदर्शन प्रदान किया।

विशेष रूप से बुजुर्गों, दिव्यांगजनों अलग से सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिससे उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। शिविर की व्यवस्थाओं की निगरानी संबंधित विभागीय कर्मचारियों ने की और पूरे कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया, स्थानीय नागरिकों ने कहा कि ऐसे शिविरों से सरकारी सेवाओं तक पहुंच सरल होती है तथा समय और धन दोनों की बचत होती है। उन्होंने प्रशासन की इस पहल की प्रशंसा करते हुए इसे उपयोगी और जनहितकारी बताया। उपजिलाधिकारी रजनीश कुमार के निर्देशन तथा प्रशासनिक टीम के सहयोग से यह शिविर सफल रहा। इस मौके पर बीएलओ प्रदीप मिश्रा, रामेश्वर प्रसाद झा, राहुल पालीवाल, रामप्रकाश तिवारी, भागीरथ, सत्यनारायण लक्ष्मकार, इरसाद, बसंत सेन, अविरल, निशांत सिंह, विपिन, अंकित चौधरी, बालकिशन, अनुराग तिवारी और मनीराम उपस्थित रहे।

बाइक एजेंसी में घुसकर बवाल, मैकेनिक से मारपीट

फाइनेंस को लेकर विवाद में दर्जनों अज्ञात युवकों पर आरोप

तालबेहट। कस्बा में बाइक फाइनेंस के विवाद को लेकर उपजे तनाव ने शुक्रवार को अचानक गंभीर रूप ले लिया, जब दर्जनों अज्ञात युवक हीरो बाइक एजेंसी में घुस गए और वहां मौजूद मैकेनिक के साथ मारपीट कर दी। पूरी घटना एजेंसी में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। सूत्रों के अनुसार, विवाद की शुरुआत पेट्रोल पंप तिराहे से हुई, जहां कुछ युवकों ने एजेंसी के कर्मचारियों पर गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। इसके बाद आरोपी युवक कर्मचारियों का पीछा करते हुए सीधे हीरो एजेंसी पहुंच गए। यहां पहुंचकर उन्होंने जमकर बवाल काटा और एक मैकेनिक को लाठी-डंडों से पीट दिया। मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया और अन्य कर्मचारी जान बचाकर इधर-उधर भागे। घटना की जानकारी मिलते ही एजेंसी संचालक ने पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि फाइनेंस संबंधी किसी पुराने विवाद को लेकर यह मारपीट हुई है। पीड़ित पक्ष ने दर्जनों अज्ञात युवकों के खिलाफ आरोप लगाए हैं। उधर, घटना के बाद दोनों पक्ष कोतवाली पहुंचे, जहां फिलहाल दोनों पक्ष समझौते का प्रयास कर रहे थे।

हाईवे पर हादसा: कार की टक्कर से युवक की मौत, पिता की तहरीर पर मामला दर्ज

तालबेहट। कोतवाली क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में एक 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पिता द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने कार चालक के खिलाफ तेज रफ्तार व लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम नत्थी खेड़ा मजरा नगलवारा निवासी सुरेंद्र यादव का पुत्र गुलशन (19) बीते 24 नवंबर को अपनी मोटरसाइकिल हीरो एक्सट्रीम यूपी 94एसी8853 ल से मामा के घर टपरियन जा रहा था। शाम करीब 5 बजे जब वह तेरई फाटक से आगे हाईवे पर पहुंचा, तभी पीछे से आ रही टाटा मैक्सओन कार (एचआर 10एटी 5099) के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गुलशन गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद ग्रामीण राजन सेन और अवतार यादव ने एंबुलेंस बुलाकर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालबेहट पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मृतक के पिता सुरेंद्र यादव ने कोतवाली तालबेहट में तहरीर देकर न्याय की मांग की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, घटना की सच्चाई के लिए मौके की जांच व अन्य साक्ष्य भी संकलित किए जा रहे हैं।

यूपी 112 टीम ने लोगों को नुक्कड़-नाटक कर किया जागरूक

●कस्बा बार में लखनऊ से आई टीम ने लोगों को डायल 112 के बताए फायदे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बार। कस्बा बार के मेला चौराहे पर शुक्रवार को लोगों से संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से यूपी 112 द्वारा नुक्कड़ - नाटक व एलईडी वाहन के माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान छात्राएं, महिलाएं व ग्रामीणों सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। यूपी 112 टीम ने लोगों से संवाद कर सुरक्षा, सहायता, त्वरित पुलिस सेवा व आपातकालीन स्थितियों में डायल 112 नंबर का महत्व बताकर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डायल 112 सेवा पुलिस सहायता, आग लगने की घटना, मेडिकल इमरजेंसी, बच्चों और बुजुर्गों की सहायता, प्राकृतिक आपदा, घरेलू हिंसा, महिलाओं की सहायता, प्लेटफॉर्म या ट्रेन में सहायता, एक्सप्रेस-वे/हाईवे सुरक्षा और किसी भी अन्य आपात स्थिति में तत्काल मदद प्रदान करती है। दिन हो या रात यूपी 112 हर जरूरतमंद की मदद के लिए तैयार है।इस दौरान छात्र-छात्राओं ने सेवा के प्रयोग को लेकर अपनी जिज्ञासाएं व्यक्त कीं। टीम ने संभ्रांत नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे लोगों को जागरूक कर शासन-प्रशासन का सहयोग करें। इस दौरान बार थाना प्रभारी अजमेर सिंह भदौरिया, उपनिरीक्षक जगत सिंह, राजेश सिंह, निरीक्षक फिदा हुसैन अहमद, अशोक कुमार सिंह, आरक्षी अमन पटेल, आरक्षी चालक नसीम खान (यूपी डायल 112 मुख्यालय लखनऊ) सहित अन्य पुलिसकर्मी और सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट में लगाया स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

●डीएम ने फीता काटकर किया शुभारंभ

चिकित्सकों ने जांचा 478 लोगों का स्वास्थ्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के निर्देशन में कलेक्ट्रेट परिसर में झांसी की एक हॉस्पिटल के द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया, जिसका जिलाधिकारी ने फीता काटकर शुभारंभ किया। मौके पर जिलाधिकारी ने हॉस्पिटल के मोबाइल चार्जिंग स्टेशन का भी शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने कहा कि ललितपुर के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिले, इसके लिए हॉस्पिटल की ओर से यह शिविर लगाया गया है, हॉस्पिटल में लगभग सभी डिपार्टमेंट्स के स्पेशलिस्ट उपलब्ध हैं और आयुष्मान योजना का लाभ भी दिया जाता है। इसके साथ ही जांचे भी न्यूनतम दर पर हो जाती हैं। शिविर में हॉस्पिटल के स्पेशलिस्ट चिकित्सकों के द्वारा कलेक्ट्रेट के अधिकारी/कर्मचारी व मीडिया बंधुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया व परामर्श दिया गया। बताया गया कि झांसी स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा पीपीटी मोड पर अत्याधुनिक मल्टी स्पेशलिटी 200 बेड्स का अस्पताल है, जिसमें आयुष्मान कार्ड द्वारा मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा अन्य मरीजों का भी न्यूनतम दरों पर उपचार किया जा जाता है। हॉस्पिटल में सभी प्रकार के स्पेशलिस्ट चिकित्सक उपलब्ध हैं। आज जन जागरूकता के लिए यह कैम्प लगाया गया है। जनरल मैनेजर डा.अतुल सिंह ने बताया कि इस अस्पताल में 32 डाक्टरों की टीम मौजूद है जिसमें मुख्यत हार्ट सर्जन, डेंटल, फिजिशियन, न्यूरोलॉजी सहित अन्य सभी डिपार्टमेंट के चिकित्सक उपलब्ध हैं। कैम्प में चिकित्सकों द्वारा 478 मरीजों की जांचे की गई और जिन मरीजों को चिकित्सालय आने की सलाह दी जाती है उन्हें निःशुल्क सेवा दी जाएगी। इस दौरान एडीएम अंकुर श्रीवास्तव, एडीएम नमामि गंगे राजेश कुमार श्रीवास्तव सहित कलेक्ट्रेट के अन्य अधिकारी/कर्मचारी, मीडिया बंधु, डा.चारू कीर्ति मोहन, डा.सारा अग्रवाल, डा.निधि आहूजा, डा.तारा निगम उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

एसआईआर फॉर्म जमा करने की तिथि बढ़ाना जरूरी - डॉ. नीरज

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी के कैम्प कार्यालय पर सभी राजनैतिक दलों के जिला अध्यक्षों/प्रतिनिधियों के साथ शुक्रवार को आयोजित बैठक के उपरान्त मतदाता विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में आ रही गम्भीर दिक्कतों के समाधान एवं समय सीमा बढ़ाये जाने हेतु चुनाव आयुक्त,केंद्रीय चुनाव आयोग, नई दिल्ली को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी को सौंपा गया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी ने मांग किया कि एसआईआर फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि तत्काल प्रभाव से बढ़ाई जाय ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक बिना किसी बाधा के अपने नाम दर्ज कर सके।प्रशासन द्वारा बीएलओ पर बनाये जा रहे दबाव को तत्काल रोका जाय ताकि वह निष्पक्ष शांतिपूर्वक और सटीक तरीके से कार्य कर सके।श्री त्रिपाठी ने मांग किया कि तकनीकी गड़बड़ियों के समाधान हेतु विशेष सहायता टीम एवं हेल्पलाइन की स्थापना की जाय।आम आवेदकों को फॉर्म जमा करने में किसी भी प्रकार की अनावश्यक रोक-टोक ना की जाय।

एसडीएम सदर ने एसआईआर फॉर्म की प्रगति की जांच के लिए किया बूथों का निरंतर

प्रतापगढ़ । उप जिलाधिकारी सदर प्रतापगढ़ नैंसी सिंह ने शुक्रवार को बूथो का निरीक्षण किया । जिलाधिकारी प्रतापगढ़ शिव सहाय अवस्थी के निर्देशन में उप जिला अधिकारी सदर प्रतापगढ़ नैंसी सिंह ने प्राथमिक विद्यालय सगरा एवं अन्य वूथो का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने पाया कि सगरा वूथ पर सभी बीएलओ बैठकर ऑनलाइन कार्य संपन्न कर रहे थे।ऑनलाइन फीडिंग का कार्य संतोष जनक पाया गया जिस पर वहां लगे बीएलओ एवं सुपरवाइजर धर्मेंद्र ओझा एवं सहयोग कर रहे सभी स्टाफ की सराहना की और कहा कि आगे भी इसी प्रकार की गति से आप लोग कार्य करते रहे। एसआईआर फॉर्म ऑनलाइन करते समय सावधानीपूर्वक ऑनलाइन करें। यदि किसी को किसी भी प्रकार की समस्या हो तो तत्काल अवगत कराया जाय, जिससे समय से एसआईआर का कार्य पूर्ण हो सके।इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरते। इसी उत्साह एवं लगन से आगे भी कार्य करते रहें। जिस बूथ कि प्रगति धीमी रही वहां निर्देशित किया कि अपनी प्रगति और बढ़ाइए। साथ में विधानसभा प्रतापगढ़ के बीआरसी अरविंद मौजूद रहे।

वृद्धा आश्रम में वृद्धजनों को जलपान कराया समाजसेवी

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के नौगढ़ स्थित वृद्धा आश्रम में पहुँचकर समाजसेवी भगवान प्रसाद चौधरी ने वृद्धजनों को जलपान कराया । समाजसेवी भगवान प्रसाद चौधरी ने तमाम लोग के साथ चाय, समोसा विस्किट लेकर नौगढ़ स्थित वृद्धाश्रम पहुंचे। उन्होंने सभी वृद्धजनों को नाश्ता कराया और वृद्धजनों से आशीर्वाद लिया । भगवान प्रसाद चौधरी ने कहा कि वृद्धा आश्रम पहुंचकर वृद्धजनों का सेवा कर मन खुश हो गया।

दहेज हत्या का वांछित धराया, गया जेल

लालगंज, प्रतापगढ़। दहेज हत्या के मुकदमे मे वांछित चल रहे चार आरोपियो को पुलिस ने गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया। उदयपुर थाना के दरोगा रामबली चौहान शुक्रवार को पुलिस बल के साथ गश्त पर निकले थे। इसी बीच मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र के खानीपुर निवासी दूधनाथ व उसके पुत्रगण कुलदीप, संदीप तथा पत्नी धनपती को घर के समीप से धर दबोचा। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि गिरफ्तार किये गये आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

श्रमिक हितों की अनदेखी करने वाले श्रम संहिताओं को रद्द करना जरूरी - हेमंत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। भारत सरकार द्वारा चार श्रम संहिताओं के लिए जारी अधिसूचना पर जिला ट्रेड यूनियन काउंसिल प्रतापगढ़ के तत्वावधान में जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए एक ज्ञापन राष्ट्रपति भारत सरकार को जिला अधिकारी प्रतापगढ़ के माध्यम से दिया गया। ज्ञापन में प्रमुख रूप से श्रम हितों की अनदेखी करते हुए श्रम संहिताओं को लागू किए जाने पर उसे तत्काल प्रभाव से रद्द किए जाने पुराने श्रम कानून को प्रभावी बनाए रखना और उसे सख्ती से लागू किए जाने पर बल देते हुए कहा गया कि नई श्रम संहिता लागू होने से उद्योग में 51% श्रमिकों की सदस्यता पर यूनियन की मान्यता जैसे कड़े प्रावधान बनाने से श्रमिकों के अधिकारों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।12 घंटे तक काम लिए जाने से श्रमिकों का भारी शारीरिक शोषण होगा पूर्व में श्रम अधिकार के रूप में जो कानून के अंदर प्राप्त था उसे अब योजना का स्वरूप दे दिया गया है जिसके चलते श्रमिकों का शोषण बढ़ेगा। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि किसी भी कानून को लागू करने से पूर्व उसके हितों को प्रभावित करने वाले वर्ग के साथ व्यापक चर्चा व विचार विमर्श और सहमत के उपरांत ही उसे लागू किया जाना लोकतंत्र का तकाजा रहा है, जिसे भारत सरकार द्वारा पूर्ण रूप से हटवादिता पूर्वक नकारा जा रहा है। ज्ञापन में 13 सूत्रीय मांग की गई है जिनमें प्रमुख रूप से श्रम संस्थाओं को तत्काल प्रभाव से वापस लिए जाने पुराने श्रम कानून को प्रभावी बनाए रखते हुए उसका पालन कराया जाने नियमित प्रकृति के काम में संविदा और आउटसोर्सिंग को पूर्ण रूप से समाप्त करते हुए वर्तमान में कार्यरत संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारी को स्थाई कर्मचारी का दर्जा दिए जाने केंद्र व राज्य सरकार के सभी विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती किए जाने विद्युत बिल 2025 को तत्काल प्रभाव से वापस लिए जाने गरीब श्रमिकों व आम उपभोक्ताओं पर प्रीपेड मीटर न थोपे जाने एवं 300 यूनिट बिजली हर घरेलू उपभोक्ता को मुफ्त में दिए जाने केंद्र सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना को बहाल किए जाने इपीएफ पेंशन भोगियों को भी ऑप्सन में शामिल किए जाने रेलवे रक्षा बैंक बीमा शिक्षा स्वास्थ्य सहित सभी सरकारी प्रतिष्ठानों का निजीकरण रोके जाने इसमें ठेका कारण को समाप्त किए जाने और किसी भी प्रकार के सरकारी क्षेत्र व उसके अधीन निगमन में निजी क्षेत्र के प्रवेश को रोके जाने विभिन्न स्कीम वर्कर यथा बाल विकास परियोजना के आंगनबाड़ी कर्मियों मध्यान्ह भोजन योजना के रसोईया कर्मियों राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत आशा वर्कर मनरेगा योजना में रोजगार सेवकों प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्र सहित सभी स्कीम वर्कर्स को राज्य कर्मचारी का दर्जा दिए जाने न्यूनतम मजदूरी 26000 से काम न किए जाने सभी श्रमिकों को चाहे वह संगठित हो या असंगठित क्षेत्र उन्हें 10000 की पेंशन दिए जाने ईपीएफ और ईएसआई में वेतन सीमा 31000 किए जाने न्यूनतम मजदूरी का अनिवार्य रूप से पालन किए जाने और मनरेगा में मजदूरी को दोगुना किए जाने तथा श्रमिकों को कम से कम 200 दिन काम की उपलब्धता सुनिश्चित कराए जाने भारत सरकार द्वारा श्रम सम्मेलन को तत्काल बुलाए जाने एवं नियमित रूप से सम्मेलन का आयोजन किए जाने की मांग की गई है। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस के प्रदेश मंत्री हेमंत नंदन ओझा जिला ट्रेड यूनियन काउंसिल के महामंत्री एन मिश्रा संरक्षक वीपी त्रिपाठी रामबरन सिंह, राजमणि पांडे जिला मंत्री भाकपा ,बिजली कर्मियों के नेता कमलेश तिवारी, ओम प्रकाश सिंह, राघवेंद्र मिश्रा , राम अचल वर्मा पूर्व सदस्य जिला पंचायत,मीटर रीडर यूनियन के अध्यक्ष अमरनाथ यादव, बिजली कर्मचारियों के नेता ओम प्रकाश सिंह ,पल्लेदार मजदूर यूनियन के मंत्री महेश सरोज, आदि प्रमुख रूप से थे। इस अवसर पर किसान सभा के जिला मंत्री निर्भय प्रताप सिंह ने अपना समर्थन ज्ञापित किया।ज्ञापन की प्रति श्रम मंत्री भारत सरकार उत्तर प्रदेश सरकार श्रम आयुक्त उत्तर प्रदेश को भी प्रेषित की गई है।यह भी कहा गया है कि देश के सभी श्रम संगठनों की ओर से चार श्रम संहिताओं को लागू किए जाने पर विरोध प्रकट किया गया है और शीघ्र ही इस संबंध में राष्ट्रीय आह्वान पर प्रतिरोध करने के लिए व्यापक कार्यवाही की जायेगी।

सिद्धार्थनगर में एसआईआर अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 बीएलओ को डीएम ने किया सम्मानित

सिद्धार्थनगर। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान-2025 (एसआईआर) के अन्तर्गत शत-प्रतिशत कार्य करने वाले तहसील नौगढ़ एवं शोहरतगढ़ के बीएलओ को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा जिलाधिकारी कक्ष में प्रशस्ति-पत्र एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर तहसील नौगढ़ के 05 बीएलओ तथा तहसील शोहरतगढ़ के 05 बीएलओ को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि अन्य बीएलओ का सहयोग कर शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कराये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/ रा0) गौरव श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ज्ञानप्रकाश, उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ विवेकानन्द मिश्र, नायब तहसीलदार नौगढ़ विजय श्रीवास्तव, व अन्य उपस्थित थे।

फतेहपुर में लेखपाल की आत्महत्या, विरोध में धरना/ प्रदर्शन

● लेखपाल संघ ने 7सूत्रीय मांग पत्र उप जिलाधिकारी को सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर । सिद्धार्थनगर में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के सदस्यों ने शुक्रवार को जनपद की पांचों तहसीलों में कार्य बहिष्कार कर धरना /प्रदर्शन किया। और 7 सूत्रीय मांग पत्र मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। यह प्रदर्शन फतेहपुर जिले के विदंकी तहसील में कार्यरत लेखपाल के अधिकारियों के उत्पीड़न के कारण आत्महत्या के विरोध में था। वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणधीर यादव ने कहा कि लेखपालों पर अत्यधिक काम का दबाव और दमनात्मक रवैया बढ़ रहा है। एसडीएम को सौंपा गया 7 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन जिले के पांचों तहसीलों में उप्र लेखपाल संघ की प्रान्तीय कार्यकारिणी के आह्वान पर उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ सिद्धार्थनगर की ओर से लेखपालों ने शुक्रवार को पांचों तहसील मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन कर अपने मांगपत्र का ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। यह विरोध प्रदर्शन जनपद फतेहपुर की तहसील बिन्दकी में तैनात 2024 बैच के लेखपाल सुधीर कुमार की अधिकारियों के कथित उत्पीड़न से व्यथित होकर हुई आत्महत्या की दुखद घटना के विरोध में आयोजित किया गया।संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि वर्षों से लेखपालों पर काम का अत्यधिक दबाव बना हुआ है। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारियों द्वारा अनुचित आदेश, दमनात्मक रवैया और सार्वजनिक रूप से अपमानित करने की बढ़ती प्रवृत्ति से लेखपाल संवर्ग अवसाद और निराशा का शिकार हो रहा है। इस मौके पर डुमरियागंज तहसील मख्यालय पर धरना स्थल पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणधीर यादव, तहसील अध्यक्ष अमरदीप चौधरी, तहसील मंत्री नवीन कुमार चौधरी, सूर्य प्रकाश त्रिपाठी, दीपक मौर्य, अनूप कुमार, यशपाल सिंह, सत्यरंजन राज सिंह,पवन कुमार वर्मा,कौशलेंद्र सहित सैकड़ों लेखपाल उपस्थित रहे।

अमेठी में धीमी तौल पर विफरे मंत्री ने लगाई फटकार, केंद्र प्रभारियों पर कार्रवाई के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री सतीशचंद्र शर्मा ने शुक्रवार को जाफरगंज मंडी परिषद का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान क्रय केंद्रों पर धीमी तौल व गंदगी देख मंत्री ने नाराजगी जताई। फटकार लगाते हुए केंद्र प्रभारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। उन्होंने कहाकि सरकार की मंशा के अनुरूप क्रय केंद्रों पर किसानों की तौल तेजी से से कराई जाए। वहीं किसानों से सीधे संवाद किया। जाफरगंज मंडी के विपणन शाखा तृतीय पर मंत्री ने अशरफगढ़ कि महिला किसान सुमेरा देवी व उनके बेटे राजकुमार से संवाद किया। महिला किसान से पूछा कि किसान सम्मान का लाभ मिल रहा है, तो महिला किसान से मंत्री से हाथ जोड़कर बताया कि इसका लाभ उसे नहीं मिल रहा है और राशन कार्ड भी नहीं है। यह बात सुनकर मंत्री ने एसडीएम को निर्देश दिए इस दोनों योजना का लाभ दिलाया जाए। केंद्र के प्रभारी पंकज कुमार के पास तृतीय व चतुर्थ पर हो रही तौल की जानकारी ली। धीमी तौल को लेकर मंत्री विफर पड़े और कड़ी फटकार लगाते हुए केंद्र प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।

उसके बाद विपणन शाखा प्रथम व द्वितीय केंद्र प्रभारी सुरेशचंद्र सरोज से क्रय केंद्र की खरीद की जानकारी ली, तो यहां पर तौल कराने आए हरिश्चंद्र के धान की गुणवत्ता को देखा। यहां की धीमी गति से धान की तौल व एक काटा बंद होने पर फटकार लगाते हुए संभागीय खाद्य नियंत्रक अयोध्या श्री कृष्ण को विपणन शाखा के दोनों केंद्र प्रभारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि चारो काटो पर सरकार की मंशा के अनुरूप किसानों की तौल कराई जाए। इस मौके पर जिला खाद्य विपणन अधिकारी प्रज्ञा मिश्रा समेत अन्य उपस्थित रहे।

गंदगी देख मंत्री ने मंडी सचिव को लगाई फटकार

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने मंडी परिसर में गंदगी मिलने पर मंडी सचिव संजय चौहान को फटकार लगा कर नाराजगी जताई। उसके बाद उन्होंने मंडी के क्रय केंद्र का निरीक्षण किया। यहां पर ब्रजकुमार से व गुरु प्रसाद मौर्या से बातचीत कर जानकारी ली। यहां के केंद्र प्रभारी पर कार्रवाई के लिए एसडीएम मुसाफिरखाना अभिनव कनौजिया को निर्देशित किया। मंत्री ने मामले में एसडीएम से रिपोर्ट भी तलब की है।

डीएम ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के सम्बन्ध में राजैनतिक दलों के साथ की बैठक

● सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरना अनिवार्य, शीघ्र ही फार्म भरकर बीएलओ को करायें उपलब्ध-डीएम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने कैम्प कार्यालय के सभागार में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रो की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के सम्बन्ध में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 04 नवम्बर से बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र घर-घर वितरण, संग्रह एवं डिजिटाईजेशन का कार्य किया जा रहा है। जनपद में कुल 2525130 मतदाता है जिनमें से 1245407 मतदाताओं के अर्थात 49.32 प्रतिशत गणना प्रपत्र डिजिटाइज कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने समस्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों से अनुरोध किया कि अपने-अपने बीएलए को निर्देशित करें कि बीएलओ द्वारा एकत्र किये जा रहे गणना प्रपत्रों के कार्य में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान करें। गणना प्रपत्रों के संग्रह एवं डिजिटाइजेशन का कार्य 04 दिसम्बर के पूर्व शत प्रतिशत पूर्ण किया जाना है। इस अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाना है। जिलाधिकारी ने बताया कि बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा मतदाताओं से गणना प्राप्त कर डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। उन्होने जन सामान्य से अनुरोध किया है कि गणना प्रपत्र प्राप्त करने हेतु बीएलओ घर-घर आ रहे, यदि गणना प्रपत्र बीएलओ को भरकर उपलब्ध नही कराया जाता है तो सम्बन्धित मतदाता का नाम मतदाता सूची से कट जायेगा। सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरना अनिवार्य है, शीघ्र ही फार्म भरकर बीएलओ को उपलब्ध करा दें। उन्होने कहा कि पुनरीक्षण अभियान लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अत्यन्त महत्वपूर्ण हिस्सा है और सभी की सक्रिय भागीदारी से ही सही और पारदर्शी मतदाता सूची तैयार की जा सकती है। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आदित्य प्रजापति सहित राजनैतिक दलों में अपना दल (सोनेलाल) के ज्ञानेन्द्र वर्मा व परमानन्द मिश्र, सपा के गुलफाम खां व अब्दुल कादिर जिलानी, भाजपा के रामजी मिश्र, कांग्रेस के डा0 नीरज त्रिपाठी, बीएसपी के सादिक अली के अलावा दिनेश उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

मछुआरा स्वाभिमान सम्मेलन का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

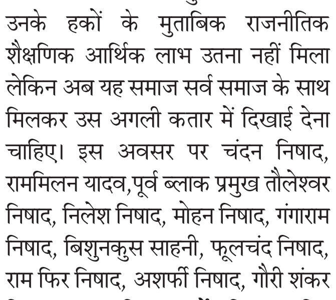

सिद्धार्थनगर। जिले में मछुआरा समाज द्वारा मछुआरा स्वाभिमान सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बांसी तहसील कस्बे में आयोजित किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद व भाजपा के मत्स्य प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक जयप्रकाश निषाद शामिल हुए इस कार्यक्रम का आयोजन सदस्य जिला पंचायत सबलू साहनी द्वारा किया गया । जिसमें भारी संख्या में मछुआरा समाज के नेता व जनता शामिल हुई। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा लोगों को संबोधित करते हुए मछुआरा समाज के हकों व योजनाओं को लेकर चर्चा की गई और बताया गया कि किस प्रकार से सरकार द्वारा उनके लिए योजनाएं चलाई जा रही है। इसके अलावा मौजूदा समय में एस आई आर फॉर्म भरने को लेकर भी मुख्य अतिथि द्वारा लोगों को संबोधित किया गया और बताया गया कि किस प्रकार से वह अपने बीएलओ के द्वारा उस फॉर्म को भरने को लेकर निर्देशित किया। वही मीडिया से बात करते हुए कहा कि मछुआरा समाज स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजादी के समय तक भी लड़ने का कार्य किया लेकिन मछुआरा समाज को उनके हकों के मुताबिक राजनीतिक शैक्षणिक आर्थिक लाभ उतना नहीं मिला लेकिन अब यह समाज सर्व समाज के साथ मिलकर उस अगली कतार में दिखाई देना चाहिए। इस अवसर पर चंदन निषाद, राममिलन यादव,पूर्व ब्लाक प्रमुख तौलेश्वर निषाद, निलेश निषाद, मोहन निषाद, गंगाराम निषाद, बिशुनकुस साहनी, फूलचंद निषाद, राम फिर निषाद, अशर्फी निषाद, गौरी शंकर निषाद, सरवन निषाद, धर्मेंद्र निषाद साहित भारी संख्या में निषाद समाज के लोग मौजूद रहे।

बकाया नहीं जमा करने पर होगी कुर्की की कार्रवाई, कानपुर नगर निगम ने 352 लोगों को दिया अल्टीमेटम

कानपुर। नगर निगम बकाएदारों पर लगातार शिकंजा कंसता जा रहा है। पिछले डेढ़ माह में सभी जोनों ने करीब तीन हजार से ज्यादा बकाएदारों को नोटिस दी है। 40 करोड़ रुपये से ज्यादा बकाया है। इसी कड़ी में जोन तीन ने 352 और बकाएदारों को नोटिस दी है। इन पर करीब 6.33 करोड़ रुपये बकाया है। एक दिसंबर से कुर्की की कार्रवाई की जा रही है। बकाया न देने पर संपत्ति सीज की जाएगी।

चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्व वसूली का लक्ष्य 750 करोड़ रुपये रखा गया है।इसमें अभी तक कुल 250 करोड़ रुपये ही वसूली हो पायी है।पिछले साल राजस्व वसूली लक्ष्य पांच सौ करोड़ रुपये था इसके एवज में नगर निगम ने 513 करोड़ रुपये वसूली की थी। महापौर प्रमिला पांडे और नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने राजस्व वसूली से जुड़े अफसरों को आदेश दिए है कि हर हाल में चार माह में वसूली पूरी की जाए। जोनवार और वार्डवार वसूली के शिविर लगाए जाए।साथ ही जिनके बिल गड़बड़ है उनको तुरन्त ठीक करके वसूली की जाए।

अमेठी के इंडस्ट्रियल एरिया की चार सड़कें 85 लाख से बनकर हुई तैयार, लोगों को आवागमन में मिलेगी सहूलियत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कमरौली (अमेठी)। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण यूपीसीडा के द्वारा जगदीशपुर औद्योगिक क्षेत्र के कामर्शियल सेक्टर 16 की शेष बची चार बदहाल सड़कों को बनाए जाने की मांग की जा रही थी। लोगों के आवागमन की सुविधा के लिए 85 लाख से चार सड़कों का कार्य कार्यदाई संस्था श्रीराम इंटर प्राइजेज के द्वारा पूर्ण करा दिया गया है। संस्था के साथ सात नवंबर को अनुबंध हुआ था। यह कार्य 90 दिवस में होना था, जो समय से पूर्व ही पूर्ण हो गया है। यह कार्य हो जाने के बाद उद्यमियों, आवंटियों एवं आम जनमानस को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। सेक्टर 16 की कुछ सड़कें पूर्व में बनाई जा चुकी हैं। इस कामर्शियल सेक्टर की चार सड़कें बनने से शेष रह गई थी। सेक्टर 16 की सर्विस रोड को शेष भाग, सड़क संख्या 4, 10, 11 काफी बड़े बड़े गड्ढों में तब्दील हो गई थी, जिससे चलते लोगों को आवागमन में दिक्कतों को सामना करना पड़ रहा था। इस सेक्टर में कई नाम चीन हास्पिटल, बैंक आफ बड़ौदा, डाक घर, यूपीसीडा कार्यालय व कई कामर्शियल बिल्डिंग बनी हुई हैं।

यहां पर काफी संख्या में लोग किराए पर भी रहते हैं, जिसके कारण रात दिन लोगों का आवागमन बना रहता है। लघु उद्योग भारती के जिलाध्यक्ष इं संजय सिंह, लघु उद्योग भारती के जिला उपाध्यक्ष डॉ. पीपी पटेल, ईबीसीसी अध्यक्ष मकसूद खान, गोरख शुक्ला, संजय पांडेय ने बताया कि सड़के बनने के बाद लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलने लगी है। सभी ने प्रदेश सरकार व यूपीसीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी का आभार प्रकट किया है। वरिष्ठ प्रबंधक सिविल निर्माण खंड-छह प्रदीप कुमार ने बताया कि सेक्टर 16 की चार शेष बची सड़कों का कार्य पूरा करा दिया गया है। यह कार्य होने के बाद सभी को आवागमन में सहूलियत मिलेगी।

महिला आरक्षण की तरह जुमला है एसआईआर, पल्लवी पटेल बोलीं- मैं SIR फॉर्म नहीं भरूंगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। जिस तरह महिला आरक्षण की घोषणा की गई थी, उसी तरह एसआइआर एक जुमला है। यह प्रतिक्रिया अपना दल (कमेरावादी) की नेता व सिराथू से विधायक डा. पल्लवी पटेल ने एसआइआर को लेकर पूछे गए सवाल पर दी है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद किसी का नाम वोटर लिस्ट में शामिल करना नहीं बल्कि, दलित, पिछड़े, गरीबों का नाम काटना है। यह लोकतंत्र पर हमला है। विधायक ने कहा कि मैं, एसआइआर का विरोध करती हूं। मैंने अभी तक अपना फार्म नहीं भरा है और न ही भरूंगी। आखिर मुझे फार्म क्यों भरना चाहिए। मैंने जिंदगी भर वोट दिया, तमाम दस्तावेज हैं। अब मुझे वोट कैसे वोट डालने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं, वोटर्स करना चाहती हूं कि अगर एसआइआर फार्म समझ में आए तो भरिए और न समझ में आए मत भरिए। विधायक ने सोनी गुमटी के समीप सरदार पटेल सेवा संस्थान में बैठक करके संगठन के कार्यो की समीक्षा की। 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को मजबूत करने के साथ ही जनहित की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया। उन्होंने गोंडा सदर व मेहनौन विधानसभा क्षेत्र में बैठक करके संगठन के कार्यो की समीक्षा की। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सीएल पटेल, राष्ट्रीय सचिव आनंद हीराराम पटेल व प्रदेश अध्यक्ष विधि मंच रामशिला पटेल, जिलाध्यक्ष संतोष कुमार पटेल, मीडिया प्रभारी बृजेश कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने वाले पति को 10 साल की सजा, 70 हजार रुपये का जुर्माना भी लगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

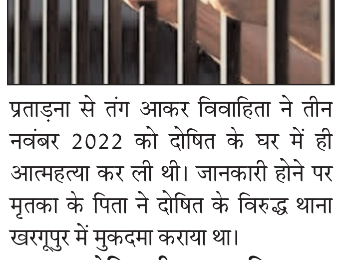

गोंडा। पत्नी को दहेज के लिए प्रताड़ित करने और आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में न्यायालय ने दोषित पति को सजा सुनाई है। तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश राजेश कुमार तृतीय ने ग्राम मल्लापुर बराराय थाना खरगूपुर निवासी मायाराम यादव को 10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दोषित को 70 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी अमित पाठक ने बताया कि ग्राम रानियापुर थाना विशेश्वरगंज जिला बहराइच निवासी विद्याराम यादव ने वर्ष 2014 में अपनी बेटी रंजना का विवाह दोषित के साथ किया था। विवाह के बाद 2018 में गौना देने के बाद दोषित दहेज के लिए विवाहिता को प्रताड़ित करता रहता था। प्रताड़ना से तंग आकर विवाहिता ने तीन नवंबर 2022 को दोषित के घर में ही आत्महत्या कर ली थी। जानकारी होने पर मृतका के पिता ने दोषित के विरुद्ध थाना खरगूपुर में मुकदमा कराया था।

आरोपित की जमानत निरस्त

गोंडा विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट/अपर सत्र न्यायाधीश विकास ने ग्राम डेबरी कला थाना धानेपुर निवासी आकाश यादव का जमानत प्रार्थनापत्र निरस्त कर दिया है। विशेष लोक अभियोजक उदय प्रताप वर्मा ने बताया कि आरोपित व उसके साथी आर्थिक लाभ के लिए अपराध करते थे। पूर्व में दर्ज मुकदमे का संज्ञान लेकर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा किया था।

अधिवक्ता के निधन पर शोक

गोंडा युवा अधिवक्ता अखंडानंद तिवारी के निधन पर जिला बार एसोसिएशन के सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। अधिवक्ताओं ने दो मिनट का मौन रख मृतक की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामबुझारथ द्विवेदी, महामंत्री संजय कुमार सिंह, भगवती प्रसाद पांडेय, दूधनाथ तिवारी, संत बक्श मिश्र, सुशील कुमार मिश्र, रविचंद्र त्रिपाठी, माधवराज मिश्र, राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी, केके मिश्र, अनिल सिंह, डीपी ओझा, महेंद्र मोहन मिश्र उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

महिला क्रिकेट टीम की बॉलर क्रांति गौड़ का हुआ जोरदार स्वागत

हमीरपुर- भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बॉलर क्रांति गौड़ का शुक्रवार के दिन छानी बुजुर्ग गांव में आगमन पर भव्य स्वागत किया गया।बता दें कि बीते दिनों महिला क्रिकेट का वर्डकप जीतने के बाद भारतीय महिला टीम के हौसले बुलंद हैं ,इसी टूर्नामेंट में क्रांति गौड़ ने अपनी धारदार गेंदबाजी से पाकिस्तानी टीम के हौसले पस्त कर दिए थे।बताते चलें कि इंटरनेशनल महिला क्रिकेट खिलाड़ी क्रांति मध्यप्रदेश के छतरपुर जनपद के घुवारा गांव की मूल निवासिनी हैं जो आदिवासी समाज से ताल्लुक रखती हैं।छानी बुजुर्ग गांव की आकांक्षा पुत्री प्रमोद यादव जो ग्राम प्रधान प्रतिनिधि भारत यादव की भतीजी हैं ,क्रांति गौड़ की खास दोस्त हैं ,जिनके बुलाने पर ही छानी बुजुर्ग गांव आई हुई हैं। आकांक्षा ने बताया कि वह छतरपुर के एक नर्सिंग कॉलेज में नर्सिंग की पढ़ाई कर रहीं हैं ,और वहीं पर आयोजित साइकिल रेस में भाग लेती रही हैं।बताया कि उसी दौरान एक प्रतियोगिता में क्रांति से मुलाकात हुई और दोस्ती हो गई।वहीं क्रांति अपने जोरदार स्वागत से भावविभोर हो गई और कहा कि अगर अवसर मिले तो महिलाएं किसी भी कहा कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है। उन्होंने बताया कि इस मुकाम तक पहुंचने में उन्हें बहुत कठिनाइयों का सामना किया है, लेकिन अपने लक्ष्य पर डटी रहीं।

एक्सपेलर में फंसकर युवक का कटा हाँथ, उरई मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में हुई मौत

हमीरपुर- मुस्करा थाना क्षेत्र जे गहरौली गांव में बीती रात आटा चक्की के स्पेलर में चपेट में आने से एक युवक का हांथ फंसकर कट गया?। परिजन घायल युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र मुस्करा ले गए जहां से उसे हालत गंभीर होने पर उरई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। शुक्रवार को सुबह उरई पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाया। मुस्करा थाना क्षेत्र के गहरौली गांव निवासी मदनचंद्र कुशवाहा ने बताया कि बृहस्पतिवार की रात्रि 9 बजे उसका पुत्र शैलेंद्र कुमार कुशवाहा उम्र 26 वर्ष अपनी मां के साथ मुस्ताक की चक्की में तेल पिरवाने गया हुआ था, तेल पिराई के समय खली निकालते समय शैलेंद्र का हाथ स्पेलर की चपेट में आ गया जिससे उसका दांयां हाथ धड़ से अलग हो गया। आनन फानन रिक्शे के द्वारा सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र मुस्करा लाऐ जहां हालत गंभीर देखकर मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया और मेडिकल कलेज पहुंचने के पूर्व रास्ते में उसकी मौत हो गई। शुक्रवार को उरई पुलिस के पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम कराया इस घटना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया वही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

बीएलओ रंजू दुबे की मौत पर सपा नेताओं ने परिजनों से मिलकर जताया शोक

चुनाव आयोग से मुआवज़ा व नौकरी की मांग

रुद्रपुर। सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल रुद्रपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम व पोस्ट माझा नारायन पहुँचा, जहाँ उन्होंने ड्यूटी के दौरान निधन हुई बीएलओ रंजू दुबे के पति जगदम्बा दुबे और परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। जिलाध्यक्ष श्री यादव ने कहा कि इस दुख की घड़ी में सपा परिवार और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव स्वयं दुबे परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि बिना समुचित तैयारी और बेहद कम समय में लागू किए गए एस आई आर कार्य के कारण बीएलओ व बीएलए गंभीर तनाव में हैं, जबकि अधिकांश ग्रामीण क्षेत्र में लगन व खेती का कार्य भी चरम पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के दबाव में चुनाव आयोग ने अत्यधिक संवेदनशील एवं बोझिल जिम्मेदारियाँ कर्मचारियों पर थोप दी हैं, जो जानलेवा साबित हो रही हैं। सपा जिलाध्यक्ष ने मांग किया कि मृत बीएलओ के परिवार को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवज़ा दिया जाए, परिवार के आश्रित को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए, एस आ आर की समय सीमा बढ़ाई जाए तथा अतिरिक्त कर्मचारियों को इस कार्य में लगाया जाए। द्वप्रतिनिधिमंडल में पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह, विजय प्रताप यादव, हाफिज शहादत हुसैन, अली आज़म, हरेंद्र सिंह त्यागी, संतोष यादव, हसनाथ यादव, रामखेदू यादव, सिकंदर यादव, राजनाथ यादव, आदिल, नौशाद, दानिश शेख, विनोद आदि मौजूद रहे।

तिब्बती पहचान पर चीन की नज़र? प्राग घोषणापत्र में दलाई लामा के उत्तराधिकार पर हस्तक्षेप का कड़ा विरोध

● आगे कहा गया कि इस अधिकार को बरकरार रखा जाना चाहिए क्योंकि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता दलाई लामा इस वर्ष 90 वर्ष के हो गए हैं, जो करुणा वर्ष पहल के तहत विश्व स्तर पर मनाया जाने वाला एक मील का पत्थर है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता पर प्राग घोषणापत्र 2025 ने तिब्बती बौद्ध समुदाय को बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के 14वें दलाई लामा के उत्तराधिकारी को चुनने के अधिकार पर दृढ़ता से जोर दिया है। फयुल की रिपोर्ट के अनुसार, इस कदम को तिब्बती आध्यात्मिक वंश को नियंत्रित करने के चीन के बढ़ते प्रयासों के प्रति एक फटकार के रूप में देखा जा रहा है। फयुल के अनुसार, प्राग कैसल में अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता या विश्वास गठबंधन (आईआरएफबीए) के पांचवें वर्षगांठ सम्मेलन के दौरान जारी घोषणापत्र ने इस बात की पुष्टि की कि धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता में तिब्बती बौद्धों को अपने आध्यात्मिक नेताओं को स्वतंत्र रूप से निर्धारित करने का अधिकार भी शामिल है। इसमें आगे कहा गया कि इस अधिकार को बरकरार रखा जाना चाहिए क्योंकि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता दलाई लामा इस वर्ष 90 वर्ष के हो गए हैं, जो करुणा वर्ष पहल के तहत विश्व स्तर पर मनाया जाने वाला एक मील का पत्थर है।

तिब्बती बौद्ध धर्म के धार्मिक नेता के रूप में दलाई लामा को श्रद्धांजलि' शीर्षक वाले सम्मेलन सत्र को संबोधित करते हुए, सीटीए के अध्यक्ष पेनपा त्सेरिंग ने चेतावनी दी कि पुनर्जन्म प्रक्रिया में चीन के हस्तक्षेप का उद्देश्य तिब्बती बौद्ध धर्म के भविष्य को प्रभावित करना है। उन्होंने कहा कि चीनी सरकार तिब्बती लोगों को नियंत्रित करने के लिए एक कठपुतली दलाई लामा को नियुक्त करना चाहती है। त्सेरिंग ने अमेरिका द्वारा पारित 2002 के तिब्बत नीति अधिनियम का भी उल्लेख किया, जो चीन को तिब्बत में वास्तविक स्वायत्तता के लिए दलाई लामा के साथ बातचीत फिर से शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

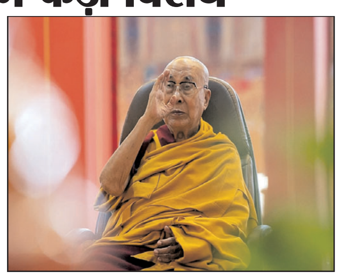

उन्होंने बताया कि 6 जुलाई को, सात लोकतांत्रिक देशों ने संयुक्त रूप से तिब्बती लोगों के अपने अगले आध्यात्मिक नेता को चुनने के अधिकार के प्रति अपने समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने आईआरएफबीए से एक विज्ञप्ति जारी करने का आग्रह किया जो इन सिद्धांतों को प्रतिध्वनित करे और चीन के हस्तक्षेप के विरुद्ध वैश्विक सहमति को सुदृढ़ करे, जैसा कि फयुल ने रेखांकित किया है। इस उच्च-स्तरीय सभा में चेक गणराज्य के राष्ट्रपति पेट्र पावेल, संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत नाज़िला घनेया और मानवाधिकार अधिवक्ता मुबारक बाला शामिल थे। घोषणा का स्वागत करते हुए, सीटीए प्रतिनिधि थिनले चुक्की ने कहा कि यह हमारी आध्यात्मिक परंपराओं की एक महत्वपूर्ण पुष्टि और राज्य के हस्तक्षेप की स्पष्ट अस्वीकृति है।

आईएएस संतोष वर्मा की ब्राम्हण महिलाओं पर टिप्पणी का मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान, कार्यवाही के निर्देश

हमीरपुर- भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन की शिकायत पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ संज्ञान लेते हुए कार्यवाही के निर्देश जारी किए हैं। भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष एम.खान एवं जिला प्रमुख युवा संरक्षण विकास सिंह टोनू ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग चंद्रवंशी ने शिकायत में आरोप लगाया गया था कि संतोष वर्मा ने ब्राह्मण समाज की बेटियों के प्रति अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया, जिससे समाज में गहरा आक्रोश फैल गया। संगठन ने इसे न सिर्फ सामाजिक गरिमा का उल्लंघन बताया, बल्कि महिलाओं की मर्यादा के विरुद्ध गंभीर टिप्पणी बताते हुए मामले को आयोग तक पहुंचाया। आयोग ने शिकायत की प्रारंभिक समीक्षा के बाद संबंधित विभाग से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी वर्ग, समुदाय या महिलाओं के सम्मान से संबंधित मामलों में कड़ी संवेदनशीलता बरती जाएगी। संगठन के पदाधिकारियों ने आयोग की कार्रवाई को पीड़ित समाज के लिए राहत बताते हुए कहा कि वे मामले का पीछा तब तक करेंगे जब तक आरोपी पर उचित कार्रवाई नहीं होती।

बेबस परिवारों की हँसी लौटाने के लिए कुटीर उद्योग स्थापना में व्यक्तिगत पहल पर पूर्व एडीसी निलमणि दास की आर्थिक मदद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: श्रीभूमि जिले के पाथारकांडी विधान सभा अंतर्गत फाकुआ गांव के निवासी दीपक दास पुरकायस्थ पिता स्व. पल्टू दास पुरकायस्थ को कुटीर उद्योग स्थापना के उद्देश्य से आर्थिक सहयोग पूर्व एडीसी निलमणि दास ने दिया। नित्यखाने-पीने वाले दीपक दास पुरकायस्थ से मिली जानकारी के अनुसार, पिछले 2019 में उन्होंने व्यक्तिगत प्रयास से 70 हजार रुपये खर्च करके दलमूट फैक्ट्री बनाई थी। वे परिवार के एकमात्र कमाने वाले होने के कारण परिवार के चिकित्सा और घर की जिम्मेदारी निभाने के लिए यह कुटीर उद्योग बंद करना पड़ा।

इसके अलावा, उनका पिता जीवित रहते हुए विश्वकर्मा परियोजना के तहत फाकुआ गांव की पीएनबी शाखा से एक लाख रुपये का ऋण लिया था। ऐसी परिस्थितियों में पिता की मृत्यु से वे दिशाहीन हो गए। अंततः फाकुआ गांव के निवासी प्रताप नमःशूद्र की मदद से समाजसेवी एवं पूर्व एडीसी निलमणि दास के संरक्षण में आए। हालांकि उनकी मदद से सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल से डेट्र सर्टिफिकेट लाने में सहायता का हाथ बढ़ाया गया। सहयोग का

हाथ बढ़ाने के साथ-साथ असहाय परिवारों की हंसी लौटाने के लिए डालमूट फैक्ट्री को पुनर्जीवित करने हेतु गत 27 नवंबर को अपने आवास पर व्यक्तिगत रूप से वित्तीय सहायता प्रदान की। इसी तरह, लोगों के बीच नगेंद्र नगर गांव के निवासी बिज्जरपाटे परम आनंद दास की मृत्यु पर उनकी पत्नी आरती दास को 08-12-2022 को सरकारी तौर पर 4 लाख रुपये प्राप्त कराने में भी मदद की। इसका Momo no-KRR38/Lightning/Pt/2022/13-A.A/c No-1363010232586 है। इसके अलावा वर्तमान रामकृष्णनगर और पाथारकंडी विधान सभा के 56 घर फकुआ-नया नवीन गांव- बाज़ार फकुआ के तीन गांवों के लगभग 250 परिवारों के डिफ़ॉल्ट ट्रांसफॉर्मर बदलने में मदद करने पर उक्त क्षेत्र के लोग आभार व्यक्त किया।

HC पहुंची इमरान खान की बहन, जज ने भी मिलने से कर दिया मना, अब PTI उठाएगी ये कदम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकिस्तान। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन नोरीन नियाज़ी ने अपने भाई की हालत पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने उनके परिवार, वकीलों और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सदस्यों को चार हफ़्तों से ज़्यादा समय से उनसे मिलने से रोक दिया है। यहाँ तक कि खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी समेत पार्टी के नेताओं की निर्धारित मुलाक़ातों को भी नकार दिया गया, जिससे खान की मौत की अफ़वाहें भारत तक फैल गईं। अदियाला जेल के अधिकारियों ने 27 नवंबर (गुरुवार) को इन अफ़वाहों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और पुष्टि की कि खान हिरासत में हैं, उनका स्वास्थ्य अच्छा है और उन्हें चिकित्सा सहायता मिल रही है।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन ने उन्हें जेल में बंद अपने भाई से मिलने की अनुमति न देने के लिए शुक्रवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में अदियाला जेल के अधीक्षक और अन्य अधिकारियों के खिलाफ अदालत की अवमानना की याचिका दायर की। अलीमा खान ने यह याचिका खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहैल आफरीदी और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अन्य नेताओं की मौजूदगी में दायर की। याचिका में इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के 24 मार्च के

आदेश का जिक्र किया गया है, जिसमें अदालत ने 73 वर्षीय खान से सप्ताह में दो बार मुलाकात करने की अनुमति दी थी। खान अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अदियाला जेल में हैं। इसमें कहा गया है कि अलीमा ने अदालत के आदेशों का जानबूझकर पालन न करने की वजह से अवमानना की कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध किया है, विशेष रूप से अधिकारियों द्वारा उन्हें खान से मिलने की अनुमति न देने के संबंध में। याचिका में कहा गया कि मंगलवार और बृहस्पतिवार को मुलाकात की अनुमति के निर्देशों के बावजूद ''प्रतिवादियों ने इसका पालन नहीं किया और न ही इसे लागू किया। याचिका में यह भी कहा गया है कि अलीमा अपने भाई के जेल जाने के बाद से उनकी सलामती, कानूनी अधिकारों और मानवीय व्यवहार को लेकर बेहद चिंतित रही हैं। इसमें जिन लोगों को नामजद किया गया है उनमें अदियाला जेल अधीक्षक अब्दुल गफूर अंजुम, सदर बेरोनी थाने के प्रभारी अधिकारी राजा ऐजाज अजीम, संघीय गृह सचिव कैप्टन (सेवानिवृत्त) मोहम्मद खुर्रम आगा और पंजाब गृह विभाग के सचिव नूरुल अमीन शामिल हैं।

रोजगार मेला में 53 युवाओं को मिला रोजगार

हमीरपुर- मुस्करा विकासखण्ड क्षेत्र के लोदीपुर-जलालपुर स्थित प्राइवेट औद्योगिक कौशल प्रशिक्षण संस्थान(आईटीआई) में शुक्रवार के दिन जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा रोजगार मेला का आयोजन किया गया।सुबह लगभग साढ़े ग्यारह बजे शुरू हुए रोजगार मेला में कुल 78 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया जिनमें से साक्षात्कार के बाद 53 युवाओं को मेला में प्रतिभाग करने वाली कंपनियों ने जॉब ऑफर किया।कौशल आईटीआई के प्रबंधक उमेश सक्सेना ने बताया कि रोजगार मेला में प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन कानपुर ,बुटार मैन पॉवर सोलुशन प्रा0लि0 गौतमबुद्ध नगर ,एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस हमीरपुर और के0जी0बी0एस0 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने प्रतिभाग किया।प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन कानपुर ने 9, बुटार मैन पॉवर सोलुशन प्रा0लि0 गौतमबुद्ध नगर ने 17, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस हमीरपुर ने 6 और के0जी0 बी0एस0 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने 21 अभ्यर्थियों को विभिन्न पदों पर प्लेसमेंट दिया।रोजगार मेला में लाइफ इंश्योरेंस डेवलपमेंट मैनेजर विष्णुशरण मिश्र व श्रद्धा द्विवेदी ,प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के पुष्पेंद्र सिंह, बुटार मैन पॉवर सॉल्यूशन के ब्रजेश कुमार और के0जी0बी0एस0 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सतीश कुमार मौजूद रहे।

श्रीभूमि जिले में सोनबिल सिंघुआ फुलतली में एक बोरे में एक शव मिलने की सनसनीखेज घटना घटी

● परिवार का आरोप है कि यह एक सुनियोजित हत्या किया गया।

उन्होंने मांग की कि प्रशासन इस जघन्य हत्या की उचित जांच करके दोषियों की पहचान करे और उन्हें जल्द से जल्द सजा दिलाए।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः श्रीभूमि जिले के सोनबिल-सिंघवा फुलतली इलाके में आज 28 नवंबर (शुक्रवार) सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। मृतक की पहचान शरीफ उद्दीन (35) पुत्र दिवंगत इसरफ अली के रूप में हुई है। परिवार की शिकायत के अनुसार, कोटिंग और गद्दा फेरीवाला शरीफ उद्दीन कल रात करीब नौ बजे एक पड़ोसी का फोन आने के बाद घर से बाहर निकला। देर रात तक जब वह घर नहीं लौटा तो उसके

परिवार के सदस्यों ने उसे फोन किया और पाया कि वह बंद है।

रात भर ढूढ़ने के बाद भी शरीफ और का कोई अता-पता नहीं चला और उस अभिशप्त रात के अंत के बाद आज सुबह होते ही सिंगुआ फूलतली गांव के पुल के पास एक बोरा पड़ा देख राहगीरों को संदेह हुआ। पलभर में खबर फैलते ही हज़ारों लोगों की भीड़ जमा हो गई। जिले के रामकृष्णनगर थाना और कालीबाड़ी पुलिस घटनास्थल पर आकर शव बरामद करते हैं, जिसे परिवार के सदस्य पहचानते हैं। परिवार का आरोप है कि यह एक योजनाबद्ध हत्या है। मृतक की पत्नी रीना बेगम समेत परिवार का दावा है कि कल पूरे दिन एक स्थानीय व्यक्ति शरीफ को ढूंढ रहा था। रात को घर लौटने के बाद भी

उस व्यक्ति ने फोन कर बुलाया और ले गया। सिर और गर्दन पर धारदार हथियार के वार से यह स्पष्ट रूप से बेरहम हत्या है। हत्या के बाद सबूत मिटाने के लिए शव को गांव से कुछ किलोमीटर दूर फेंक दिया गया। स्थानीय निवासियों का भी अनुमान हे यह पूर्वनिर्धारित हत्या है। सामाजिक नेताओं का दावा है दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। घटनास्थल पर दौड़े आनंदपुर जीपी के समाजसेवी जयदेव दास, बुद्ध दास, बिजित दास, मिसबाहुल रहमान, ताज उद्दीन सहित कई अन्य लोग। उन्होंने प्रशासन की उच्चाधिकारियों का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा। यह एक घोर हत्या है। उचित जांच के माध्यम से दोषियों की पहचान कर उन्हें शीघ्र कठोर सजा के दायरे में लाना होगा।

लोकपाल ने रायभान खेड़ा में अन्नपूर्णा भवन का किया स्थलीय निरीक्षण, मनरेगा कार्यों की हुई विस्तृत समीक्षा

● .....सोशल ऑडिट बैठक में श्रमिकों से लिया फीडबैक, पत्रावलियों की हुई जांच, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के विकासखंड मोहनलालगंज स्थित ग्राम पंचायत रायभान खेड़ा में शुक्रवार को मनरेगा कार्यों के सत्यापन हेतु सोशल ऑडिट बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बी0आर0पी0 रेनू मिश्रा एवं उनकी टीम की मौजूदगी में मनरेगा श्रमिकों से उनके कार्य और मजदूरी से जुड़े बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। श्रमिकों ने अपनी समस्याओं और अनुभवों को साझा किया, जिसके आधार पर कार्यों का वास्तविक मूल्यांकन

किया गया।

इसी क्रम में लोकपाल डॉक्टर आर.आर. जैसवार ने ग्राम पंचायत द्वारा संचालित अन्नपूर्णा भवन का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की गुणवत्ता, उपयोगिता और अभिलेखों की स्थिति का गहन परीक्षण किया। लोकपाल ने पत्रावलियों का औचक निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए, ताकि भविष्य में कार्य और अधिक पारदर्शिता एवं दक्षता के साथ

संचालित हो सकें। इस मौके पर ग्राम प्रधान सुमन रावत, पंचायत सचिव अनीता मिश्रा, इंजीनियर लालबहादुर पाण्डेय, ग्राम रोजगार सेवक विनीत मिश्रा, पंचायत सहायक रूबी कन्नौजिया, सोशल आडिट टीम के सदस्यों मनोहर लाल, राजकुमार, सुनीता देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन और ग्रामीणों के बीच संवाद स्थापित हुआ, जिससे मनरेगा योजनाओं के क्रियान्वयन में और अधिक सुधार की संभावनाएँ बनीं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने एस.आई.आर. कार्य में जन-प्रतिनिधियो से सहयोग करने की अपील

● वर्ष 2003 की मतदाता सूची की जानकारी https:@@Voter-eci-gov-in csolkbV बेवसाइट पर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
शहडोल दिनेश चौधरी

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) 2026 के तहत कार्य निरंतर प्रगति पर है। एसआईआर के बेहतर क्रियान्यन एवं प्रगति की समीक्षा हेतु जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. केदार सिंह, जन-प्रतिनिधियो एवं अधिकारियों की उपस्थित में आयोजित की गई। कलेक्टर ने जिले के जन-प्रतिनिधियो को एसआईआर की प्रगति से अवगत कराते हुए कहा कि एसआईआर कार्य में ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक, स्व-सहायता समूह की महिलाओ नगरीय निकायो में वार्ड प्रभारी सहित अन्य अधिकारियो एवं कर्मचारियो की डियूटी लगाई गई है।

उन्होंने कि बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना पत्रक एकत्रित कर बीएलओ ऐप में डिजीटलाईजेशन कार्य मैपिंग के साथ किया जा रहा है। इस कार्य में जिला निर्वाचन अधिकारी ने जन-प्रतिनिधियो से सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान सूची के पुनरीक्षण कार्य को पारदर्शी, तथ्यपरक तथा त्रुटिरहित बनाने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान पात्र मतदाताओ के नाम जोड़ने, स्थानातांरित मतदाताओ के नाम परिवर्तित करने तथा मृत अथवा अनुपस्थित मतदाताओ के नाम विलोपित करने की कार्यवाही की जा रही है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि प्रक्रिया का प्रभावित कर सकती है। कलेक्टर ने कहा कि गणना पत्रक में चाही गई जानकारी एवं मतदाताओ की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 2003 की मतदाता सूची से संबंधित जानकारी httpsÑ//voters.eci.gov.in/searchInSIR/SwUAyDPDF-JKyQWODSE बेवसाइट पर जाकर प्राप्त कर सकते है। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग ने बताया कि शहडोल जिले के समस्त मतदाता जिन्हें न्यूमेरेशन फॉर्म प्राप्त नहीं हुआ है या फॉर्म भरने में कोई समस्या आ रही हो तो दूरभाष नंबर 8349901772 एवं 076521950 या जिला निर्वाचन कार्यालय शहडोल में पर संपर्क कर अपनी समस्या का निराकरण करा सकते है। बैठक में निर्वाचन सुपरवाइजर श्री संजय खरे द्वारा जन प्रनिधियो को वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नाम सर्च करने एवं जिले में एसआईआर कार्य की प्रगति की जानकारी भी दी गई। बैठक में विधायक जैतपुर श्री जयसिंह मरावी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति, सदस्य जिला योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चरखारी से लौटते समय हेड कांस्टेबल की सड़क हादसे में मौत, अज्ञात वाहन की तलाश

● बिना हैलमेट चला रहा था बाइक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- सदर कोतवाली क्षेत्र के चंदुलीतीर के पास गुरुवार देर रात हुए सड़क हादसे में हेड कांस्टेबल नंदकिशोर पांडेय (36) की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह चरखारी मेला ड्यूटी से वापस अपनी बाइक से हमीरपुर लौट रहे थे। देर रात हुई इस घटना से पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। हेड कांस्टेबल नंदकिशोर पांडेय चित्रकूट के राजपुर थाना क्षेत्र के चिनहट गांव के निवासी थे। वर्तमान में वह महोबा जनपद के कबरई थाने में तैनात थे और उनका परिवार हमीरपुर पुलिस लाइन में रहता था। गुरुवार को चरखारी मेले में ड्यूटी के बाद वे रात करीब 9:30 बजे अपनी बाइक से हमीरपुर की ओर आ रहे थे।

चंदुलीतीर के पास पहुंचते ही किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि नंदकिशोर पांडेय सड़क किनारे गिरकर गंभीर

रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि वे काफी देर तक खून से लथपथ वहीं पड़े रहे और कोई राहगीर उन्हें तत्काल मदद नहीं दिला सका। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें गंभीर हालत में सदर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक पवन पटेल ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस अज्ञात वाहन चालक की तलाश में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और मामले की जांच तेज कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक वह बगैर हैलमेट लगाए बाइक चला रहे थे।

दलाली का काम करने वाले भी बन बैठे पत्रकार

● पत्रकारिता छेत्र शहडोल संभाग के लिए बड़ी दुःख की बात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
शहडोल दिनेश चौधरी

शहडोल में पत्रकारों की एक अलग ही मिशाल हैं जो अपने पत्रकार जगत की मध्यप्रदेश सहित भारत के लिए अलग ही पहचान से जाना जाता हैं। लेकिन शहडोल जिले में बढ़ते अपराधों को झुंपाने के लिए पत्रकारिता की चोला ओढ़ पैसा वसूली का काम कर रहे हैं। आपको बता दे कि गुड्डन भईया का सफर एक आरटीओ एजेंट के रूप से शुरू हुई, । फिर अधिकारी से मधुर संबंध बनाने के बाद पूरी व्यवस्था की जवाबदारी ली और व्यवस्थाओं पर खरे उतरे गए और पूरे जिले की परिवहन की आफ रिकॉर्ड दलाल अधिकारी बन वसूली चालू हुई। इस सफर से सफल होकर एक पुलिस विभाग के अधिकारी से मधुर संबंध बनाकर व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी लेकर खरे उतर कर वहां पर भी अपना उल्लू सीधा कर ढाबा

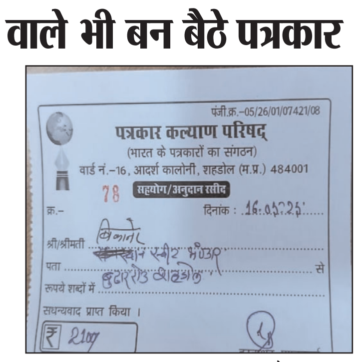
पंजी.क्र.-05/26/01/07421/08
पत्रकार कल्याण परिषद्
(भारत के पत्रकारों का संगठन)
वार्ड नं.-16, आदर्श कालोनी, शहडोल (म.प्र.) 484001
78 सहयोग/अनुदान रसीद
क्र.- दिनांक : 16.05.25
श्री/श्रीमती
पता ... से
रुपये शब्दों में
सधन्यवाद प्राप्त किया ।
₹ 2100

का व्यवसाय पर उछाल मारी और रिसोर्ट तक का सफर तय कर अपने कार्यो को अंजाम दिया। इसके उपरांत लगातार दलाली का सफर तय करते हुए मालवाहक वाहनों पर अपनी किश्मत आजमाई। इसके साथ ही अपने पुराने धंधे को लेकर तत्कालीन आरटीओ से विवाद से भी यह सुर्खियों में आए थे और अपने आप को पाक साफ बताने के लिए पत्रकारिता का चोला उड़ लिए। इसके साथ ही सूत्रों की माने तो इस दिवाली के पूर्व नगर के कई प्रतिष्ठानों पर इनके व इनके पदाधिकारी के द्वारा संगठन के नाम पर पर्ची काटकर जमकर वसूली भी की गई है।

प्रसव के बाद जच्चा की मौत, परिजनों में आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- के बाद महिला की मौत परिजनों में कोहराम मच गया और गुस्साए परिजनों ने लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। ललपुरा थाना क्षेत्र के उजनेड़ी गांव की गायत्री (24वर्ष) पति विनय गुरुवार को प्रसव पीड़ा होने पर परिजनों ने सुबह करीब 7 बजे पौथिया के नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। करीब 4 घंटे बाद महिला ने लड़के को जन्म दिया और सही सलामत रही।लगभग दो घंटे बाद महिला ने पेट व बदन दर्द होने की बात पौथिया एएनम कल्पना सिंह को बताई।एनम ने प्राथमिक

उपचार के बाद महिला को हमीरपुर जिला अस्पताल रिफर कर दिया। जहां जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।उधर सूचना पर पहुंचे महिला के मायके पक्ष के लोगों ने शव का पोस्टमार्टम कराने की मांग पर शुक्रवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मृतक के पति विनय ने बताया पत्नी की नार्मल डिलीवरी में एक लड़के को जन्म दिया है बच्चा हमीरपुर जिला अस्पताल भर्ती है बच्चा ठीक है।उधर ललपुरा थाना प्रभारी राकेश कुमार सरोज ने बताया भौतिक सूचना के आधार पर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया गया।